6 वर्ष से बना रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल, अधिकारी बोले- आतंकवाद की रणनीति में बदलाव चिंताजनक - 6

अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका - 6

निवेश और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अफ्रीका - 7

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में राहुल संभालेंगे भारत की कप्तानी - 12


6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:22 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 24 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 295, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये


## एक और टी- 20 क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत के नाम

### अब दृष्टिबाधित बेटियों ने फहराया देश का परचम

**कोलंबो।** एक और टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत की झोली में आया है। इस बार दृष्टिबाधित बेटियों ने देश का परचम दुनिया में फहराया है। रविवार को पी सारा ओवल मैदान में हुए फाइनल में बेटियों ने नेपाल को सात विकेट से हराकर यह खिताब जीता। दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए टी-20 क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन था। विस्तृत खबर खेल पेज 12 पर

# एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते की जरूरत

- जी 20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को किया संबोधित

**मोदी ने जोहानिसबर्ग में कहा- वित्त केंद्रित के बजाय मानव केंद्रित बनाई जाएं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां**

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते का रविवार को आह्वान किया। इसके साथ उन्होंने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को वित्त केंद्रित के बजाय मानव केंद्रित बनाने पर भी जोर दिया।

जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक होने चाहिए और इन्हें विशिष्ट मॉडल के बजाय ओपन सोर्स पद्धति पर आधारित होना चाहिए। ओपन सोर्स पद्धति का मतलब सभी के लिए मुफ्त में उपलब्ध होने से है। मोदी ने कहा कि इस दृष्टिकोण को भारत के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत किया गया है और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण लाभ हासिल हुए हैं, फिर चाहे वह अंतरिक्ष अनुप्रयोग हों या फिर एआई या डिजिटल भुगतान, जहां भारत दुनिया में अग्रणी है।

जी20 शिखर सम्मेलन का तीसरा सत्र सभी के लिए एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य-महत्वपूर्ण खनिज सभ्य कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर आधारित था। प्रधानमंत्री ने कहा, हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का इस्तेमाल वैश्विक भलाई के लिए हो और इसका दुरुपयोग रोका जाए।

सिरिल रामफोसा और लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ मोदी।

### यूएनएससी में सुधार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता

**जोहानिसबर्ग।** प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को साफ संदेश देना चाहिए कि इस वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोदी ने इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन में कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया विभाजित दिखती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का भी प्रस्ताव रखा। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें करीबी समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा।

## ब्रीफ न्यूज

### सीजेआई के रूप में आज शपथ लेंगे न्यायमूर्ति सूर्यकांत

**नई दिल्ली।** न्यायमूर्ति सूर्यकांत सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायधीश के रूप में शपथ लेंगे। वह न्यायमूर्ति बीआर गवई की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल शाम को समाप्त हो जाएगा। गत 30 अक्टूबर को न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगले सीजेआई के रूप में नियुक्त किया गया था। वह इस पद पर लगभग 15 महीने तक रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर नौ फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे।

### वांगचुक की हिरासत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई आज

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय सोमवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी की अर्जी पर सुनवाई करेगा जिन्होंने दायर की गई अर्जी में आरोप लगाया है कि उनके पति को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत गैरकानूनी रूप से हिरासत में रखा गया है और यह उनके बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करने वाला एक मनमाना कदम है। शीर्ष अदालत ने 29 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। वांगचुक को 26 सितंबर को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था।

### प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी बने उत्तराखंड : धामी

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार उत्तराखंड को प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, खेल, पेयजल और हवाई कनेक्टिविटी जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 44वें भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के तहत उत्तराखंड पवेलियन में उत्तराखंड दिवस समारोह को संबोधित किया। इस वर्ष व्यापार मेले की थीम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' रखी गई है।

# भारत जोड़ने वाली संस्कृति का देश बांटने वालों से रहें सावधान : भागवत

## संघ प्रमुख ने दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में धर्म-संस्कृति के मुद्दों पर दिया कड़ा संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को यहां आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर कई कड़े संदेश दिए। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत जोड़ने वाली संस्कृति का देश है और बांटने वालों से सावधान रहना होगा। उन्होंने श्रीमद्भगवदगीता के महात्म्य के साथ वर्तमान हालात की चर्चा करते हुए कई दृष्टांत सुनाए और कहा कि गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का समाधान भी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मंच पर भागेदारी की।

मोहन भागवत ने समाज की एकता, हिंदू संस्कृति के वैश्विक प्रभाव और देश की दिशा पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामूहिकता में छिपी है। लोगों से आग्रह किया कि वे समाज को जोड़ने वाली परंपराओं को अपनाएं और विभाजनकारी एजेंडों से दूर रहें। जो भी विचार समाज को बांटने का काम करते हैं, वे भारतीय मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। भागवत ने कहा कि भारत आज दुनिया में नई पहचान बना रहा है। हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा। भारत का रास्ता एकता, आत्मविश्वास और संस्कृति की रक्षा से होकर ही निकलेगा।

उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया अव्यवस्था, संघर्ष और नैतिक भ्रम से गुजर रही है, ऐसे समय में गीता ही वह शाश्वत मार्गदर्शक है जो मानवता को संतुलन और धर्म के पथ पर पुनः स्थापित कर सकती है। गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का भी समाधान, इसलिए मनुष्य चाहे जिए या मरे, गीता ही उसके अस्तित्व का आधार होनी चाहिए। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी ज्ञानानंद की संस्था 'श्रीकृष्ण कृपा जियो गीता परिवार, उत्तर प्रदेश' की ओर से जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' की शुरूआत दीप जलाकर और श्रीमद्भगवदगीता की पूजा से की।

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

### युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र... जहां धर्म और कर्तव्य वहीं जय : योगी

- संघ समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है, अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग से नहीं

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युद्ध का मैदान भी हमारे लिए 'धर्मक्षेत्र' है और जहां धर्म व कर्तव्य होगा, वहीं जय होनी है। योगी ने कहा, पूरे भारत को हमने धर्मक्षेत्र माना, इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र ही है। मुख्यमंत्री ने कहा, कर्तव्यों से जुड़ा क्षेत्र है और धर्मक्षेत्र में जो युद्ध लड़ा जा रहा है, वह कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा है। यही भाव सामने आता है तो अंत में परिणाम यह होता है कि जहां धर्म और कर्तव्य होगा, वहीं विजय होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी को गुरुर नहीं पालना चाहिए कि अधर्म के मार्ग पर चलकर विजय प्राप्त हो जाएगी। यह भारत के सनातन धर्म की परंपरा है कि प्रकृति का अटूट नियम है, सदैव से यही होता आया है। मुख्यमंत्री ने भागवत को निष्काम कर्म का प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि आरएसएस ने 100 वर्षों की यात्रा में सेवा को कभी सौदेबाजी का माध्यम नहीं बनने दिया। संगठन समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है, न कि ओपेक देशों या किसी अंतरराष्ट्रीय चर्च की फंडिंग से। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने दुनिया में सेवा को ही सौदे का औजार बना लिया।

# डीएम रखेंगे चुनाव आयोग के खिलाफ अफवाहों पर नजर

- गलत सूचनाएं फैलाने वालों पर कार्रवाई और फौरन वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश
- आयोग ने जिलाधिकारियों को जारी किए निर्देश, सोशल मीडिया टीम बनाने को कहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** उत्तर प्रदेश में सभी जिलाधिकारियों को वोटर लिस्ट या चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर फैलने वाली अफवाहों पर सीधे नजर रखने को कहा गया है। चुनाव आयोग ने जिलाधिकारियों से उम्मीद जताई है कि वे खुद निगरानी के साथ एक सोशल मीडिया टीम भी बनाए ताकि आम लोगों के बीच चुनावी प्रकिया को लेकर कोई गलत संदेश प्रसारित न हो।

चुनाव आयोग ने कहा है कि अगर ऐसा कोई गलत संदेश फैलाया जाए तो न केवल उसे प्रसारित करने वाले पर कार्रवाई हो बल्कि जिलाधिकारी अपने एक्स अकाउंट से उस अफवाह का खंडन कर वास्तविक स्थिति को भी स्पष्ट करें। आयोग ने बताया है कि राज्य में एसआईआर पर नजर रखने के लिए राजनीतिक दलों के भी 4 लाख से अधिक बीएलए तैनात किए गए हैं ताकि अफवाह फैलाने की गुंजाइश न रहे। इस बीच उत्तर प्रदेश में अभी तक 3 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य बीएलओ कर चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के मुताबिक, प्रदेशभर के जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश हैं कि वे यह सुनिश्चित कर लें कि उनके जिले के सभी गांवों के सभी मजरों और नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक मतदाता को गणना पत्र अवश्य उपलब्ध करा दिया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी यह फीडबैक लें कि उनके जिले का कोई भौगोलिक क्षेत्र बीएलओ के भ्रमण से छूट न गया हो।

### रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन करें सहयोग

कहा गया है कि नगरीय क्षेत्रों में अक्सर बीएलओ स्थानीय कर्मचारी नहीं होता है इसलिए नगरीय क्षेत्रों में बीएलओ का काम ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले कठिन होता है। ऐसी स्थिति में रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से उम्मीद की गई है कि वे भी अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ सहयोग करें। रिणवा ने बताया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को अधिक से अधिक हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश हैं ताकि कॉन्टैक्ट सेंटर और हेल्प डेस्क पर एसआईआर प्रक्रिया से पूरी तरह जानकार एवं प्रशिक्षित कर्मी मौजूद रहें।

# दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ 262 करोड़ के ड्रग बरामद, दो गिरफ्तार

- एनसीबी का दिल्ली में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी होने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में एक फ्लैट पर छापा मारकर 262 करोड़ रुपये कीमत के मेथामफेटामाइन ड्रग्स बरामद किए गए हैं और नगालैंड की एक युवती समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस की इस कार्रवाई को ड्रग तस्करों के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ बताया जा रहा है। पुलिस ने दावा किया है कि दिल्ली में यह अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी है। छतरपुर में एक किराए के फ्लैट से कुल 328.54 किलोग्राम मेथामफेटामाइन नाम की ड्रग्स बरामद की गई है। एनसीबी के मुताबिक एक सूचना पर शाने वारिस नाम के तस्कर को 20 नवंबर की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था जो अमरोहा (यूपी) के मंगरौली गांव का रहने वाला है। इसके बाद छतरपुर में फ्लैट पर छापा मारा गया जहां भारी मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी हुई। यह फ्लैट नगालैंड की रहने वाली युवती एस्थर किनिमी ने किराए पर लिया हुआ था।

# प्रदेश में अब ठिठुराने वाली सर्दी के लिए तैयार रहें

- तापमान में जारी गिरावट इस सप्ताह तेज होने की संभावना
- कई जिलों में कोहरा पड़ना शुरू, मौसम विभाग ने जारी की एडवाइजरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** उत्तर प्रदेश में लोगों को जल्द ही ठिठुरने वाली सर्दी से जूझना पड़ेगा। तापमान में जारी गिरावट आने वाले दिनों में और तेज होने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 4-5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। इस बीच अलीगढ़, आगरा, कानपुर और अमेठी में मध्यम कोहरा दर्ज किया गया है। राजधानी लखनऊ समेत अयोध्या, कुशीनगर, वाराणसी, आजमगढ़ और गोरखपुर में भी सुबह और रात का कोहरा पड़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में ठंडी पछुआ और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से तापमान में शुरू हुई गिरावट आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। राज्य में कोई सक्रिय मौसम तंत्र न होने के कारण ठंडी हवाओं का प्रभाव दिख रहा है। अगले 4 से 5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान गिरावट के साथ 2-3 डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है। अनुमान है कि नवंबर के आखिरी सप्ताह तक प्रदेश में सर्दी की जोरदार दस्तक हो सकती है। तमाम इलाकों में पारा गिर रहा है तो वहीं कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना भी बनी हुई है। मौसम विभाग ने लोगों से सुबह घर से निकलते वक्त सावधानी बरतने धुंध के समय वाहन धीमी रफ्तार से चलाने की सलाह दी है। ठंडी हवा चलने से प्रदेश में अगले कुछ दिनों में सुबह-शाम की ठिठुरन बढ़ेगी।

### ज्यादा जिलों में प्रभावित होगी दृश्यता

आने वाले दिनों में प्रदेश में न्यूनतम तापमान 11-15 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 26-28 नवंबर के बीच तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट की संभावना है। सुबह कोहरा और धुंध छाए रहने से जिलों में दृश्यता प्रभावित होगी। मौसम विज्ञान विभाग ने सुबह के समय हल्के कोहरे के साथ मुख्य रूप से धूप खिली रहने और उसके बाद दिन में धुंध भरी धूप रहने का अनुमान जताया है।

# चीन एलएसी पर महिला योद्धा भी संभालेंगी मोर्चा

- एलएसी पर अपनी 10 महिला चौकियां स्थापित करेगा आईटीबीपी

नई दिल्ली/जम्मू, एजेंसी

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर महिला कर्मियों वाली 10 चौकियां स्थापित कर रही है। 5 वर्ष पहले चीन के साथ झड़प के बाद आईटीबीपी एलएसी पर अग्रिम मोर्चे की सीमा चौकियों की संख्या 180 से बढ़ाकर 215 कर चुकी है।

आईटीबीपी के महानिदेशक प्रवीण कुमार ने शनिवार को कहा, हमने अग्रिम तैनाती योजना पर काम करते हुए अग्रिम मोर्चे की सीमा चौकियों की संख्या अब 180 की तुलना में 215 कर दी है। इसके साथ सात नई बटालियन और एक सेक्टर मुख्यालय की स्थापना ने अग्रिम क्षेत्रों तक हमारी पहुंच और निगरानी को बढ़ाया है।

महानिदेशक ने कहा कि आईटीबीपी निकट भविष्य में चीन एलएसी पर सुरक्षा और समन्वय को मजबूत करने के लिए 41 और ऐसी अग्रिम चौकियां स्थापित करेगा। महिला योद्धाओं की भूमिका बढ़ाने के लिए, आईटीबीपी लद्दाख के लुकुंग और हिमाचल प्रदेश के थांगी में महिला कर्मियों वाली दो सीमा चौकियां स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

**ध्वज स्थापना समारोह** | प्रधानमंत्री मोदी पहली बार प्रथम तल पर राम दरबार की करेंगे आरती

# विवाह पंचमी पर स्वर्ण जड़ित पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे राजा राम

- दक्षिण भारत की परंपरा के आधार पर तैयार किया गया पीतांबरी वस्त्र

सत्य प्रकाश, अयोध्या

**अमृत विचारः** विवाह पंचमी तिथि पर 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम के दिन रामलला और प्रथम तल पर विराजमान राजा राम और माता सीता भी स्वर्ण जड़ित पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे।

इसे मशहूर डिजायनर मनीष त्रिपाठी ने तैयार कर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार यहां रामदरबार की आरती उतरेंगे। मशहूर डिजायनर मनीष त्रिपाठी के मुताबिक भगवान के वस्त्र पीतांबर है, जिसे सोने के धागों से पिरोया गया है। यह पूरा कार्य दक्षिण भारत की शैली पर तैयार कराया गया है। उन्होंने बताया कि यह वस्त्र एक वर्ष पूर्व से ही बनाए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। रामलला और राम दरबार के भी वस्त्र पीतांबरी है जिसमें माता सीता के वस्त्र को पीले और लाल रंग को मिश्रित करता हुआ वस्त्र हैं। उन्होंने बताया कि इसे दक्षिण भारत पहुंचकर वहां की डिजाइन पर तैयार किया गया है जिस पर रामायण के चिह्न अंकित किए गए हैं।

भव्य ध्वज स्थापना समारोह से पूर्व रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाता भव्य राम मंदिर।

### विशेष प्रवेश पत्र पर होगा अतिथि का फोटो

**अयोध्या।** राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों को आमंत्रण पत्र के साथ एक विशेष प्रवेश पत्र दिया गया है, जिसे देखकर उन्हें आयोजन में शामिल होने के लिए प्रवेश दिया जाएगा। समारोह स्थल तक पहुंचने के लिए दोहरी जांच की जाएगी। इस दौरान किसी भी वीवीआईपी को अंगरक्षक को भी साथ नहीं जाने दिया जाएगा। अतिथियों को दिए गए प्रवेश पत्र पर उनका सारा ब्योरा अंकित है, इस पर उसकी फोटो, मोबाइल नंबर के साथ क्यूआर कोड भी लगा है जिसे स्कैन करने पर आमंत्रित सदस्य की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि आमंत्रित अतिथि जिनके साथ निजी या सरकारी सुरक्षाकर्मी व उनके सहायक होंगे, उन्हें भी समारोह में जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। यहां उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी विशेष सुरक्षा अधिकारी के जिम्मे रहेगी।

## न्यूज ब्रीफ

उत्तर प्रदेश पुलिस झंडा दिवस पर मुख्यमंत्री योगी को लखनऊ में उनके आवास पर फ्लैगपिन लगाते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण।

### गुरु का ताल गुरुद्वारा का 2 करोड़ से होगा विकास

**अमृत विचार, लखनऊ :** सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर राज्य सरकार ने सिख विरासत को विशेष सम्मान दिया है। आगरा स्थित गुरु का ताल गुरुद्वारा के पर्यटन विकास के लिए दो करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास मद के तहत जारी की गई है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को दी है। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर वर्ष 1665 में आगरा आए थे और उन्होंने यहां 'गुरु का ताल' स्थल पर नौ दिन प्रवास किया था। यहीं से जुड़ी कई ऐतिहासिक कथाएं आज भी श्रद्धालुओं में आस्था का केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के साथ अब गुरु का ताल के विकास से प्रदेश में सर्वधर्म समभाव की भावना को नई ऊर्जा मिलेगी।

### चयनित 1329 नर्सों को कॉलेज आवंटित

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा चयनित 1183 महिला और 146 पुरुष नर्सों को उनके पसंद के अनुसार मेडिकल कॉलेज आवंटित कर दिए गए हैं। इनमें से जिन 23 अभ्यर्थियों ने मनपसंद कॉलेज की प्राथमिकताएं नहीं दी थी, उन्हें विभाग द्वारा स्वत: कॉलेज आवंटित कर दिए गए हैं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय ने कुल 1329 अभ्यर्थियों की आवंटन सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट dgme.up.in पर जारी कर दी है। साथ ही अभ्यर्थियों को ई-मेल के माध्यम से भी आवंटन की जानकारी भेजी गई है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक के निर्देशानुसार सभी चयनित अभ्यर्थियों को 24 से 28 नवम्बर के बीच अपने आवंटित राजकीय मेडिकल कॉलेज या चिकित्सा संस्थान में उपस्थित होकर मूल प्रमाण पत्र और शपथ पत्र जमा करने होंगे। दस्तावेज़ों के सत्यापन के पश्चात अभ्यर्थियों को अस्थायी नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे।

### महापरिनिर्वाण दिवस मनाएगी बसपा

**अमृत विचार, लखनऊ :** 2027 के विधानसभा चुनावों और आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को रफ्तार देते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मैदान में पूरी दमदारी से उतरने की रणनीति बना ली है। पार्टी डॉ.आंबेडकर की पुण्यतिथि 6 दिसम्बर को मंडल स्तर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर संगठन को गति देने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार, बसपा में इन दिनों बूथ और सेक्टर स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ पंचायत स्तर पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है। सभी जिलों में नेतृत्व को निर्देश दिए गए हैं कि वे जमीनी स्तर पर जनसमस्याओं को उठाते हुए संगठन को विस्तार दें और नए मतदाताओं से जुड़ें। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सिंह का कहना है कि बाबा साहेब की पुण्यतिथि पर विभिन्न मंडलों में पुष्पांजलि देने के लिए कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

# सेवा को सौदेबाजी बनाने वालों पर किया सीधा प्रहार

## सरसंघचालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी ने दुनिया को दिया सामाजिक और राजनीतिक संदेश

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- बदलती डेमोग्राफी पर जताई चिंता, छद्म संगठनों और आश्रय देने वालों को चेताया

**अमृत विचार :** दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव मंच भले ही आध्यात्मिक था, लेकिन उसका संदेश पूर्णत: सामाजिक और राजनीतिक रहा। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने समाज को एकता की सीख दी, तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवाकार्य को बेचने वाले छद्म संगठनों और उनके राजनीतिक आश्रयों को सीधा संदेश दिया। साफ था कि भारत की आत्मा के साथ सौदा अब स्वीकार नहीं।

जनेश्वर मिश्र पार्क में दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव का मंच रविवार को केवल आध्यात्मिक विमर्श का नहीं रहा, बल्कि उस पर समाज, संस्कृति, धर्म और राष्ट्र के संवेदनशील सवालों पर दो सबसे प्रभावशाली नेताओं सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट और तीखा संदेश गूंजा। दोनों ने जिस अंदाज में परंपरा व राष्ट्रहित के प्रश्न उठाए, वह इसे एक सामान्य समारोह से आगे बढ़ाकर देश ही नहीं विश्व के लिए भी संकेतक बना। डॉ. मोहन भागवत ने गीता को 'जीवन का विज्ञान और मृत्यु का समाधान' बताते हुए समाज के भीतर चल रहे विभाजनकारी नैरेटिव पर तीखी चिंता जताई। यह वक्तव्य ऐसे समय में आया है, जब देश में धार्मिक-सामाजिक बहसों को लेकर ध्रुवीकरण चरम पर है। उन्होंने स्पष्ट इशारों में कहा कि देश के वर्तमान हालात महाभारत की युद्धभूमि जैसे हैं- भ्रम, मोह और नैतिक लड़खड़ाहट बढ़ रही है। ऐसे समय में गीता मानवता के लिए दिशा-दर्शक है। उनका यह संदेश केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक चेतावनी भी था कि भारत को जोड़ने की संस्कृति पर आघात करने वाले कारकों से सावधान रहना होगा।

मुख्यमंत्री योगी का संदेश और अधिक राजनीतिक था। उन्होंने ओपेक देशों की फंडिंग और इंटरनेशनल चर्च का हवाला देकर लोभ और दबाव से भारत की डेमोग्राफी बदलने की कोशिश करने वाले संगठनों पर कड़ा प्रहार किया। हालांकि उन्होंने किसी संगठन का नाम नहीं लिया। हालांकि योगी धर्मांतरण गैंग, विदेशी फंडिंग वाले एनजीओ, राजनीतिक इस्लाम की गतिविधियों जैसे शब्दों पर पहले भी निशाना साधते रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण के संदर्भ में इशारा उन दलों की ओर रहा, जिन्हें वह पहले भी जनसंख्या संतुलन बिगाड़ने और वोट-बैंक आधारित संरक्षण देने का आरोप लगा चुके हैं।

### राष्ट्रीय विमर्श में और प्रमुख होंगे मुद्दे

भागवत और योगी का संयुक्त संदेश इस बात का संकेत है कि आने वाले चुनावों में धर्म, संस्कृति और डेमोग्राफी, विदेशी फंडिंग और सेवा-संस्थाओं की भूमिका और समाज को बांटने बनाम जोड़ने की अवधारणा जैसे मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श में और प्रमुख होने जा रहे हैं।

## शुभकामना संदेश

दैनिक **अमृत विचार** को सफलतापूर्वक 6 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जनसरोकारों, विकास कार्यों और सामाजिक मुद्दों को निष्पक्षता व विश्वसनीयता के साथ जनता तक पहुंचाने में अमृत विचार ने अपने दायित्वों का सराहनीय निर्वहन किया है। सकारात्मक पत्रकारिता और तथ्यपरक खबरों की इसकी पहचान ने इसे प्रदेश के प्रमुख मीडिया संस्थानों में प्रतिष्ठित स्थान दिलाया है।

मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भी अमृत विचार इसी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश की विकास यात्रा का सशक्त भागीदार बना रहेगा तथा जन-मानस की आवाज को और मजबूती देगा।

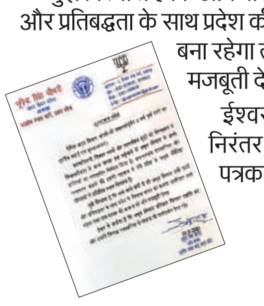

ईश्वर से प्रार्थना है कि अमृत विचार परिवार निरंतर उन्नति करे और अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता में समाज को मार्गदर्शन देता रहे।

**भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष**
**भारतीय जनता पार्टी, उप्र.**

# भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है श्रीमद्भगवदगीता : मुख्यमंत्री

## दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में बोले योगी, भगवान श्रीकृष्ण ने दी निष्काम कर्म की प्रेरणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता 140 करोड़ भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है। यह जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही जीवन जीने की कला का मार्ग है। हर व्यक्ति को इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में स्वामी ज्ञानानंद का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने गीता को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुत छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। श्रमिक, किसान, महिला, छात्र, नौजवान, नौकरीपेशा, चिकित्सक, अधिवक्ता, व्यापारी, योद्धा, सैनिक के लिए गीता की प्रेरणा क्या है, उन्होंने इसे संस्था जियो गीता के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उनकी छोटी-छोटी पुस्तकें अत्यंत प्रेरणादाई होती हैं। श्रीमद्भगवदगीता केवल जेल के कैदियों के लिए नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है।

योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता के 18 अध्यायों के 700 श्लोक को भारत का हर सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर आदर भाव के साथ आत्मसात करने का प्रयास करता है। श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा देती दिखाई देती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म से ही शुरू होती है और अंत में भी उसी मर्म के साथ विराम लेती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है। भारत की मनीषा ने धर्म को कर्तव्य के साथ जोड़कर देखा है। हमने धर्म को उपासना विधि मात्र नहीं माना है। उपासना विधि उसका छोटा-सा भाग है। हर व्यक्ति अपने पंथ, संप्रदाय, उपासना विधि के अनुरूप आस्था को तय कर लेता है, लेकिन मुख्य रूप से धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है। हमने इसे ही 'वे ऑफ लाइफ' के रूप में कहा है।

इस दौरान अखिल भारतीय आचार्य महासभा के महासचिव स्वामी परमात्मानंद, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद, श्रीधराचार्य, संतोषाचार्य 'सतुआ बाबा', स्वामी धर्मेंद्र दास, रामचंद्र दास, स्वामी शशिकांत दास, जी, श्रीमद्भगवत गीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष उमेश पालीवाल, परमानन्द शुक्ल, कमल त्रिवेदी, अमर नाथ, अशोक तिवारी, महेन्द्र सिंह, हिमांशू मिश्रा रामलाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक मणि प्रसाद मिश्र आदि मौजूद रहे।

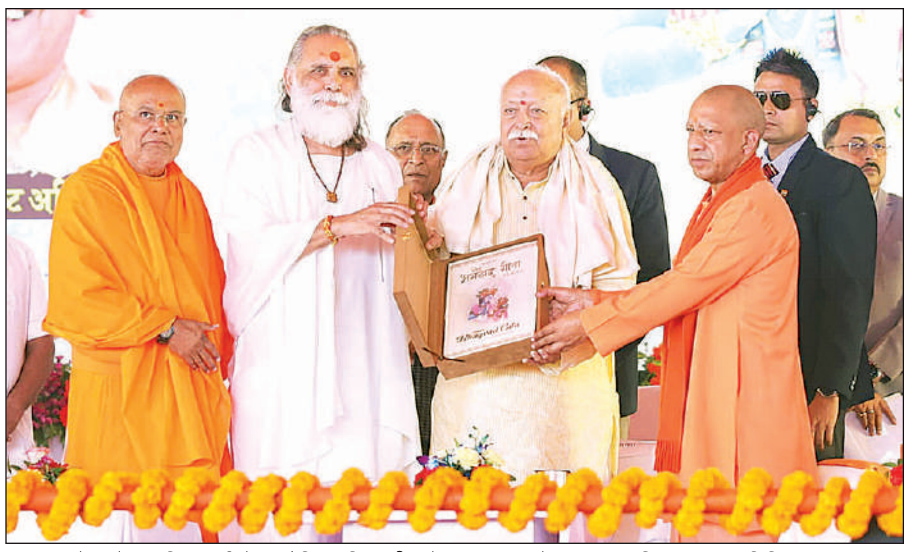

लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' के मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्वामी ज्ञानानंद व अन्य। अमृत विचार

### आज के हालात महाभारत की युद्धभूमि जैसे : भागवत

मुख्य अतिथि संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया आज जिस तरह से डगमगा रही है, जिस प्रकार मूल्य, नीति और मानवता लड़खड़ा रही है, वैसा ही दृश्य महाभारत के युद्धभूमि में अर्जुन के सामने था। अर्जुन भी भ्रम, शोक और मोह से विह्वल होकर युद्ध छोड़ने की स्थिति में पहुंच गया था, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण के गीता ज्ञान ने अर्जुन के भीतर धर्म, साहस और कर्तव्य की प्रचंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर दी। भागवत ने कहा कि जीवन के अत्यंत विपत्ति क्षणों में भी गीता वह दिव्य शास्त्र है, जो मनुष्य को अंधकार से बाहर खींचकर दृढ़ता, समाधान और निर्भयता प्रदान करती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गीता केवल पढ़ने की वस्तु नहीं, बल्कि जीने की प्रक्रिया है। जो गीता को अपनाएगा, वही संकट से उबरेगा।

# एसआईआर में बांग्लादेशी-रोहिंग्या पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवैध झुग्गी-झोपड़ी वालों को कहां से मिला आधार और राशन कार्ड होगी जांच
- अधिकारियों की टीमें बनाई जा रहीं, डिटेंशन सेंटर की तैयारी में जिलाधिकारी

**अमृत विचार :** प्रदेश सरकार ने एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। जिलाधिकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय से डिटेंशन सेंटर बनाने के स्पष्ट निर्देश के बाद शहर-शहर अवैध झुग्गी-झोपड़ियों की पड़ताल के लिए अधिकारियों की टीमें बनानी शुरू कर दी है। ये जांच करेंगे कि 2003 की मतदाता सूची में सरकारी जमीन पर बसने वाले इन लोगों के नाम थे या नहीं, बाद में जोड़े गए तो आधार क्या था। खासकर किस दस्तावेज से आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली कनेक्शन, वोटर कार्ड आदि बनता गया और इसके लिए शुरुआती दोषी कौन है।

पहले भी जांच एजेंसियों ने कई जिलों में ऐसे खानाबदोश और भ्रमणशील समुदाय चिन्हित किए हैं, जो वर्षों से झुग्गी-झोपड़ी, टीन-तिरपाल और मिट्टी की बस्तियों में रह रहे हैं। न उनका वहां कोई पुश्तैनी जमीन थी, न ही परिवार। आश्चर्यजनक रूप से इन परिवारों के पास न तो वैध नागरिकता प्रमाण हैं और न ही स्थायी पते का कोई रिकॉर्ड, लेकिन फिर भी इनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर लिस्ट में नाम दर्ज मिले हैं। सूत्र बताते हैं कि पहचान पत्र जारी करने की स्थानीय प्रक्रियाओं में अनियमितताओं का लाभ उठाकर कई विदेशी नागरिक सामान्य भारतीय के रूप में दर्ज हो गए। एसआईआर प्रक्रिया में अब शासन का विशेष निर्देश है कि हर संदिग्ध परिवार से वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज अपने घर नंबर, पता और मतदान क्षेत्र की जानकारी देनी होगी। यदि कोई व्यक्ति या परिवार यह साबित नहीं कर पाता कि उसका नाम या उसके माता-पिता का नाम 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज था, तो उसे संदिग्ध नागरिकता सूची में रखा जाएगा।

### अस्थाई झुग्गी-झोपड़ी से शुरू हुआ खेल

अस्थाई झुग्गी-झोपड़ी, तिरपाल और अस्थायी बस्तियों में रहने वाले बांग्लादेशी और रोहिंग्या परिवारों को पहले स्थानीय स्तर पर रहने की अनुमति दी गई। कुछ प्रभावशाली स्थानीय लोगों ने इन्हें मजदूरी, सफाई और छोटे कामों में लगवाया, जिससे इलाके में स्थायी उपस्थिति दिखने लगी। ज्यादातर मामलों में आधार कार्ड स्थानीय लोगों द्वारा दिए गए गलत पते पर बनाया गया। कई जगहों पर आधार एनरोलमेंट कैंपों का दुरुपयोग हुआ, जहां बगैर किसी सख्त दस्तावेज के कहीं पार्षद तो कहीं सभासद या ग्रामीण इलाकों में प्रधान से फोटो के साथ प्रमाण पत्र बनवाकर आधार जारी कर दिए गए। आधार मिलने के बाद पहचान साबित करना और आसान हो गया।

### राशन कार्ड से ले रहे सरकारी लाभ

आधार कार्ड के जरिये पर राशन कार्ड बनवाया गया, जिसमें पूरा परिवार शामिल कर दिया गया। राशन कार्ड से इन परिवारों को सरकारी योजनाओं और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में जगह मिल गई। प्रशासनिक रिकॉर्ड में नाम दर्ज हो जाने से स्थायी निवासी होने का भ्रम और मजबूत हुआ। कई जिलों में अवैध बस्तियों में घरेलू बिजली कनेक्शन जारी हुए। बिजली बिल में दर्ज ग्राहक संख्या और पता अक्सर वोटर लिस्ट में शामिल किए जाने का आधार बना। बिजली से जुड़े रिकॉर्ड ने इन्हें पिछले कई साल से रहने वाले परिवार दिखाकर चुनावी लाभ कराया। स्थानीय स्तर पर दबाव और सिफारिशों से इन्हें सामान्य नागरिक बताकर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ गए। कई जगहों पर बूथ लेवल ऑफिसर की जांच औपचारिक रही, जिससे फर्जी पते पर भी वोटर आईडी बन गए।

### 2003 की मतदाता सूची में आसानी से नाम खोजने को वेब पोर्टल

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में एसआईआर की कवायद के बीच चुनाव आयोग ने एक वेब पोर्टल के जरिए 2003 की मतदाता सूची में अपना नाम खोजने की प्रक्रिया को आसान किया है। सीईओ नवदीप रिणवा ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में प्रत्येक मतदाता को अपना गणना प्रपत्र सही से भरकर और हस्ताक्षर करने के बाद 4 दिसंबर तक अपने बीएलओ को उपलब्ध कराना है। उन्होंने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि वर्ष 2003 में तैयार मतदाता सूची में अपना या अपने संबंधी का विवरण खोजने के लिए वेब पोर्टल voters.eci.gov.in पर जाएं। सर्च योर नेम इन लास्ट एसआईआर पर क्लिक करें। सर्च बाई इलेक्टर डिटेल्स टैब पर जाएं और ऐसा कर अपने या अपने संबंधी का ब्योरा आसानी से खोज सकते हैं।

# सरल हुई भू-उपयोग प्रक्रिया टाउनशिप प्रोजेक्ट पकड़ेंगे गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एलडीए को कृषि भूमि को सीधे आवासीय भूमि में बदलने का मिला अधिकार

**अमृत विचार :** प्रदेश में भू-उपयोग प्रक्रिया का सरकार ने सरलीकरण किया है। इससे राज्य के तमाम जिलों में चल रहे टाउनशिप प्रोजेक्ट तेज गति पकड़ेंगे। अब एलडीए को भी कृषि भूमि को सीधे आवासीय भूमि में बदलने का अधिकार मिल गया है। इसके लिए पहले की तरह शासन की अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री शहरी विकास व नये शहर प्रोत्साहन योजना के तहत गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, मथुरा-वृंदावन, कानपुर, झांसी, बरेली, मुरादाबाद, बुलंदशहर-खुर्जा, हापुड़-पिलखुवा, बागपत-बड़ौत-खेकड़ा सहित 18 प्राधिकरणों की परियोजनाओं को पहले ही 2025-26 रोडमैप में मंजूरी दी जा चुकी है। अब भूमि-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया सरल होने से इन क्षेत्रों में भी बड़े टाउनशिप प्रोजेक्ट तेज गति पकड़ेंगे। राजधानी की बात की जाए तो इस फैसले के बाद तीन प्रस्तावित टाउनशिप-वरूण बिहार 2664 हेक्टेयर, नैमिष नगर की 1085 हेक्टेयर जमीन अब सीधे प्राधिकरण बोर्ड की मंजूरी से आवासीय घोषित की जा सकेगी।

# एंटी कैंसर दवाओं की अवैध बिक्री में तीन गिरफ्तार

**अमृत विचार, लखनऊ:** खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र.(एफएसडीएस) और गाजियाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एंटी-कैंसर दवाओं की कालाबाजारी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। एफएसडीए की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब के निर्देश के बाद छापेमारी कार्रवाई में दवाओं का अवैध व्यापार करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से लगभग 19 लाख रुपये मूल्य की इंपोर्टेड जीवन रक्षक दवाएं तथा 8.85 लाख रुपये नगद बरामद किए गए हैं। जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह सरकारी (सीजीएसएस) औषधियों के डायवर्जन और नकली दवाओं के व्यापार में सक्रिय था। कार्रवाई के दौरान विश्वास त्यागी (गाजियाबाद), आकाश शर्मा (आगरा) और प्रिंस त्यागी (गाजियाबाद) को गिरफ्तार किया गया हैं।

चावल के चिवड़े से निर्मित प्रधानमंत्री मोदी के चित्र का अनावरण करते प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह।

### पीएम मोदी की अद्वितीय आकृति का अनावरण

**अमृत विचार, लखनऊ :** भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने भाजपा जिला कानपुर उत्तर की ओर से जिला कार्यालय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आकृति चावल का चिवड़ा से निर्मित आकृति का अनावरण किया। इसमें पूरी तरह स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग किया गया है। जैसे- आंखों का स्वरूप कमलगट्टा से, चश्मे का स्वरूप काले तिल से और आंखों की पुतली सफेद चावल से बनाई गई है। इस मौके पर सांसद रमेश अवस्थी, जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित मौजूद रहे। इस रचनात्मक पहल से प्रधानमंत्री की प्रेरणादायी छवि को अनूठे रूप में प्रस्तुत करने के लिए सभी वरिष्ठ नेताओं ने रोहित साहू, श्रीमती सुनीता गौड़, विधि राजपाल, अभीराज सिंह चंदेल, यश जायसवाल, अभिषेक दीक्षित का आभार प्रकट किया।

# बिजली आपूर्ति में क्वालिटी लाने की दी हिदायत

**अमृत विचार, लखनऊ:** प्रदेश सरकार महंगी बिजली दरों से राहत देने के बीच आपूर्ति की स्थिति भी सुधारने जा रही है। विभागीय अधिकारियों को बिजली आपूर्ति में 'क्वालिटी कंट्रोल' की हिदायत दी गई है। इसके बावजूद भी अगर उपभोक्ताओं की शिकायतें बढ़ीं तो न केवल अफसरों की जवाबदेही तय होगी बल्कि दोषी पाए जाने पर उनपर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बिजली आपूर्ति और सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाएं। इससे पूर्व राज्य सरकार के लगातार छठवें साल बिजली दरें न बढ़ने के फैसले से प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा उपभोक्ताओं को राहत मिली है। बिजली दरें बढ़ाने को लेकर पावर कॉरपोरेशन की तरफ से प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन नियामक आयोग ने बिजली दरें न बढ़ाने का निर्णय लिया।

# जीएनएम की खाली सीटों पर कॉलेज कर सकेंगे दाखिला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 30 तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य

**अमृत विचार :** प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम की खाली सीटों पर अब कॉलेज प्रशासन को स्वयं प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दे दी गई है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि कॉलेजों को 30 नवंबर तक अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित कर दाखिले की प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य है।

फैकल्टी सचिव ने बताया कि निर्धारित अवधि में प्रवेश लेकर कॉलेजों को 5 दिसंबर 2025 तक सभी अभ्यर्थियों की सूची कार्यालय को भेजनी होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 30 नवंबर के बाद किए गए किसी भी प्रवेश को मान्य नहीं माना जाएगा। इसके बाद उम्मीद है कि नर्सिंग कॉलेजों की रिक्त सीटें भर सकेंगी और अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को जीएनएम प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मालूम हो कि अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों की लगभग 24 हजार जीएनएम सीटों पर दाखिले के लिए केंद्रीकृत प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी थी।

उपलब्धि

कौशांबी शीर्ष पर, अमरोहा दूसरे और हापुड़ तीसरे स्थान पर

# एनीमिया मुक्त अभियान में 24 जिले बने मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** उप्र. ने एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) अभियान में देशभर में मिसाल कायम की है। राज्य सरकार, एनएचएम और समुदाय के संयुक्त प्रयासों से राजधानी लखनऊ समेत 24 जिलों में गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के बीच आयरन-फॉलिक एसिड (आईएफए) वितरण में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उक्त में आंकड़ों में कौशाम्बी जनवरी-मार्च 2025 में प्रदेश में शीर्ष स्थान पर रहा। जबकि अप्रैल-जून 2024 में यह 33वें नंबर पर था।

रविवार को एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि कौशाम्बी जिले ने गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों में आईएएफए कवरेज के राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ते हुए तेजी से सुधार किया है। वहीं अमरोहा दूसरे और हापुड़ तीसरे स्थान पर रहे। लखनऊ भी 18वें स्थान से उठकर छठे पायदान पर पहुंच गया है।

**पॉलिसी रिफॉर्म और डेटा-ड्रिवन अप्रोच का असर :** एनएचएम की डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि राज्य का औसत एएमबी इंडेक्स 56.9 है। गर्भवती महिलाओं में आईएफए कवरेज 95 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हालांकि 6-59 महीने के बच्चों में कवरेज सिर्फ 4.9 प्रतिशत है, जो शुरुआती बचपन के पोषण पर अधिक फोकस की जरूरत दिखाता है। एनएचएम के जनरल मैनेजर डॉ. मिलिंद वर्धन ने कहा कि एनीमिया से लड़ाई केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और समावेशी विकास की लड़ाई है।

### आकांक्षी जिलों में श्रावस्ती नंबर वन

मिशन निदेशक ने बताया कि सीतापुर, गोरखपुर, अयोध्या, कानपुर नगर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मथुरा, हरदोई और गाजियाबाद समेत 24 जिलों ने आयरन फॉलिक एसिड सेवन में बड़ी प्रगति की है। आकांक्षी जिलों में श्रावस्ती 86.3 के इंडेक्स के साथ सबसे आगे है, जबकि बलरामपुर और फतेहपुर ने भी खासा सुधार किया है। बिजनौर की 17 वर्षीय अंशु बताती हैं कि स्कूल में हर सोमवार आयरन फॉलिक एसिड की गोली लेने से अब कमजोरी और चक्कर की समस्या नहीं रहती। काकोरी की आशा कार्यकर्ता रूबी घर-घर जाकर टैबलेट वितरित करती हैं और महिलाओं को जागरूक करती हैं। रूबी जैसी कार्यकर्ताओं ने कई जरूरतमंद इलाकों में 90 प्रतिशत से अधिक कवरेज हासिल कराया है।

# एसआईआर को हलके में लिया तो टिकट कटा : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने पार्टी नेताओं को दी हिदायत

**अमृत विचार :** मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव बेहद गंभीर हैं, उन्होंने अपनी पार्टी नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) प्रक्रिया को जो नेता गंभीरता से नहीं ले रहे, उनका टिकट कटना तय है। साथ ही कहा कि जब तक एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, किसी भी अन्य जिले का नेता लखनऊ में घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए, अन्यथा पार्टी उसके टिकट पर विचार ही नहीं करेगी।

सपा प्रमुख ने रविवार को जारी बयान में कहा है कि भाजपा सरकार ने जनता को एसआईआर में उलझा दिया है। आयोग बिना तैयारी किए एसआईआर करा रहा है। सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि सावधानी और सतर्कता के साथ एसआईआर में लोगों की मदद करें। अखिलेश ने कहा कि चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया का समय तीन माह बढ़ाये।

# स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 कार्यक्रम में जनपद-बाराबंकी

## प्रगति की ओर अग्रसर

## अमृत विचार की 6 वीं वर्षगांठ पर सभी जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उद्देश्यः—

- समुदाय को स्वच्छता सुविधाओं के प्रति उनके उत्तरदायित्व को ग्रहण कराते हुए जागरूक बनाना तथा उसका व्यवस्थित रखरखाव कराना।
- सभी परिवारों का शौचालय निर्माण कराना एवं परिवार के सभी सदस्यों द्वारा शौचालय का प्रयोग कराना तथा खुले में शौच की प्रथा को समाप्त कराना।
- सभी विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर शौचालयों एवं मूत्रालयों में हाथ धोने की सुविधायें उपलब्ध कराना।
- अस्वच्छ वातावरण एवं गंदे पानी से होने वाले रोगों की रोकथाम कर नियन्त्रित कराना।
- ग्रामीण समुदाय के जीवन स्तर/शैली में गुणात्मक सुधार लाना।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वितीय फेज के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में स्वच्छता से सम्बन्धित कूड़ा—करकट निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाना है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

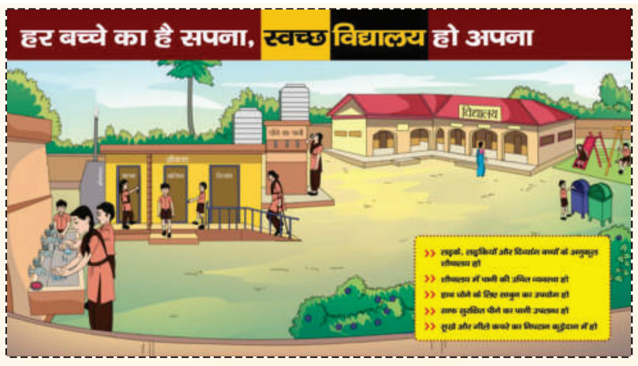

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

### स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत जनपद की उपलब्धि

वित्तीय वर्ष 2022–23 में 5000 से अधिक जनसंख्या वाली 77 ग्राम पंचायतों में कूड़ा–करकट के निस्तारण हेतु आर0आर0सी0 सेन्टरों का निर्माण पूर्ण कराकर ग्राम पंचायतों द्वारा कूड़े का एकत्रीकरण करते हुए सूखा कूड़े कूड़ा और गीले कूड़े को पृथक–पृथक करते हुए कूड़े के निस्तारण का कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में ग्रे–वाटर के प्रबन्धन हेतु सोकपिट, लीचपिट, फिल्टर चेम्बर एवं सिल्ट कैचर का निर्माण कराया गया है। साथ ही साथ ग्राम पंचायतों में डब्ल्यू0एस0पी0 का निर्माण कराकर ग्राम पंचायतों में घरों से निकलने वाले दूषित जल को स्वच्छ जल के रूप में परिवर्तित कर कृषि कार्य हेतु उपयोग में लाया जा रहा है, इसके साथ ही साथ ग्राम पंचायतों में सामुदायिक घूर गड्ढे एवं खाद गड्ढे व नाडेफ का निर्माण कराकर सड़ने गलने वाले कूड़े एवं गोबर से खाद बनाकर ग्राम पंचायतों की स्वयं की आय में वृद्धि का कार्य किया जा रहा है।

मेरा कूड़ा, मेरी जिम्मेदारी।

बाराबंकी ने यह ठाना है, खुले में शौच न जाना है।

जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेन्ट कमेटी/जिला स्वच्छता समिति, बाराबंकी

**स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत**

**(नीतेश भोंडेले)**
सदस्य सचिव
जिला पंचायतराज अधिकारी
बाराबंकी

**(अन्ना सुदन)**
उपाध्यक्ष
मुख्य विकास अधिकारी
बाराबंकी

**(शशांक त्रिपाठी)**
अध्यक्ष
जिलाधिकारी
बाराबंकी

# रसोई में घुस कर गला रेत की प्रेमिका की हत्या

## दूसरे युवकों से बात करने के शक में दिया वारदात को अंजाम, शोर मचाने पर भागा हमलावर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता, मोहनलालगंज

**अमृत विचार :** मोहनलालगंज के धर्मावतखेड़ा गांव में दूसरे लड़कों से चैटिंग करने के शक में रविवार सुबह प्रेमी ने बीएससी छात्रा के गले पर चाकू से वार कर दिया। छोटी बहन से शोर मचाया तो खून से लथपथ प्रेमिका को धक्का देकर सीढ़ियों से नीचे गिराकर भाग निकला। पुलिस की तीन उसकी तलाश के लिए तीन टीमें गठित की थी, देर शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

मृतक प्रियांशी

घटनास्थल वाले घर के बाहर जमा भीड़ व जांच करती पुलिस टीम।

धर्मावत खेड़ा निवासी पूनम रावत पीजीआई में संविदाकर्मी हैं। उनके दो बेटियां प्रियांशी (19) और महक थी। प्रियांशी बीएससी कर रही थी जबकि महक कक्षा-8 में है। रविवार सुबह 9 बजे पूनम पीजीआई चली गई थीं। घर पर दोनों बेटियां थीं। छोटी बेटी महक के मुताबिक मां के जाने के कुछ देर बाद पड़ोस का एक बच्चा कोई समान मांगने के लिए आया। सामान न होने पर उसे लौटा दिया। वह पहली मंजिल पर मौजूद बाथरूम में नहाने चली गई थी, लेकिन मेन गेट बंद करना भूल गई। प्रियांशी भी पहली मंजिल पर रसोई में खाना बना रही थी। इसी बीच प्रियांशी का बीबीडी लोनपुर निवासी प्रेमी आलोक रावत रसोई में पहुंच गया।

महक के अनुसार बाथरूम से उसने आलोक व प्रियांशी के बीच कहासुनी होते सुनी। आलोक प्रियांशी से उसका मोबाइल चेक करने के लिए मांग रहा था। उसे संदेह था कि प्रियांशी दूसरे युवक के संपर्क में है। मोबाइल न मिलने पर वह चिल्लाने लगा। प्रियांशी ने मोबाइल सही करने के लिए देने की बात कही तो और गुस्सा हो गया। शक करने का उलहना देकर प्रियांशी ने आलोक से शादी करने से मना कर दिया। इस पर आलोक ने धमकाया कि कहीं और शादी नहीं होने देगा। इसी बीच प्रियांशी की चीख सुनाई। वह कह रही थी कि आलोक ने उसे चाकू मार दिया है। महक बाथरूम से निकली तो प्रियांशी खून से लथपथ पड़ी थी और आलोक पास में खड़ा था। महक शोर मचाते हुए मदद के लिए दौड़ी। इसी बीच आलोक प्रियांशी को सीढ़ी से धक्का दे कर भाग निकला। महक ने शोर मचाया, लेकिन कोई आगे नहीं बढ़ा। हमलावर बाइक से भाग निकला। सूचना पर कुछ देर में पुलिस व फरेंसिक टीम पहुंच गई और जांच शुरू की।

• शक्की मिजाज होने से युवती ने कर दिया था शादी से इनकार

### ग्रामीणों ने नहीं उठाने दिया शव

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने शव उठाने नहीं दिया। फारेंसिक टीम के साक्ष्य एकत्र करने का विरोध भी किया। ग्रामीण रिपोर्ट दर्ज कर पहले आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने समझाकर ग्रामीणों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि देर शाम आरोपी को आलोक रावत को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आलोक ने रसोई में रखे चाकू से हत्या की है।

### शादी समारोह में हुई थी आलोक व प्रियांशी की मुलाकात

महक के मुताबिक गांव में एक शादी समारोह में प्रियांशी और आलोक की मुलाकात हुई थी। दोनों ने एक दूसरे के मोबाइल नंबर ले लिए और मोबाइल पर बात करने लगे। आलोक का घर आना-जाना भी शुरू हो गया था। जल्द ही शादी होने वाली थी। आलोक शक्की स्वभाव का था। वह शक करता था कि प्रियांशी अन्य युवकों के साथ चैटिंग करती है। जब भी वह प्रियांशी उससे मिलने घर पहुंचता था, मोबाइल चेक करने के लिए मांगता था। प्रियांशी की चैटिंग किसी अन्य युवक से मिलती थी तो झगड़ा करने लगता था। उसके साथ मारपीट करता था। यही नहीं चार-पांच बार गुस्से में प्रियांशी को मोबाइल भी तोड़ चुका था। उसके इस स्वभाव के कारण ही मां पूनम और प्रियांशी ने आलोक से रिश्ता नहीं रखने का निर्णय लिया। प्रियांशी ने उससे शादी करने से मना कर दिया था।

### दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**अमृत विचार, मलिहाबाद :** फेसबुक के जरिए दोस्ती कर युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुनायक ने बताया कि क्षेत्र के भुलभुल खेड़ा निवासी आरोपी ऋषि यादव को कुंवर आसिफ अली इंटर कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया गया है।

**सूचना**

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम SHAHEEDA KHATOON से बदलकर SHAHEDA KHATOON रख लिया है। अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना-पहचाना जाए। W/O ABDUL HAQ FARIDI निवासी-एल -132, सेक्टर-एलडीए कॉलोनी, आशियाना कानपुर रोड, लखनऊ।

**सूचना**

सूचित हो कि मैं AFZAL MOHAMMAD और MOHD RAIS KHAN दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है। जो कि अन्य दस्तावेजों व अभिलेखों में MOHD RAIS KHAN है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-LATE FAZAL MOHD KHAN, ADD-ASIS NAGAR,ADIL NAGAR, TEHRI PULIYA KURSI ROAD PO-VIKAS NAGAR, PS-GUDAMBA, DIST-LUCKNOW-226022(U.P.)

**सूचना**

मैंने अपना नाम मोहम्मद अशफाक अली से बदलकर अशवाक अली पुत्र श्री मुहर्रम अली रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। अशवाक अली पुत्र श्री मुहर्रम अली, निवासी-452/33, पजावा, निकट कब्रस्तान, ठाकुरगंज, चौक, थाना-ठाकुरगंज, लखनऊ।

**सूचना**

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम MOHD ABDUL HAQ FARIDI से बदलकर ABDUL HAQ FARIDI रख लिया है। अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना-पहचाना जाए। S/O LATE. ABDUL RASHID निवासी एल -132, सेक्टर एलडीए कॉलोनी आशियाना, कानपुर रोड, लखनऊ।

**सूचना**

मैंने अपना नाम मोहम्मद तौफिक से बदलकर मोहम्मद तौफीक पुत्र श्री मोहम्मद शफीक रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। मोहम्मद तौफीक पुत्र श्री मोहम्मद शफीक, निवासी-462/ 205/B रामगंज, हुसैनाबाद, थाना-ठाकुरगंज, लखनऊ।

**सूचना**

मैंने अपना नाम MOHAMMAD HAROON से बदल कर MOHAMMAD HAROON UMAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: MOHAMMAD UMAR, R/O: 192/10, NAI BASTI PATTHAR WALI GALI, MASHAKGANJ, LUCKNOW

# बेकाबू कार ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

संवाददाता, निगोहां

• पत्नी व दो बच्चे घायल, निमंत्रण में जा रहे थे रायबरेली

**अमृत विचार :** क्षेत्र के लखनऊ-प्रयागराज मार्ग पर लालपुर पेट्रोल पंप के पास रविवार शाम बेकाबू कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि पत्नी व दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब परिवार रायबरेली के बछरावां क्षेत्र स्थित अपनी ससुराल मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक सुनील

निगोहां के बेनीगंज अकबरपुर निवासी सुनील (38) रविवार को पत्नी सुनीता, दो साल की बेटी सरिता व दस साल की बेटी सुषमा के साथ बाइक से रायबरेली के बछरावां के तोड़कपुर स्थित ससुराल पारिवारिक निमंत्रण में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में ग्राम लालपुर पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही कार ने सामने से बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार परिवार गंभीर रूप से घायल हो गया। खबर पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान सुनील को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि उसकी पत्नी और दोनों बेटियों का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि कार में पुलिस का स्टीकर लगा है। एसओ अनुज तिवारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

# ई-रिक्शा पलटा, बच्चे व चालक की मौत

संवाददाता, काकोरी

• ट्रक ने मारी थी टक्कर, आरोपी चालक को पुलिस ने पकड़ा

**अमृत विचार:** थाना क्षेत्र के मोहान रोड स्थित इब्राहिम गंज के पास रविवार दोपहर सामने से आ रहे ट्रक ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ई-रिक्शा सड़क के किनारे जाकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार मां-बच्चे एवं चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची काकोरी पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान ई-रिक्शा चालक और मासूम की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को पकड़ लिया है।

मृतक चालक सनी

काकोरी इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मलिहाबाद के केवलहार निवासी चालक सनी राठौर (38) दुबग्गा के जमालनगर निवासी रिश्तेदार गुड़िया, उसके बच्चों जानवी, मानवी व वासू (8) के साथ शादी समारोह में शामिल होने उन्नाव के महाराजपुर स्थित नेवलगंज ई-रिक्शा से गया था। रविवार दोपहर घर वापस आते समय मोहान रोड के इब्राहिम गंज के पास सामने से आ रहे ट्रक ने साइड से ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गया।

हादसे में सभी लोग ई-रिक्शा के नीचे दबने से बुरी तरह घायल हो गए। घटना देख ग्रामीण मदद के लिए दौड़े। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को निजी वाहन से मोहान रोड स्थित विंदा अस्पताल पहुंचाया। सनी और मासूम वासू की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। वहां इलाज के दौरान सनी और वासू ने दम तोड़ दिया।

इकलौते बेटे की मौत की खबर परिवार को मिली तो कोहराम बच गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि गुड़िया, जानवी और मानवी का इलाज अभी चल रहा है। आरोपी चालक मनवीर सिंह निवासी ग्राम मिल्क देवरा खास थाना कोड फतेहगढ़ संभल को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः— 4838/98काम—गो0वृ0/25—26 दिनांक 15.11.2025

ई—निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई—टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्षाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

| क्र0 सं0 | जनपद/खण्ड/विधान साभ का नाम | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में) | धरोहर धनराषि (लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित) | ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | गोण्डा/निर्माण खण्ड–2/करनैलगंज | चकरौत पण्डितपुरवा से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र होते हुए गुरसड़ीडीह सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। | 112.50 | 7.65 | 2600.00 | 12 माह | ए,बी |
| 2 | गोण्डा/निर्माण खण्ड–2/करनैलगंज | हिलालपुर का मजरा खालेपुरवा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। | 124.28 | 8.25 | 2600.00 | 12 माह | ए,बी |

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट— http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 16.12.2025 तक दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई—टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 16.12.2025 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई—पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड—2, लो0नि0वि0, गोण्डा

(योगेन्द्र सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

**UP-241009 दिनांक 20.11.2025**
**विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

# एंबुलेंस चालक ने लगाया फंदा, दरवाजे पर लिखा था 'A & P' और 'I L Y'

संवाददाता, बख्शी का तालाब

• इटौंजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सरकारी आवास की घटना

**अमृत विचार:** इटौंजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात एंबुलेंस चालक अनुज गुप्ता ने शनिवार देर रात सरकारी आवास में रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर से शव को नीचे उतारा। छानबीन के दौरान दरवाजे पर चौक से दिल बना था, जिसपर अंग्रेजी में 'A & P' और 'I L Y' लिखा था। पुलिस ने मोबाइल चेक किया तो आई मिस यू मम्मी-पापा' स्टेटस लगा था। अनुज ने खुदकुशी क्यों की, ये अभी साफ नहीं है।

मूल रूप से हरगांव सीतापुर निवासी अनुज गुप्ता (24) डॉयल-108 और 102 एंबुलेंस सेवा में चालक के रूप में तैनात था। वह कई माह से सीएचसी इटौंजा में बने सरकारी आवास में रह रहा था। पिता अनंत राम ने बताया कि कुछ दिन पहले घर में मुंडन कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के बाद अनुज शुक्रवार रात ड्यूटी पर लौट आया था। घर में उसकी किसी बात को लेकर कहासुनी भी हुई थी। जिसके बाद उसने परिवारवालों से बात नहीं की। परिजन ने बताया कि अनुज को कॉल की लेकिन संपर्क नहीं हो पा रहा था। इसके बाद सीएचसी के अन्य कर्मचारियों को कॉल की लेकिन अनुज की कोई जानकारी नहीं मिली।

शनिवार रात को परिजन सीएचसी पहुंचे। कर्मचारियों को साथ लेकर आवास तक गए। दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परिजन ने खिड़की टूटी देख अंदर झांककर देखा तो अनुज का शव रस्सी के फंदे से लटका मिला। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इंस्पेक्टर मार्कंडेय यादव ने बताया कि मोबाइल को खंगाला जा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मामला कुछ प्रेम प्रसंग का लग रहा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता अयोध्या/अम्बेडकर नगर वृत्त, लोक निर्माण विभाग, अयोध्या
अतिअल्पकालीन ई—निविदा सूचना

पत्रांक :6732/3काम अयो0 अम्बे0/ई टेण्डरिंग/2025 दिनांक 15.11.2025

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0/अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0 अयोध्या द्वारा ए,बी,सी श्रेणी में मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत एवं पात्र अनुमोदित तथा अर्ह ठेकेदारों से प्रतिशत दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा एक या समस्त कार्यों के लिए निविदा दी जा सकती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि कृपया नोट कर लें कि कान्ट्रैक्ट के एवार्ड हेतु अर्ह के लिये बिडर्स के निर्देश के क्लाज—4 के अनुसार न्यूनतम अर्हता रखता है।

| क्रम सं. | जनपद | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख रू0 में) | धरोहर धनराशि (लाख रू0 में) | निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0) | कार्य पूर्ण करने की अवधि | पात्र ठेकेदार की श्रेणी | कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता | अधीक्षण अभियन्ता का पता | मुख्य अभियन्ता का पता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | | 8 | 9 | 10 |
| वित्तीय वर्ष 2025—26 में विधानसभा क्षेत्र—रामनगर में विशेष मरम्मत कार्य | | | | | | | | | | |
| 1 | बाराबंकी | रामनगर सआदतगंज सैदनपुर मुश्काबाद मार्ग (अ0जि0मा0) के चै0 10.735 से 11.235 तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण एवं ह्यूम पाइप पुलिया का निर्माण कार्य | 90.00 | 6.50 | 2714.00 | 2माह | A, B | अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड नं0—1, लो0नि0वि0, बाराबंकी | अधीक्षण अभियन्ता, अयो0—अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या | मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या |
| वित्तीय वर्ष 2025—26 में विधानसभा क्षेत्र—दरियाबाद में नवनिर्माण कार्य | | | | | | | | | | |
| 2 | बाराबंकी | अघर्जनपुरवा संपर्क मार्ग से वनपुरवा चकमडौली प्रा0वि0 तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य | 63.00 | 5.15 | 2714.00 | 2माह | A, B, C | – | – | – |
| 3 | बाराबंकी | शखामतपुर शेख अहमदपुर संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य | 79.00 | 6.00 | 2714.00 | 2माह | A, B | – | – | – |
| 4 | बाराबंकी | अतसुइया बन्धा से उमरहरा संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य | 84.00 | 6.20 | 2714.00 | 2माह | A, B | – | – | – |

3 निविदा से सम्बन्धित समस्त अभिलेख वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25—11—2025 को दोपहर 12:00 बजे से 01.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक ऑनलाईन सबमिट (अपलोड) किया जा सकता है। आनलाईन प्राप्त समस्त निविदाएं दिनांक 01.12.2025 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी। ठेकेदारों से अपेक्षित है कि वे उक्त वेबसाईट को नियमित रूप से देखते रहें, ताकि किसी प्रकार के संशोधन/शुद्धि की स्थिति की जानकारी उनको समय से प्राप्त हो सके।

4 निविदादाताओं द्वारा आनलाईन निविदा की अपलोडिंग/डाउनलोडिंग तथा समस्त प्रपत्रों को शासनादेश सं0—3070/78—2—2018—42 आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 के अनुसार जमा किया जाएगा।

5 निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न .निविदा सूचना में उपलब्ध है।

(इं0 दीपक कुमार चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड—1, लो0नि0वि0
बाराबंकी

(इं0 ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता
अयो0/अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0
अयोध्या

**UP-241104 दिनांक 21.11.2025**
**विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

# संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत, शिनाख्त नहीं

**अमृत विचार, सरोजनीनगर:** थाना क्षेत्र में रविवार शाम अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

बताते हैं कि शनिवार शाम करीब 6 बजे शांति नगर स्थित दीप गेस्ट हाउस के पास लगभग 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति बेसुध हालत में पड़ा मिला। पुलिस ने उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक पंजाब प्रांत का रहने वाला है। उसका नाम लक्ष्मण था। कुछ दिनों पहले उसकी बहन उसे लेने आई थी, लेकिन वह उनके साथ नहीं गया। वह करीब 6 वर्षों से शांति नगर में सड़क किनारे फुटपाथ पर इधर-उधर रहने के साथ लोगों के छोटे-मोटे काम कर शराब पीता रहता था। पुलिस ने बताया कि मृतक की फोटो आसपास थानों में भेज कर पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

# सिपाही के खिलाफ छात्रा ने की यौन शोषण की शिकायत

संवाददाता, आशियाना

• पुलिस ने जांच की बात कहकर झाड़ा पल्ला

**अमृत विचार :** थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नर्सिंग छात्रा ने यातायात में तैनात सिपाही पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया है। पीड़िता ने यातायात विभाग में शिकायत करने के बाद आशियाना थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। घटनास्थल सरोजनीनगर है, इसलिए पीड़िता को वहां जाने की सलाह दी गयी है। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव राम प्रजापति का कहना है कि यातायात विभाग शिकायत की जांच कर रहा है।

पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने शादी का वादा किया। इस बीच एक होटल में कई बार ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जून माह में सिपाही ने शादी से इंकार कर दिया। विरोध पर धमकाने लगा। पीड़िता ने छानबीन की तो पता चला कि सिपाही ने दूसरी युवती से शादी कर ली है। पीड़िता ने 1090 पर शिकायत की। उसके बाद वह परिजन संग एसीपी ट्रैफिक कार्यालय में शिकायत की। वहां कार्रवाई का आश्वासन देकर भेज दिया। उसके बाद आशियाना थाने पहुंची। थाने में भी उसने तहरीर दी। आरोप है कि कार्रवाई के बजाय पुलिस टालमटोल कर रही है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

नक्खास शाखा
292/132, कटरा आज़मबेग, विक्टोरिया स्ट्रीट, नक्खास क्रॉसिंग, लखनऊ-226003
फ़ोन: 8090001453, ईमेल: nakkha@bankofbaroda.com

अधिग्रहण सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **बैंक ऑफ बड़ौदा** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(12) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 की सपठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की गई थी तथा ऋणकर्ता/बंधककर्ता/जमानतकर्ता को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है, का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋणकर्ता के द्वारा यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणकर्ता/बंधककर्ता/जमानतकर्ता और सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त एक्ट की धारा 13 (4) सपठित उक्त अधिनियम के नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित संपत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है।

ऋणकर्ता/जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद्द्वारा संपत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्ति का किसी प्रकार से कोई क्रय-विक्रय **बैंक ऑफ बड़ौदा** की बकाया राशि, ब्याज एवं अन्य व्यय के भार के अधीन होगा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

ऋणकर्ता को सचेत किया जाता है कि वे अपनी सुरक्षित परिसम्पत्तियों को छुड़ाने के सम्बन्ध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) का प्रावधान उपलब्ध समय में करें।

| क्र सं | खाताधारक/जमानतकर्ता का नाम व पता/मांग सूचना/अधिग्रहण की तिथि | अचल सम्पत्ति का विवरण | बकाया धनराशि (₹) |
|---|---|---|---|
| 1 | ऋणी: मेसर्स माहेश्वरी ज्वैलर्स प्रो0. हर्ष माहेश्वरी। डिमांड नोटिस की तिथि: 01.09.2025 अधिग्रहण की तिथि: 18.11.2025 | साम्यिक बंधक मकान का पूरा हिस्सा जो कि प्लॉट नंबर 1, खसरा नंबर 219 मिन पर निर्मित घर का है, स्थित ग्राम गाजीपुर बलराम, वार्ड-फैजुल्लागंज तहसील एवं जिला-लखनऊ। क्षेत्रफल 58.570 वर्ग मी0। मालिक: बंधककर्ता श्रीमती लक्ष्मी माहेश्वरी पत्नी हर्ष माहेश्वरी। **चौहद्दी: पूर्व:** 20 फिट चौड़ी सड़क, **पश्चिम:** श्रीमती नीलम का प्लॉट, **उत्तर:** प्लॉट नंबर 2, **दक्षिण:** शिवपाल का प्लॉट। | रू. 17,12,548.12 + ब्याज एवं अन्य व्यय |

दिनांक: 24.11.2025, स्थान: लखनऊ — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
निविदा आमंत्रण सूचना (एस0बी0डी0)
(ई—प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांकः— 6666/54(1)काम (सीडी—4)—अयो0अ0वृत्त दिनांक — 12.11.2025

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अ0वृ0,लो0नि0वि0, अयोध्या लोक निर्माण विभाग में मार्ग वर्ग में रजिस्टर्ड एवं अनुमोदित ठेकेदारों से आइटम दरों के आधार पर आनलाईन निविदा आमंत्रित करते हैं।

| क0 सं0 | जिला | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में) | धरोहर धनराशि (रू0 लाख में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि | निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित (रू0 में) | ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी | कार्य सम्पादित करने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता | अधीक्षण अभियन्ता का पता | मुख्य अभियन्ता का पता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| विधान सभा रूदौली | | | | | | | | | | |
| 1 | अयोध्या | जनपद अयोध्या में अमानीगंज मार्ग से एन0एच0—28 (वाया ऐहार गौहन्ना मीसा) मार्ग अ0जि0मा0 के चैनेज 0.000 से 14.240 तक चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य | 1950.00 | 30.00 | 12 माह | 2714.00 | शा0सं0—28/2023/1556/तेइस—7— 2023—176सा/2006 दि0 05.12.2023 के अनुसार | अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0—4, लो0नि0वि0, अयोध्या | अधीक्षण अभियन्ता अयो0अ0वृ0 लो0नि0वि0 अयोध्या | मुख्य अभियन्ता, अ0क्षे0, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 2 | अयोध्या | जनपद अयोध्या में भेलसर—टिकैतनगर—रामनगर—फतेहपुर मार्ग (राज्य मार्ग) (लम्बाई 8.00 किमी0) का दो लेन बिद पेव्ड सोल्डर चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य | 2200.00 | 33.00 | 15 माह | 2714.00 | शा0सं0—28/2023/1556/तेइस—7— 2023—176सा/2006 दि0 05.12.2023 के अनुसार | अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0—4, लो0नि0वि0, अयोध्या | अधीक्षण अभियन्ता अयो0अ0वृ0 लो0नि0वि0 अयोध्या | मुख्य अभियन्ता, अ0क्षे0, लो0नि0वि0 अयोध्या |

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

1— बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोडते हुये लगायी गयी है।

2— निविदा आनलाईन दिनांक 02.12.2025 से दिनांक 09.12.2025 को अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 09.12.2025 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।

3— शासनादेश संख्या 1/2018—3070/78—2—2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा मे शासनादेश मे निहित प्राविधानो के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

4— निविदा सम्बन्धी अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(शशि भूषण सिंह)
अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड—4
लो0नि0वि0,अयोध्या

(ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0
अयोध्या

**UP-241009 दिनांक 21.11.2025**
**विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

## न्यूज ब्रीफ

### आज डिप्टी सीएम केशव कुशीनगर में

**कुशीनगर, अमृत विचार :** उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को 11.20 बजे कुशीनगर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। तत्पश्चात बौद्ध मठ कुशीनगर में दर्शन/पूजन के बाद भाजपा कार्यालय, रवीन्द्र नगर घूस पडरौना में 11.50 बजे से कोर कमेटी पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। वे निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। डिप्टी सीएम 12.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय समस्त विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इस मौके पर राज्यमंत्री, उद्यान, कृषि विपणन अधिकारी मौजूद रहे।

### डीएम और एसपी ने सुनीं समस्याएं

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार :** शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में थाना कोतवाली जोगिया में कार्यक्रम आयोजित हुआ। ज्यादातर प्रकरण भूमि विवाद एवं नाली से संबंधित था। समस्त राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं उनका मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। डीएम ने राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को निर्देश दिया कि मौके पर जाकर नाली का विवाद, चकमार्ग का विवाद व जमीन बंटवारा आदि प्रकरणों को शिकायतकर्ता की उपस्थिति में निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

# विपक्ष 2047 तक सत्ता से दूर रहेगा : ओपी राजभर

## अखिलेश व ओवैसी पर साधा निशाना, सपा-कांग्रेस पर भी की टिप्पणी

संवाददाता संतकबीरनगर

**अमृत विचार:** बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की जीत के बाद विपक्षी दलों द्वारा दिए जा रहे बयानों पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा और कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि दोनों दलों के 2047 तक सत्ता में आने की कोई संभावना नहीं है और वे विपक्ष की भूमिका तक ही सीमित रहेंगे। राजभर रविवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की एक कार्यकर्ता के घर आयोजित शोक संवेदना कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान सुभासपा नेता अब्दुल अजीम ने बुके देकर उनका स्वागत किया। सपा के 2027 में पीडीए के दम पर सत्ता में आने के दावे पर कटाक्ष करते हुए राजभर ने कहा कि जहां-जहां सपा और कांग्रेस चुनाव लड़ने गईं, वहां उन्हें निराशा ही हाथ लगी है। उन्होंने अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी दोनों को ही "मुस्लिम वोट बैंक" को लेकर निशाने पर लिया। एसआईआर को लेकर सपा प्रमुख के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने कहा कि बिहार चुनाव के नतीजों ने अखिलेश यादव को भीतर से कमजोर कर दिया है, इसलिए वे अब "झूठ बोलने का ठेका" लिए हुए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव का पीडीए अब "परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी" की तरह काम कर रहा है। ओवैसी के भाजपा की टीम होने के सवाल पर राजभर बोले कि सपा प्रमुख की भाजपा नेताओं संग कई तस्वीरें मौजूद हैं, लेकिन ओवैसी की एक भी फोटो दिखाना संभव नहीं। उन्होंने कहा, "सपा मुखिया सोचते हैं कि मुसलमान का वोट उनके बोरे में और ओवैसी के झोले में। दोनों नेता बोरा और झोरा लेकर वोट ढो रहे हैं।

### संस्कृत महाविद्यालय का स्थापना दिवस समारोह कल

**कुशीनगर, अमृत विचार :** नगर के श्रीनाथ संस्कृत महाविद्यालय का 101वां स्थापना दिवस समारोह 25 नवंबर को एक बजे आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय के प्रबंधक अग्निवेश मणि एवं मंत्री गंगेश्वर पाण्डेय ने बताया कि मुख्य अतिथि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र के पूर्व कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल होंगे। अध्यक्षता उतर प्रदेश माशिसं के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश पाण्डेय करेंगे। समारोह में प्रतिवर्ष की भांति श्रीनाथ सम्मान दो महान विभूतियों को प्रदान किया जाएगा। इसके लिए जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के वरिष्ठ प्रोफेसर संतोष कुमार शुक्ल एवं गोरखपुर के अति विशिष्ट चिकित्सक डॉ. संजय कुमार लाट का चयन किया गया है। समारोह में सारस्वत अतिथि के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र, विशिष्ट अतिथि उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं गोरखपुर मण्डल गोरखपुर डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह होंगे। इस मौके पर कई गणमान्य मौजूद रहेंगे।

# डीएम ने किया एसआईआर कार्यों का स्थलीय निरीक्षण, दिए निर्देश

संवाददाता संतकबीरनगर

एसआईआर के कार्यों की प्रगति का जायजा लेते डीएम आलोक कुमार। अमृत विचार

**अमृत विचार:** जिलाधिकारी आलोक कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) की प्रगति का रविवार को स्थलीय निरीक्षण किया। विधानसभा क्षेत्र के मेहदावल, बघौली और सांथा ब्लॉकों में किए गए निरीक्षण के दौरान उन्होंने फीडिंग कार्य व संबंधित गतिविधियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीएम बेलहर ब्लॉक के परासी गनवरिया और मंझरिया पठान गांव भी पहुंचे जहां उन्होंने ग्रामीणों से फीड बैक लिया और कार्यों की समीक्षा की। मंझरिया पठान में बीडीओ के निर्देश के बावजूद बूथ पर शिक्षक की अनुपस्थिति सामने आई। इस पर डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई के लिए बीएसए को निर्देश दिया।

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय फरदहा, उप्राथि तुलसीपुर (बूथ संख्या 264) और प्रावि नवदरी (बूथ संख्या 262) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उप जिलाधिकारी और बीडीओ को निर्देशित किया कि सभी बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म भरवाएं और निर्धारित समय के भीतर कार्य पूर्ण कराएं। चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई होगी। निरीक्षण में एसडीएम मेंहदावल संजीव राय, बीडीओ सांथा विवेकानंद मिश्र, उपायुक्त मनरेगा प्रभात द्विवेदी, उपायुक्त एनआरएलएम प्रवीण कुमार मिश्र, बीडीओ बघौली अर्जित प्रकाश, बीडीओ मेंहदावल आदि मौजूद रहे।

## प्रभारी मंत्री ने किया संकुल भवन का उद्घाटन

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार:** प्रभारी मंत्री अनिल राजभर द्वारा विधायक कपिलवस्तु श्याम धनी राही, डीएम शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के साथ सूचना संकुल भवन के शिलापट् का अनावरण कर एवं फीता काटकर उदघाटन किया गया। इस मौके पर पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी ने प्रभारी मंत्री एवं विधायक कपिलवस्तु का बुके देकर स्वागत किया।

## मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में लगी गोली

**हरदोई, अमृत विचार:** पुलिस भांजे के साथ ई-रिक्शे पर सवार मामा से हुई 90 हजार की टप्पेबाजी का पता लगाने के लिए जुटी थी। लोनार पुलिस शनिवार की देर रात नेवादा रोड पर गश्त कर रही थी। उसने बाइक सवार दो युवकों को रोका। पूछताछ के दौरान उन्होने भागते हुए पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस ने पीछा करते हुए गोली चलाई। पैरों में गोली लगने से दोनों बाइक सवार गिर पड़े। पूछताछ में उन्होंने कई वारदातों को अंजाम देना कुबूल किया। उनके पास से 29 हजार कैश, बाइक, तमंचे और कारतूस बरामद किए गए हैं।

सांडी थाने के सैतियापुर निवासी रमेश सिंह भांजे के साथ ई-रिक्शे से जा रहा था। उसी बीच दो युवक उससे 90 हजार की टप्पेबाजी कर भाग निकले थे। शनिवार की देर रात करीब 10 बजे एसएचओ लोनार नेवादा रोड पर गश्त कर रहे थे। उसी बीच बाइक सवार दो युवक आए। पुलिस पूछताछ करती उससे पहले उन्होंने गोली चला दी और भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए गोली चलाई जिससे दोनों बाइक से गिर पड़े। आरोपियों की पहचान अनिल नट पुत्र साधू नट और उसके भाई दीपक नट के रूप में की गई है।


6 वीं अमृत विचार की वर्षगांठ के शुभ अवसर पर
आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

जी.एन.एम. पाठ्यक्रम में संस्था स्तर से प्रवेश का अंतिम अवसर।।

श्री राम बिलास इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एंड मेडिकल साइंसेज़
सोनखर बांसी, सिद्धार्थ नगर-272153

G.N.M. (General Nursing & Midwifery) पाठ्यक्रम सत्र 2025-26 हेतु संस्था स्तर से प्रवेश के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। जो अभ्यर्थी किसी कारणवश या UPGET की परीक्षा नहीं देने के कारण पूर्व में प्रवेश नहीं ले सके थे, वे 30/11/2025 अंतिम तिथि तक प्रवेश ले सकते हैं।

पाठ्यक्रम: G.N.M.
प्रवेश प्रक्रिया: संस्था स्तर (Last Chance)
प्रवेश की अंतिम तिथि: 30/11/2025
समय: शाम 05:00 बजे तक
न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता: 12वीं उत्तीर्ण अंग्रेजी के साथ
आयु सीमा: न्यूनतम 17 वर्ष

G.N.M. में संस्था स्तर से सीधे प्रवेश का मौका है।

उपलब्ध कोर्स
B.Sc. Nursing, PB. Bsc Nursing, G.N.M., A.N.M., D.Opt, D.P.T., D.Pharma

डॉ अनिता द्विवेदी
MBBS, DGO
प्रबंधक
श्री राम बिलास इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एंड मेडिकल साइंसेज़
जनपद सिद्धार्थ नगर।

संपर्क करें:
जीवन ज्योति हॉस्पिटल
उसका रोड, सिद्धार्थनगर
मोबाइल नं0: - 9935353559, 9935476400,9415012496

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित उत्तर प्रदेश अंडर-17 बालक हैण्डबॉल टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

### प्रदेशीय स्कूली अंडर-17 बालक हैंडबॉल टीम घोषित

**अयोध्या, अमृत विचार :** स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में कर्नाटक के त्रिचूर में 25 नवंबर से होने वाली राष्ट्रीय विद्यालयी अंडर-17 बालक हैण्डबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली उत्तर प्रदेश टीम रविवार को घोषित कर दी गई। विद्यालयी क्रीडा समिति के मंडलीय सचिव धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि चयनित टीम में अयोध्या के आदित्य यादव, अमर आनंद, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, वाराणसी के हर्षित कुमार गुप्ता, शिवनारायण यादव, निर्भय पटेल, रुद्रांश यादव, बरेली के संजय गंगवार, अंकित, मानस मौर्या, गोरखपुर के निकेश यादव, प्रयागराज के निर्भय शंकर पाठक, कानपुर के शैलेंद्र, आजमगढ़ के आदित्य राजभर व आगरा के विवेक सिंह शामिल हैं। चंदौली के आशीष गुप्ता को टीम मैनेजर नियुक्त किया गया है।

## डीएम ने किया मतदाता पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार:** विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ के तहत जगदीशपुर खुर्द के बूथ संख्या 311 के मतदाता पंजीकरण केन्द्र का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बीएलओ द्वारा भरे गये गणना फार्म को देखा। निर्देश दिया कि गणना प्रपत्र की दो प्रतियां मतदाताओं को उपलब्ध कराएं और फॉर्म भरने में मार्गदर्शन करेंगे। बीएलओ मतदाताओं द्वारा भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्रित करेंगे तथा पावती देंगे। मतदाता, गणना प्रपत्र में अपना नवीनतम फोटो लगाएं। मतदाता, फॉर्म बीएलओ को वापस दें और प्राप्ति रसीद ज़रूर लें। गणना फार्म को ऑनलाइन कराएं।

## सड़क दुर्घटना में साले और बहनोई की मौत

**संतकबीरनगर, अमृत विचार:** बखिरा थाना क्षेत्र के पचेठी और छरॉछ के बीच नहर पुलिया के पास शनिवार रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार साले-बहनोई की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रविवार की सुबह पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिपरी गांव निवासी 19 वर्षीय अभिषेक यादव पुत्र रामनाथ यादव के घर शनिवार को बहू भोज कार्यक्रम था। 21 नवंबर को उनके बड़े भाई अक्षय कुमार यादव की शादी हुई थी। दुल्हन उसी दिन विदा होकर घर पहुंची थी। इस दौरान उनके बहनोई के छोटे भाई 24 वर्षीय रोहित यादव पुत्र रामललित यादव निवासी मकनाखोर, थाना खेसरहा सिद्धार्थनगर भी शामिल होने आए थे। रात करीब 9:30 बजे अभिषेक रोहित को बाइक से उसके ससुराल भैंसठ गांव छोड़ने निकले। दोनों पचेठी और छरॉछ के बीच नहर पुलिया के पास पहुंचे ही थे कि अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

## आज संतकबीरनगर में दो घंटे रहेंगे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

**संतकबीरनगर, अमृत विचार:** स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक सोमवार को जिले के संक्षिप्त दौरे पर पहुंच रहे हैं। प्रशासन को उनके मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग समेत सभी विभाग तैयारियों में जुट गए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम के सभी स्थलों पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को समय से सुनिश्चित कर लिया जाए। जिला प्रशासन के अनुसार डिप्टी सीएम दोपहर 2:15 बजे हेलिकॉप्टर द्वारा जूनियर हाईस्कूल मैदान में उतरेंगे। मैदान से वे सीधे सरदार वल्लभभाई पटेल एकता यात्रा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद उनका काफिला 4:10 बजे निर्धारित एक निजी कार्यक्रम में पहुंचेगा।

## परिषदीय स्कूल की छात्राओं को किया गया सम्मानित

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार:** पूर्व माध्यमिक विद्यालय बूड़ा सिद्धार्थनगर की दो छात्राओं को पुलिस मुख्यालय में अधिकारियों ने सम्मानित किया है। बाल विवाह रोकने और बालिका सशक्तिकरण के लिए काम कर रही सिद्धार्थनगर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय बूड़ा की मीना मंच की पावर एंजेल सावित्री और मेंबर नीमा ने योगा और जिम्नास्टिक में गांव माजिगावा से लेकर प्रदेश तक विभिन्न कार्यक्रमों में जिले का प्रतिनिधित्व किया है और जीत हासिल की है। 1090 मुख्यालय सभागार में उन्होंने अपने योगा का प्रदर्शन किया तो सभी ने खूब सराहा। ये बच्चियां अपने स्कूल में बालिका शिक्षा के लिए समुदाय को जागरूक कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर इन दोनों छात्राओं सावित्री और नीमा को उत्तर प्रदेश पुलिस के महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की एएसपी रुक्मणि वर्मा और उपाधीक्षक प्रियंका यादव द्वारा सम्मानित किया गया है। मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान सिद्धार्थनगर के प्रतिनिधि प्रसून कुमार ने बताया कि ये सम्मान बालिकाओं विशेष प्रयास और उपलब्धियों के लिए दिया गया।

## आकांक्षी सूची से जिले को बाहर निकालने का संकल्प

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार:** 72825 शिक्षकों की जिले में दस वर्ष की सफल सेवा पूर्ण होने पर रविवार की देर शाम इन शिक्षकों ने शहर के गंगा नेशनल पब्लिक स्कूल पर कार्यक्रम कर एकदूसरे को बधाई दी। वर्ष 2015 में आयोजित शिक्षक भर्ती अंतर्गत जिले में लगभग 2000 शिक्षक-शिक्षिकाओं की नियुक्ति हुई थी। प्रदेश की यह पहली भर्ती थी जिसमें टीईटी एवं लिखित परीक्षा अनिवार्य की गयी थी। स्थानांतरण के बाद भी इस बैच के लगभग 16 सौ शिक्षक जिले के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत हैं। कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि शिक्षक अनुशासन के साथ शिक्षा की गुणवत्ता के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। दस वर्षों बाद बैच के इतने बड़े समूह का एक साथ मिलना सभी के लिए भावनात्मक और उत्साहपूर्ण रहा। शिक्षकों ने अपनी सेवा और संघर्ष का अनुभव साझा किया। मौजूद शिक्षकों ने गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का कार्य जारी रखते हुए जिले को आकांक्षी सूची से बाहर निकालने का संकल्प लिया। इसके बाद केक कटिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ।

**माघ मेला-2026** | झूंसी और प्रयागराज रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण, जारी किए दिशा-निर्देश

# यात्री सुविधाओं में न बरती जाए कोताही : जीएम

संवाददाता गोरखपुर

रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे व अन्य। अमृत विचार

**अमृत विचार:** आगामी माघ मेला 2026 के परिप्रेक्ष्य में महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने रविवार को मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के साथ झूंसी एवं प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने झूंसी स्टेशन पर यात्री सुविधाओं जैसे प्लेटफार्म, यात्री शेड, पैदल उपरिगामी पुल, प्रतीक्षालय, यात्री आश्रय स्थल, वाटर बूथ, खान-पान स्टाल, यूटीएस एवं पीआरएस टिकट काउंटरों, स्टेशन भवन, सर्कुलेटिंग एरिया, निकास व प्रवेश मार्ग, परिचालनिक एवं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया।

जीएम ने झूंसी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में महाकुंभ मेले के दौरान निर्मित यात्री आश्रय केंद्रों व उनके प्रसाधन, वॉटर बूथ, टिकट काउंटर आदि को माघ मेला के दौरान यात्रियों के लिए चालू करने का निर्देश दिया। अधिकारी ने स्टेशन पर तैनात वरिष्ठ पर्यवेक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ माघ मेला के दौरान मेला विशेष गाड़ियों के संचालन एवं भीड़ प्रबंधन पर परिचर्चा कर समुचित कार्ययोजना तैयार करने को कहा। जीएम ने प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन, मेला यात्रियों की सुख-सुविधा, दैनिक यात्रियों के लिए निर्बाध आवागमन तथा स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाए रखने के लिए किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने प्रयागराज रामबाग स्थित गार्ड/लोको पायलट रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया और गार्ड/लोको पायलटों को मिलने वाली सुविधाओं का अवलोकन किया।


जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, सिद्धार्थनगर
पू.सं./8608 /2025-26 दिनांक 22 नवम्बर, 2025

अमृत विचार की 6 वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर
आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

6-14 वर्ष बर्ग के बच्चों को शिक्षा सुलभ कराने एवं बच्चों का ठहराव विद्यालय पर सुनिश्चित कराने हेतु बेसिक शिक्षा प्रगति के पथ पर अग्रसर

1 जनपद में अनियमित रूप से संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों का सघन निरीक्षण कराकर 211 विद्यालयों को नोटिस पत्र निर्गत किया गया है तथा 12 विद्यालयों को बन्द कराया गया एवं 30 विद्यालयों पर अर्थदण्ड लगाया गया। वर्तमान में विद्यालयों का निरीक्षण कराकर यथोचित कार्यवाही किये जाने की प्रकिया गतिमान है।
2 सत्र 2025-26 में डी0बी0टी0 (डाइरेक्ट बेनीफीट ट्रान्जेक्शन) के अन्तर्गत पंजीकृत/नामांकित में 237747 छात्र-छात्राओं में से 187476 छात्र-छात्राओं के माता/पिता/अभिभावक के खाते में यूनीफार्म, जूता-मोजा, स्वेटर, बैंग एवं स्टेशनरी की सम्पूर्ण धनराशि प्रति छात्र/छात्रा रू0 1200 की दर से प्रथम सीधे व्यक्तिगत खाते में अन्तरित करा दिया गया है तथा 1592 छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के खातों डी0बी0टी0 की धनराशि प्रेषण हेतु बैंच रेडी है जिसे छात्र-छात्राओं के माता/पिता/अभिभावक के खाते में धनराशि प्रेषित किये जाने की कार्यवाही गतिमान है। अवशेष छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के खातों में बैंच तैयार कराकर डी0बी0टी0 की धनराशि अन्तरित कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की की जायगी।
3 जनपद के 14 विकास खण्डों में मेडिकल कैम्प का आयोजन कराया गया जिसमें चिकित्सकों द्वारा दिव्यांग छात्र-छात्राओं का परीक्षण के उपरान्त दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया गया।
4 जनपद के चिन्हिंत 500 दिव्यांग छात्रांओं के सापेक्ष सकिय 454 खातों में प्रति छात्र/छात्रा रू0 2000. 00 स्टाईपेण्ड (प्रोत्साहन राशि) की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से छात्र-छात्राओं के माता/पिता/अभिभावक के खाते में अन्तरण की कार्यवाही सुनिश्चित की गयी।
5 जनपद के चिन्हिंत 250 दिव्यांग छात्रों के सापेक्ष सकिय 235 खातों में प्रति छात्र/छात्रा को 6000.00 एस्कार्ट एलाउन्स की धनराशि छात्रों के माता/पिता/अभिभावक के खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से अन्तरण की कार्यवाही सुनिश्चित गयी।

शैलेश कुमार
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर

## जम्मू में चूना पत्थर के 7 ब्लॉक की होगी नीलामी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में पहली बार चूना पत्थर के कुल 7 ब्लॉक की नीलामी होगी। खान मंत्रालय ने कहा, यह केंद्र शासित प्रदेश में खनन ब्लॉक की पहली नीलामी भी है, जो पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धात्मकता और खनिज क्षेत्र में सतत विकास की दिशा में बदलाव को दर्शाती है। इन खनिज भंडारों को जी3 और जी4 अन्वेषण चरणों के तहत वर्गीकृत किया गया है। जम्मू- कश्मीर में चूना पत्थर खनिज खंडों की यह पहली नीलामी 24 नवंबर 2025 को जम्मू में औपचारिक रूप से शुरू होगी।

## बिजनेस ब्रीफ

### टाटा मोटर्स को बिक्री 5% बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेश चंद्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 5% बढ़ने का अनुमान है। त्योहारी सत्र खत्म होने के बाद भी दबी हुई मांग बहुत मजबूत है, इसलिए दूसरी छमाही में दो अंकों की वृद्धि की संभावना है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान बिक्री में सालाना आधार पर 1.6% की गिरावट आई थी और त्योहारी मौसम में ही घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री में सुधार हुआ। चंद्रा ने कहा कि अक्टूबर-मार्च में बिक्री दो अंकों में बढ़नी चाहिए। त्योहारी मांग की वजह से सितंबर में उद्योग को पांच प्रतिशत और अक्टूबर में 17% की वृद्धि मिली थी। नवंबर और दिसंबर में भी दबी हुई मांग मजबूत है।

### अडाणी ने ट्रेड कैसल टेक पार्क को खरीदा

नई दिल्ली। अडाणी समूह की संयुक्त उद्यम कंपनी ने बुनियादी ढांचा डेवलपर ट्रेड कैसल टेक पार्क को 231.34 करोड़ में खरीद लिया। ट्रेड कैसल टेक पार्क के पास काफी जमीन है। अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने शेयर बाजार को बताया, उसने और डेटा सेंटर परिचालक एजकॉनेक्स के संयुक्त उद्यम अडानीकॉनेक्स (एसीएक्स) ने टीसीटीपीपीएल में 100% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए 21 नवंबर 2025 को ट्रेड कैसल टेक पार्क (टीसीटीपीपीएल) तथा उसके मौजूदा शेयरधारक श्री नामन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ एक शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

### मैजिकपिन और रैपिडो ने की साझेदारी

नई दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो और स्विगी का मुकाबला करने को मैजिकपिन ने रैपिडो के साथ साझेदारी की है। इस घटनाक्रम से परिचित व्यक्ति ने बताया कि इस साझेदारी में मैजिकपिन अपना देशभर का विशाल रेस्तरां नेटवर्क रैपिडो के स्वामित्व वाले मंच ओनली से जोड़ेगा। ओनली को अगस्त में पेश किया गया था। इस समझौते से रैपिडो की कंपनी ओनली को देशभर में 80,000 से ज्यादा रेस्तरां तक पहुंच मिल जाएगी। वहीं मैजिकपिन को कुछ क्षेत्रों में रैपिडो के डिलीवरी नेटवर्क का लाभ मिलेगा। रैपिडो के प्रवक्ता ने बताया, हम रेस्तरां खुद की मर्चेंट टीम से सीधे जोड़ते हैं।

# अगले सप्ताह से जारी होंगे ईपीएम के दिशानिर्देश

## केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 12 नवंबर को 25,060 करोड़ की दो योजनाओं को दी गई थी मंजूरी

• योजनाओं का मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना

यरुशलम, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के विस्तृत दिशानिर्देश अगले सप्ताह से जारी होंगे। इसमें योजना के सभी हिस्से और उद्योग को मिलने वाले लाभों की जानकारी होगी। सरकार ने 12 नवंबर को 25,060 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी थी। योजना 2025-26 से शुरू होकर छह वित्त वर्षों के लिए है। इसका मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना है।

यह मिशन दो उप-योजनाओं से लागू होगा- निर्यात प्रोत्साहन (10,401 करोड़) और निर्यात दिशा (14,659 करोड़)। गोयल ने कहा कि निर्यात संवर्धन मिशन के दिशानिर्देश जल्द जारी होंगे। मुझे लगता है कि अगले सप्ताह तक इसके सारे हिस्से और उद्योग को क्या फायदे होंगे, उसकी पूरी जानकारी दे दी जाएगी। मिशन के तहत उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो हाल में वैश्विक शुल्क वृद्धि से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। इन क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में भारी चुनौती मिल रही है। ऊंचे आयात शुल्क से अक्टूबर में अमेरिका को भारत का माल निर्यात 8.58% घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया। गोयल ने कहा कि पांच दिसंबर को रूस का प्रतिनिधिमंडल आ रहा है। हम अलग-अलग तरीकों से प्रभावित क्षेत्रों को सहारा दे रहे हैं। मंत्री इस समय इजरायल में हैं। वह 60 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।

### भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

यरुशलम। भारत और इजरायल अपने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय को जल्द लाभ मिले। भारत और इजरायल ने इस समझौते के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए गुरुवार को संदर्भ की शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगमीकरण, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण में सहयोग बढ़ाना तथा सेवा व्यापार को बढ़ावा देने के नियमों में ढील देना शामिल है। गोयल ने कहा कि हम इसे दो चरणों में पूरा करने पर विचार कर रहे हैं। वार्ता शुरू होने पर इस बारे में फैसला लिया जाएगा। दोनों मंत्री चाहते हैं कि पहला चरण जल्द पूरा हो जाए ताकि व्यापारिक समुदाय को जल्द फायदा मिलना शुरू हो जाए। मंत्री द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने इजरायल आए हैं। गोयल ने कहा कि दोनों देश देखेंगे कि नवाचार और आरएंडडी किस तरह एक-दूसरे के देशों में ज्यादा निवेश ला सकते हैं। हम संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे, जहां हमें उनकी विशेषज्ञता का लाभ मिले और वे भारत जैसे बड़े बाजार का फायदा उठा सकें।

### व्यापार बोर्ड निर्यात बढ़ाने पर करेगा चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को व्यापार बोर्ड (बीओटी) की बैठक होगी। इस बैठक में अमेरिका द्वारा लगाए शुल्कों के बीच भारत के निर्यात को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। वाणिज्य मंत्री की अध्यक्षता वाले इस बोर्ड में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं। बैठक में निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधि सहित अन्य सदस्य निर्यात क्षेत्र को लेकर अपनी राय रखेंगे। अधिकारी ने बताया, व्यापार बोर्ड की बैठक 25 नवंबर को हो रही है। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका के ऊंचे शुल्कों के कारण अक्टूबर में देश का निर्यात 11.8 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 34.38 अरब डॉलर रह गया। व्यापार घाटा रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

# शीर्ष 28 रियल एस्टेट कंपनियों ने 92,500 करोड़ की संपत्ति बेची

नई दिल्ली, एजेंसी

• 6 माह में कंपनियों की बिक्री बुकिंग 92,437 करोड़ रही

देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में लगभग 92,500 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की कुल बिक्री बुकिंग 92,437 करोड़ रुपये रही।

बिक्री बुकिंग के मामले में, प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड अप्रैल-सितंबर अवधि में अग्रणी कंपनी बनकर उभरी, जिसकी पूर्व-बिक्री 18,143.7 करोड़ रही। डीएलएफ दूसरे स्थान पर रही, जिसकी पूर्व-बिक्री 15,757 करोड़ रुपये रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने लगभग 15,587 करोड़ की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जबकि लोढ़ा डेवलपर्स ने 9,020 करोड़ मूल्य की संपत्तियां बेचीं। दिल्ली-एनसीआर की सिग्नेचर ग्लोबल ने 4,650 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की। एटीएस होमक्राफ्ट ने मजबूत आवासीय मांग और ठोस आंतरिक नकदी प्रवाह का उपयोग करते हुए एचडीएफसी कैपिटल के संपत्ति कोष को 1,250 करोड़ रुपये चुका दिए।

कंपनी ने रविवार को कहा कि उसने एचडीएफसी कैपिटल अफोर्डेबल रियल एस्टेट फंड 2 (एचसीएआरई-2) को 1,250 करोड़ रुपये चुका दिए हैं।

# अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

रूसी कच्चे तेल के प्रमुख निर्यातकों पर अमेरिका के नए प्रतिबंध लागू होने के बाद ऊर्जा बाजार से जुड़े विश्लेषकों का मानना है कि भारत में रूसी तेल का आयात भविष्य में घटेगा, हालांकि यह बंद नहीं होगा। रॉसनेफ्ट और लुकोइल तथा उनकी सहायक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू हो गए। इससे अब इन कंपनियों का कच्चा तेल खरीदना या बेचना नामुमकिन हो गया है।

भारत ने इस साल औसतन 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया और प्रतिबंधों से पहले यह मजबूत बना रहा। नवंबर में आयात 18–19 लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है, क्योंकि रिफाइनरी सस्ते तेल की खरीद को अधिकतम कर रहे हैं। आगे चलकर दिसंबर और जनवरी में आपूर्ति में स्पष्ट गिरावट आने की उम्मीद है। विश्लेषकों के अनुसार यह घटकर लगभग चार लाख बैरल प्रतिदिन तक रह सकता है। परंपरागत रूप से पश्चिम एशियाई तेल पर निर्भर भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से अपने तेल आयात में काफी वृद्धि की। पश्चिमी प्रतिबंध और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस से तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ।

• दिसंबर और जनवरी के दौरान तेल आपूर्ति में स्पष्ट रूप से गिरावट आने की उम्मीद

परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चा तेल आयात कुल आयात का एक प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। नवंबर में भी रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा, जो कुल आयात का एक तिहाई है। केप्लर के रिफाइनिंग और मॉडलिंग के मुख्य अनुसंधान विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि हम निकट भविष्य में, विशेषकर दिसंबर और जनवरी में भारत के लिए रूसी कच्चे तेल के प्रवाह में स्पष्ट गिरावट की उम्मीद करते हैं।

# बाजार पर दिखेगा आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुझान का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों के रुख पर निर्भर करेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह नवंबर में खत्म होने वाले वायदा सौदों से पहले उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।

घरेलू स्तर पर बाजार दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और औद्योगिक उत्पादन जैसे बड़े आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन और वहां के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेंगे। ये संकेत निकट भविष्य में जोखिम की भावना तय करेंगे और विदेशी पूंजी प्रवाह को प्रभावित करेंगे। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 669.14 अंक या 0.79% चढ़ा, जबकि निफ्टी 158.1 अंक या 0.61% बढ़कर बंद हुआ। इसबीच 20 नवंबर को सेंसेक्स ने 85,801.70 और निफ्टी ने 26,246.65 का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर बनाया।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अगर रुपये पर दबाव बना रहा तो निकट भविष्य में बाजार में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। आने वाले सप्ताह में निवेशक व्यापारिक घटनाक्रम, आईआईपी और जीडीपी आंकड़ों पर बहुत बारीकी से नजर रखेंगे।

### सात शीर्ष कंपनियों की पूंजी 1.28 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का कुल बाजार पूंजीकरण 1,28,281.52 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा फायदे में रहीं। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को फायदा हुआ। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) और आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में कमी आई।

### एफपीआई ने 3,504 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में अबतक भारतीय पूंजी बाजार में 3,504 करोड़ का शुद्ध निवेश किया है। नवंबर में एफपीआई इक्विटी बाजार में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे जबकि डेट, हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट और म्यूचुअल फंडों में उनका निवेश सकारात्मक रहा है। उन्होंने इक्विटी से इस महीने 3,788 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। डेट में उनका शुद्ध निवेश 4,467 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 2,713.33 करोड़ रुपये रहा है। हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में भी एफपीआई ने 112.16 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

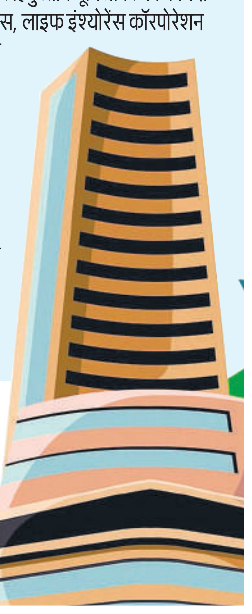

## राष्ट्रीय

# 6 वर्ष से बना रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल

## अधिकारियों ने आतंकवाद की रणनीति में बदलाव को बताया चिंताजनक

नई दिल्ली, एजेंसी

• उच्च शिक्षित पेशेवरों को डिजिटल माध्यमों से देश के बाहर बैठे आतंकवादी कर रहे तैयार

लाल किले के पास 10 नवंबर को चलती कार में हुए बम विस्फोट के साथ सामने आए 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉक्टरों का कट्टरपंथ की ओर झुकाव 2019 से ही सोशल मीडिया के जरिये शुरू हो गया था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच से सीमा पार आतंकवाद की रणनीति में ऐसे बदलाव का संकेत मिला है, जो काफी चिंताजनक है। इस रणनीति के तहत पाकिस्तान और दुनिया के अन्य हिस्सों में बैठे आतंकी आकाओं द्वारा उच्च शिक्षित पेशेवरों को पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों का सहारा लेकर आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों (डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राठेर, डॉ. मुजफ्फर राठेर और डॉ. उमर-उन-नबी) को शुरू में सीमा पार के आकाओं ने फेसबुक और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय पाया था। ऐसे लोगों को टेलीग्राम पर निजी ग्रुप में जोड़ा गया और यहीं से उन्हें बरगलाना शुरू किया गया। आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों ने हमलों को अंजाम देने के लिए संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बनाने का तरीका सीखने के लिए यूट्यूब का इस्तेमाल किया। विश्लेषण किए गए डिजिटल फुटप्रिंट से पता चला कि इनके मुख्य संचालक उकासा, फैजान और हाशमी हैं। ये तीनों भारत के बाहर से अपनी गतिविधियां चला रहे थे और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेटवर्क से जुड़ी जानकारियों में अक्सर इनके नाम सामने आते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि भर्ती किए गए डॉक्टरों ने शुरू में सीरिया या अफगानिस्तान जैसे संघर्ष क्षेत्रों में आतंकवादी समूहों में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन बाद में उनके आकाओं ने उन्हें भारत में रहने और भीतरी इलाकों में विस्फोट करने को कहा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ इस सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। 2018 के बाद से, सोशल मीडिया पर कट्टरपंथ फैलाने के तरीके में आतंकवादी समूहों द्वारा रणनीतिक बदलाव देखा गया है।

### पुलिस से मौलवी ने कहा- डॉक्टरों से किराया दिलाए

नई दिल्ली/श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए हरियाणा के मौलवी का ध्यान गिरफ्तार डॉक्टरों द्वारा बकाया किराए पर केंद्रित है। हरियाणा के मेवात के मौलवी इश्तियाक को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद के अल फलाह विवि के बाहर स्थित उनके किराए के आवास से अमोनियम नाइट्रेट, पोटैशियम क्लोरेट और सल्फर सहित 2,500 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद होने के बाद हिरासत में लिया था। विवि से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई ने इश्तियाक का नाम बताया था। अधिकारियों के अनुसार, इश्तियाक ने दावा किया कि गनई और उमर ने उससे संपर्क किया तथा उसे घर पर उर्वरक जैसी चीजें रखने को कहा था, जिसके एवज में 2500 रुपये मासिक किराया देने का वादा किया गया था। इश्तियाक को स्थिति की गंभीरता की चिंता नहीं थी तथा उसकी चिंता गनई और उमर द्वारा छह महीनों से नहीं दिए किराये को लेकर थी। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले इश्तियाक ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, श्रीनगर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से कहा कि वे गनई से बकाया किराया दिलाएं, ताकि वह पैसा अपने घर भेज सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इश्तियाक को आगे की कार्रवाई के लिए राज्य जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है।

# अल-फलाह विवि से जुड़े मदनी के बयान पर विवाद भाजपा बोली- आतंकी बचाओ जमात हुई सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी

अरशद मदनी

शहजाद पूनावाला

दिल्ली विस्फोट मामले से जुड़े अल फलाह विवि का जिक्र करके मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाने से संबंधित जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम) के प्रमुख अरशद मदनी के बयान पर विवाद पैदा हो गया है। भाजपा ने मदनी पर कहा कि आतंकी बचाओ जमात सक्रिय हो गई है।

मदनी ने दावा किया कि जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क का मेयर जबकि एक खान लंदन का मेयर चुना जा सकता है, लेकिन भारत में कोई मुसलमान विवि का कुलपति नहीं बन सकता। उन्होंने शनिवार को जमीयत मुख्यालय में एक पत्र में कहा, दुनिया सोचती है कि मुसलमान अपाहिज और खत्म हो गए हैं। मैं ऐसा नहीं मानता। आज, एक मुसलमान ममदानी, न्यूयॉर्क का मेयर बन सकता है, एक खान लंदन का मेयर बन सकता है, जबकि भारत में, कोई भी विवि का कुलपति नहीं बन सकता। और अगर कोई ऐसा करता है, तो उसे जेल भेज दिया जाएगा, जैसे आजम खान।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि वोट बैंक के नाम पर, तुष्टिकरण के भाईजान और आतंकी बचाओ जमात सक्रिय हो गई है। अरशद मदनी, मेयर की बात छोड़िए, इस देश ने मुसलमानों को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान न्यायाधीश, गृह मंत्री बनते देखा है। सबसे बड़े कलाकार और उद्योगपति भी मुस्लिम रहे हैं। जब कोई आतंकी घटना होती है, तो जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का धर्म नहीं होता, वे धर्म के आधार पर आतंकियों का साथ देने लगते हैं।

### आतंक के चिकित्सक के पीछे चालबाज चिकित्सक

पूनावाला ने कहा, आतंकवाद के चिकित्सक के पीछे आतंकवाद के चालबाज चिकित्सक हैं। और ये चालबाज चिकित्सक सिर्फ अरशद मदनी ही नहीं हैं, बल्कि पी. चिदंबरम जैसे दूसरे लोग भी हैं, जिन्होंने कहा था कि हालात ही आतंकवादी बनाते हैं। हुसैन दलवई ने कहा है कि वे अन्याय के शिकार हुए। इमरान मसूद उन्हें भटके हुए युवा कहते हैं, महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी भी इस्लामोफोबिया कार्ड खेलते हैं। पूनावाला ने आरोप लगाया, जब आतंकी पकड़ा जाता है, तो वे राष्ट्रीय के बजाय वोट बैंक नीति को तरजीह देते हैं और आतंकवाद का बचाव करते हैं।

# ये सोच गलत कि सरकार के खिलाफ फैसला देने पर ही न्यायाधीश स्वतंत्र होता है : गवई

नई दिल्ली, एजेंसी

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को इस आम धारणा को गलत बताकर खारिज कर दिया कि न्यायाधीश को तब तक स्वतंत्र नहीं माना जा सकता, जब तक वह सरकार के खिलाफ फैसला न सुनाए।

कार्यकाल के अंतिम दिन अपने आधिकारिक आवास पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, जब तक आप सरकार के खिलाफ फैसला नहीं करते, आप स्वतंत्र न्यायाधीश नहीं हैं... यह सही नहीं है। आप यह तय नहीं करते कि मुकदमा दायर करने वाली सरकार है या आम नागरिक। आप सामने मौजूद दस्तावेजों के हिसाब से फैसला करते हैं। आज के समय में, किसी न्यायाधीश को स्वतंत्र तभी कहा जाता है, जब फैसला सरकार के खिलाफ दिया गया हो। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में अवसंरचना के विकास के लिए हमें सरकार पर निर्भर रहना पड़ता है। हमारे पास पैसे की शक्ति नहीं है। इसलिए, कभी-कभी टकराव हो सकता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि लगातार टकराव की जरूरत है, इससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। केंद्र के सहयोग का जिक्र करते हुए गवई ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान सरकार ने कॉलेजियम की ओर से सुझाए गए सभी नामों को मंजूरी दी। विभिन्न उच्च न्यायालयों में लगभग 107 न्यायाधीश नियुक्त किए गए।

### एससी कोटा से क्रीमी लेयर को बाहर रखने का समर्थन

नई दिल्ली। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव किया, अनुसूचित जाति (एससी) कोटा से संपन्न लोगों को बाहर रखने का समर्थन किया और शीर्ष अदालत में अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करने पर खेद व्यक्त किया। 52वें प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह संस्था को पूर्ण संतुष्टि और संतोष की भावना के साथ छोड़ रहे हैं तथा सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी कार्यभार स्वीकार नहीं करने का संकल्प दोहराया। वह पहले बौद्ध सीजेआई होने के अलावा केजी बालकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं। गवई ने कहा, मैंने पदभार ग्रहण करते समय ही स्पष्ट कर दिया था कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी आधिकारिक कार्यभार स्वीकार नहीं करूंगा।

# शराब और डीएमएफ घोटालों की जांच के तहत 19 जगहों पर छापेमारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा ने रविवार को पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान सामने आए शराब और जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) घोटालों के संबंध में 19 स्थानों पर तलाशी ली। एसीबी/ईओडब्ल्यू के अधिकारी ने बताया कि शराब घोटाला मामले में आठ जगहों पर तलाशी ली गई, जिनमें बिलासपुर जिले में चार, रायपुर में दो और दुर्ग व बस्तर में एक-एक जगह शामिल है।

उन्होंने बताया कि ये परिसर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों अनिल टुटेजा और निरंजन दास के रिश्तेदारों से जुड़े हैं, जिन्हें शराब घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। डीएमएफ में 11 जगहों पर तलाशी हुई, जिनमें रायपुर में चार, बिलासपुर और सरगुजा में दो-दो, तथा कोंडागांव, बलरामपुर व धमतरी में एक-एक जगह है।

# शीतकालीन सत्र में नहीं लाएंगे चंडीगढ़ विधेयक

• केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उपजे राजनीतिक विवाद को देखते हुए लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र के लिए कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल बनाने वाले चंडीगढ़ संबंधी प्रस्तावित विधेयक को लाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। इसका उद्देश्य चंडीगढ़ और पंजाब एवं हरियाणा के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को बदलना नहीं है।

लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन में एक दिसंबर से शुरू होने वाले सत्र के लिए 10 विधेयकों की अनंतिम सूची में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2025 को शामिल किए जाने के एक दिन बाद सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया। चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने संबंधी प्रस्ताव वाले इस विधेयक पर पंजाब के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेश के लिए नियम बनाने और सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है।

मंत्रालय ने कहा कि चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही कोई उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा। इस मामले में किसी भी चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। केंद्र का संसद के शीतकालीन सत्र में इस संबंध में कोई विधेयक पेश करने का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने इस मामले पर उठाई गई चिंताओं को दूर करते हुए कहा, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून-निर्माण प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अब भी केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

### राष्ट्रपति को कानून बनाने की अनुमति का नेताओं ने किया विरोध

चंडीगढ़। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की नेता हरसिमरत कौर बादल और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने उस संविधान संशोधन विधेयक का रविवार को विरोध किया, जिसमें राष्ट्रपति को चंडीगढ़ के लिए सीधे नियम-कानून बनाने का अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। राज्य में सत्ताधारी आप, कांग्रेस और शिअद ने भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने सरकार पर चंडीगढ़ को पंजाब से छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने इसे पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला करार दिया। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, केंद्र सरकार चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को खत्म करने की कोशिश किसी साधारण कदम का हिस्सा नहीं, बल्कि पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। संघीय ढांचे की धज्जियां उड़ाकर पंजाबियों के हक छीनने की यह मानसिकता बेहद खतरनाक है। शिअद सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने दावा किया कि इस कदम से पंजाब चंडीगढ़ पर अपना अधिकार खो देगा। उन्होंने कहा, शिरोमणि अकाली दल इस शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे विधेयक का कड़ा विरोध करता है। इस संशोधन से चंडीगढ़ एक राज्य बन जाएगा और पंजाब चंडीगढ़ पर अपना अधिकार पूरी तरह से खो देगा। पार्टी नेता दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में अगले कदम तय किए जाएंगे। कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा ने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार राजनीतिक माहौल को परखने की कोशिश कर रही है और नया संविधान संशोधन विधेयक भी अस्थिरता पैदा करने की एक और कोशिश है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भी चंडीगढ़ में स्वतंत्र प्रशासक नियुक्त करने के केंद्र के प्रस्ताव की आलोचना की। उनका कहना है कि यह कदम पंजाब को "कमजोर करने" या "खत्म करने" की कोशिश है।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### वियतनाम में मृतकों की संख्या बढ़कर 90 हुई

**हनोई।** मध्य वियतनाम इलाके में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 90 हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक 12 लोग अभी भी लापता हैं। तेज बारिश और बाढ़ से इलाके में 1,154 घरों और 80,800 हेक्टेयर से ज़्यादा चावल और दूसरी फसलों को नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने मध्य प्रांतों में गंभीर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के उपाय बढ़ाने को कहा है। वियतनामी सरकार ने बुरी तरह प्रभावित इलाकों की सहायता के लिए 700 बिलियन वियतनामी डोंग की आपातकालीन मदद दी है।

### नेपाल में सट्टेबाजी में 8 भारतीय हुए गिरफ्तार

**काठमांडू।** नेपाल पुलिस ने रविवार को काठमांडू में चल रहे नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर सट्टा लगाने के आरोप में आठ भारतीयों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि भारतीय नागरिकों को त्रिभुवन विश्वविद्यालय स्टेडियम में खेले जा रहे नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) मैचों पर सट्टा लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। उन्हें समाखुसी से पकड़ा गया, जहां उन्होंने एक मकान किराये पर लिया था।

### भारतीय जासूस के सम्मान में डाक टिकट

**लंदन।** फ्रांस ने मैसुरु के शासक टीपू सुल्तान की वंशज और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक अंडरकवर ब्रिटिश एजेंट के रूप में फ्रांसीसी प्रतिरोध में अहम भूमिका निभाने वाली नूर इनायत खान की याद में एक विशेष डाक टिकट जारी किया है। नूर भारतीय मूल की पहली महिला हैं, जिनके नाम पर यह उपलब्धि दर्ज हुई है। फ्रांस की डाक सेवा ने द्वितीय विश्व युद्ध के खात्मे के 80 साल पूरे होने पर विशेष डाक टिकट जारी किए।

### नाइजीरिया में अगवा किए गए 50 छात्र मुक्त

**अबुजा।** नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अपहृत 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे मुक्त होकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। स्कूल प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी। नाइजर राज्य में नाइजीरिया के ईसाई संघ के अध्यक्ष और स्कूल के मालिक एम आर बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, 10 से 18 साल की उम्र के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार के बीच अलग-अलग समय पर अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचकर भाग निकले।

# बांग्लादेश की सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पत्र भेजा

ढाका, एजेंसी

- विशेष न्यायाधिकरण ने पूर्व पीएम को सुनाई है मौत की सजा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। हसीना को बांग्लादेश के विशेष न्यायाधिकरण ने मौत की सजा सुनाई है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के हवाले से बताया, यह पत्र शुक्रवार को भेजा गया।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक सूत्र का हवाला देते हुए एजेंसी ने कहा कि आधिकारिक राजनयिक पत्र नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के माध्यम से भेजा गया। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को हसीना (78) और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को मृत्युदंड सुनाया था। दोनों पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया। हसीना फिलहाल भारत में हैं। माना जा रहा है कि कमाल भी भारत में है। छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के चलते पिछले साल पांच अगस्त को हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

## क्या है जी-फोर्स... जिसने कराया तेजस हादसा

जी-फोर्स या गुरुत्व बल एक ऐसी शक्ति है जो हमारे शरीर पर तब महसूस होती है जब कोई वस्तु तेज गति से चलती है, मुड़ती है या अचानक रुकती है। साधारण भाषा में कहें तो जब आप किसी तेज चलती कार में बैठे होते हैं और कार में अचानक ब्रेक लगती है तो शरीर आगे की ओर झटका महसूस करता है। यह झटका जी-फोर्स का प्रभाव होता है। यही अनुभव रोलर कोस्टर, फाइटर जेट, रॉकेट लॉन्च या तेज़ गति वाले खेलों में और अधिक तीव्र होता है। जी-फोर्स यह बताता है कि हमारे शरीर पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण की तुलना में कितनी गुना शक्ति पड़ रही है। जी-फोर्स के नियम और नियंत्रण बहुत जरूरी होते हैं। विशेषकर पायलट, अंतरिक्ष यात्री और तेज गति वाले खेलों के खिलाड़ियों के लिए। हाल ही में दुबई में एयर शो के दौरान भारत का एक तेजस लड़ाकू विमान सीधे जमीन पर आ गिरा और पायलट की मौत हो गई। जी-फोर्स को ही इसका कारण माना जा रहा है।

- जी-फोर्स को गुरुत्व बल का माप कहा जाता है। यह बताता है कि किसी वस्तु या व्यक्ति पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) की तुलना में कितनी गुना अधिक या कम शक्ति लग रही है। सामान्य परिस्थितियों में हम 1जी का अनुभव करते हैं, अर्थात् हमारा शरीर उतना भार महसूस करता है जितना पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण होता है।
- जब कोई वाहन तेज़ गति से आगे बढ़ता है, रुकता है या तेज़ मुड़ता है, तो शरीर पर अतिरिक्त बल महसूस होता है। यही अतिरिक्त बल जी फोर्स कहलाता है। विज्ञान में इसे त्वरण बल भी कहते हैं, क्योंकि यह वस्तु की गति और दिशा में बदलाव के कारण उत्पन्न होता है।

### जी-फोर्स कहां-कहां महसूस होती है

- **हवाई जहाज और फाइटर जेट :** फाइटर जेट पायलट सबसे ज्यादा जी फोर्स का सामना करते हैं। एक जेट 9जी तक की शक्ति बना सकता है, जिसे सामान्य व्यक्ति बिना ट्रेनिंग के सहन नहीं कर सकता।
- अंतरिक्ष यात्रा : रॉकेट लॉन्च के समय अंतरिक्ष यात्री 3जी-5जी तक की जी फोर्स महसूस करते हैं। यह शरीर को सीट में दबा देता है।
- रोलर कोस्टर और एडवेंचर राइड्स : राइड्स में 3जी-6जी तक की जी फोर्स पैदा होती है। इसलिए सुरक्षा बेल्ट जरूरी होती है।
- कार रेसिंग : एफ1 कार ड्राइवर 5जी तक का लैटरल जी अनुभव करते हैं, खासकर तेज़ मोड़ों पर।
- दुर्घटना या टक्कर : कार टक्कर के समय कुछ ही सेकंड में 20जी-30जी तक की शक्ति पैदा हो जाती है, जो जानलेवा हो सकती है।

### पायलटों को प्रशिक्षण

पायलटों को सेंट्रीफ्यूज मशीन में ट्रेनिंग दी जाती है, जहां उन्हें 0जी से 9जी तक का अनुभव करवाया जाता है।

जी-फोर्स विज्ञान, तकनीक और मानव सहनशीलता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह बताता है कि गति और दिशा में बदलाव शरीर पर किस प्रकार का दबाव बनाते हैं। चाहे रोलर कोस्टर की थ्रिल हो या फाइटर जेट की गति-जी-फोर्स हर जगह सक्रिय रहती है। इसके नियम, सीमा और सुरक्षा उपाय हमें यह समझने में मदद करते हैं कि तेज़ गति वाले वातावरण में शरीर कैसे प्रतिक्रिया करता है और उसे सुरक्षित रखने के लिए क्या आवश्यक है।

# निवेश-महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

## प्रधानमंत्री मोदी ने की राष्ट्रपति रामफोसा से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

- युवा प्रतिनिमंडलों के अदान प्रदान पर भी दोनों देशों के बीच सहमति

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के इतर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और खाद्य सुरक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

मोदी ने रामफोसा से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जोहानिसबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बहुत शानदार बैठक हुई। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका साझेदारी के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की, खास तौर पर वाणिज्य, संस्कृति, निवेश के मामले में संबंधों को बढ़ावा देने तथा प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों आदि क्षेत्रों में सहयोग में विविधता लाने पर। मोदी ने रामफोसा को जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल अध्यक्षता के लिए बधाई दी। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में लिए गए फैसलों को आगे बढ़ाने और उन पर अमल करने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जी-20 में किए गए प्रयासों की सराहना भी की। दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीका में आयोजित होने वाले पहले जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ जी20 में शामिल हुआ था।

इससे पहले, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति रामफोसा के साथ एक गर्मजोशी भरी और उपयोगी बैठक की। जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान शुरू करने पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों के ऐतिहासिक आधार को याद करते हुए दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा व्यापार एवं निवेश, खाद्य सुरक्षा, कौशल विकास, खनन, युवा आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क सहित सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर संतोष जताया। बयान में कहा गया है कि मोदी और रामफोसा ने एआई, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

शिखर सम्मेलन में द. अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

द्विपक्षीय बैठक में इटली की समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

### भारत-इटली ने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ संयुक्त पहल की घोषणा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के बीच रविवार को हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ सहयोग के लिए संयुक्त पहल करने की घोषणा की। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने बातचीत के दौरान व्यापार, रक्षा एवं सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। शिखर सम्मेलन से इतर हुई बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ सहयोग के लिए भारत-इटली संयुक्त पहल को अंगीकार किया, जो आतंकवाद से लड़ने के उनके साझा संकल्प की पुष्टि करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने मेलोनी के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है, जिससे हमारे देशों के लोगों को बहुत लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने में सहयोग के लिए एक संयुक्त पहल की घोषणा कर रहे हैं। यह एक आवश्यक और समयोचित प्रयास है, जो आतंकवाद और उसके समर्थन नेटवर्क के खिलाफ मानवता की लड़ाई को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मेलोनी ने दिल्ली में हुई आतंकवादी घटना पर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की तथा आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर काम करने की इटली की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

# राजनीति से वैश्विक सहयोग पर पड़ा विपरीत असर : स्टिल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

- सीओपी30 पर बोले-संरा जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव

संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के समापन के बीच संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टिल ने कहा कि इस साल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर इनकार, विभाजन, और भू-राजनीति का बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा। ब्राजील में दो सप्ताह की व्यस्त चर्चा के बाद संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता देशों को असामान्य मौसम के असर से निपटने के लिए और अधिक वित्तपोषण के संकल्प के साथ समाप्त हुई। हालांकि इसमें इसमें जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे-धीरे समाप्त करने की कोई रूपरेखा शामिल नहीं थी। सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के नतीजों पर अपने बयान में, स्टिल ने कहा कि वैश्विक संस्था शायद जलवायु की लड़ाई नहीं जीत रही है, लेकिन पक्ष अभी भी लगे हुए हैं और पक्के इरादे से लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमें पता था कि यह सीओपी मुश्किल राजनीतिक माहौल में होगा। इनकार, विभाजन और भू-राजनीति ने इस साल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भारी नुकसान पहुंचाया है। स्टिल ने कहा कि हालांकि, सीओपी30 शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि जलवायु सहयोग बरकरार है और काम कर रहा है, जिससे रहने लायक धरती को लेकर मानवता की लड़ाई बरकरार है और 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पहुंच के अंदर रखने का पक्का इरादा है। उन्होंने कहा कि यहां बेलेम में, देशों ने एकता, विज्ञान और आर्थिक सामान्य समझ का चयन किया।

### जलवायु समझौता काफी महत्वपूर्ण

अमेरिका का नाम लिए बिना स्टिल ने कहा कि इस साल एक देश के पीछे हटने पर बहुत ध्यान दिया गया है। अमेरिका इस साल जनवरी में ऐतिहासिक पेरिस समझौते से पीछे हट गया था, जो जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए विश्व शक्तियों के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता है। स्टिल ने कहा राजनीतिक मुश्किलों के बीच, 194 देशों ने एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होकर जलवायु सहयोग के समर्थन में दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। ये 194 देश अरबों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्होंने एक आवाज में कहा है कि पेरिस समझौता काम कर रहा है और इसे आगे और तेज़ी से बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, हम एक नए समझौते में प्रगति देख रहे हैं जो न्यायपूर्ण संक्रमण पर केंद्रित है।

# एसआईआर के बाद से बढ़े अवैध बांग्लादेशी

हाकिमपुर, एजेंसी

- हाकिमपुर सीमा चौकी के पास वापसी के लिए लगी भारी भीड़

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में हाकिमपुर बीएसएफ सीमा चौकी के पास पक्की सड़क से निकलने वाला संकरा, धूल व कीचड़ भरा रास्ता वर्षों तक राज्य में रहने वाले गैरकानूनी बांग्लादेशियोंके लिए वापस जाने का मार्ग बन गया है। विशाल बरगद के पेड़ के नीचे कपड़े के छोटे-छोटे बैग लिए कई परिवार, प्लास्टिक की बोतलें पकड़े बच्चे और पुरुष शनिवार को एक कतार में खड़े थे। वे बीएसएफ कर्मियों से बार- बार एक ही गुहार लगा रहे थे कि हमें घर जाने दो।

दक्षिण बंगाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि नवंबर की शुरुआत से अपने देश लौटने की कोशिश कर रहे बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यह आवाजाही एक असामान्य रिवर्स माइग्रेशन यानी प्रतिलोमी प्रवास का रूप ले चुकी है, जिसे अधिकारी और स्वयं ये लोग पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जोड़कर देख रहे हैं। खुद को खुलना जिले की निवासी बताने वाली शाहिन बीबी कोलकाता के पास न्यू टाउन में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी, वह अपने छोटे बच्चे के साथ सड़क किनारे इंतजार कर रही थी। महिला ने कहा कि मैं यहां इसलिए आई थी क्योंकि हम गरीब थे। मेरे पास कोई सही दस्तावेज नहीं है। महिला ने कहा कि वह लगभग 20,000 रुपये महीना कमाती थी। कतार में खड़े कई लोग स्वीकार करते हैं कि पश्चिम बंगाल में रहने के दौरान उन्होंने दलालों और बिचौलियों के जरिए आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र बनवाए।

# हिजबुल्ला कमांडर हेथम को मार गिराने का इजराइली दावा

**हरेत हरेक।** इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर जून के बाद पहली बार रविवार को हमला किया और हिजबुल्ला के चीफ ऑफ स्टाफ हेथम तब्ताबाई को मार गिराने का दावा किया।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हुए हमले में पांच लोग मारे गए और 25 घायल हो गए। हिजबुल्ला ने इससे पहले यह कहा था कि यह हमला, इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध के समाप्त होने के लगभग एक वर्ष बाद किया गया है, जिससे व्यापक संघर्ष शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है।

# अमेरिका की शांति योजना पर चर्चा शुरू

- यूक्रेन और पश्चिमी देशों की जिनेवा में बैठक

जिनेवा, एजेंसी

रूस और यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शांति योजना पर यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगी देशों के बीच जिनेवा में वार्ता जारी है। यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख, राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेई यरमक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ अपनी पहली बैठक की। यरमक ने कहा कि इस मामले को लेकर अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ होगी। हमें सार्थक वार्ता की उम्मीद है। हम यूक्रेन में स्थायी और न्यायसंगत शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से तैयार किए गए 28 सूत्री प्रस्ताव ने यूक्रेन और अन्य देशों में चिंता पैदा कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उनके देश को कठिन विकल्प मिल सकते हैं।

### यूक्रेन-यूरोपीय सहयोगियों से मिलेंगे रुबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्त करने के लिए पेश शांति समझौता मसौदे पर चर्चा करने के लिए यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों के साथ वार्ता करेंगे। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेई यरमक करेंगे और फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा उनका समर्थन किया जाएगा। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल और राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के भी शामिल होने की उम्मीद है।

# प्रोजेक्ट की निगरानी के लिए ऑनलाइन प्रणाली लागू करेगा एएआई

**नई दिल्ली।** भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) जल्द ही अपनी सभी परियोजनाओं की तत्काल निगरानी के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली लागू करने जा रहा है। गौरतलब है कि एएआई हर साल पूंजीगत व्यय पर बड़ी राशि खर्च करता है। प्राधिकरण न सिर्फ हवाई अड्डों का विकास और रखरखाव करता है, बल्कि हवाई यातायात प्रबंधन सेवाएं भी देता है। एएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस ऑनलाइन निगरानी प्रणाली पर पिछले एक साल से काम चल रहा है और इसे आने वाले कुछ सप्ताहों में पेश कर दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं की तत्काल निगरानी करना है, ताकि हर वक्त प्रगति की जांच की जा सके और कार्यान्वयन में कोई देरी न हो।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 21.22 तक तत्पश्चात पंचमी।

### आज का पंचांग

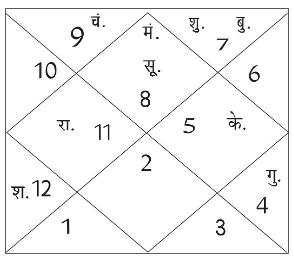



**दिशाशूल**- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।

**चन्द्रबल**-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।

**ताराबल**- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

**नक्षत्र**-पूर्वाषाढ़ा 21.53 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

**मेष** - आज बुद्धिमान मित्रों और संतजनों का दर्शन लाभ मिल सकता है। किसी रिश्तेदार के यहां घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र की जटिलता समाप्त होगी। अपनी बातों को मनवाने के लिए किसी पर दबाव न डालें। मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

**वृष** - आज आपकी दैनिक आय में कमी आ सकती है। आपको कड़वे अनुभवों का सामना करना पड़ेगा। अहंकार के कारण निजी रिश्तों में टकराहट पैदा हो सकती है। बनते कार्यों में अवरोध आ सकते हैं। नकारात्मक बातों को स्वयं पर हावी न होने दें।

**मिथुन** - आज स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। रियल एस्टेट से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णयों की सर्वत्र प्रशंसा होगी। लोग आपको अत्यधिक सम्मान देंगे। घर के लिए आप शॉपिंग कर सकते हैं।

**कर्क** - आज कारोबार में आप अपने मन की करेंगे, जिसके कारण आपको इच्छित लाभ भी मिलेगा। परिवार में संकोच के कारण दबाव में रहेंगे। अपने कर्तव्यों से पीछे न हटें। किसी उत्सव में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है।

**सिंह** - आज व्यवसाय में कोई बड़ा सौदा सावधानी पूर्वक करें। यात्रा के दौरान सावधानी रखें। राजनीति से जुड़े लोगों को अच्छा जनसमर्थन मिलेगा। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाने का विचार बना सकते हैं। धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

**कन्या** - आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। व्यर्थ के तर्क-वितर्क में अपना समय बर्बाद करने से बचें। अजनबियों की बातों का अधिक विश्वास न करें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में समस्या हो सकती है। परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति हो सकती है।

**तुला** - आज आपको मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। कारोबार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। किसी महत्वाकांक्षी योजना का आरंभ करने के लिए दिन हितकारी है।

**वृश्चिक** - आज शैक्षणिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अच्छी तरह से परखे और सुने बिना बातों पर प्रतिक्रिया न दें। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपने करियर को लेकर थोड़े नाखुश रहेंगे। धन उधार देने से बचें, क्योंकि फंसने की पर्याप्त संभावना है।

**धनु** - आज का दिन आराम में बीतेगा। व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। करियर में आपको उत्तम विकल्प मिलने की संभावना है। पारिवारिक विवादों को निपटाने का अच्छा अवसर मिल सकता है। पड़ोसियों के साथ कहासुनी हो सकती है।

**मकर** - आज अनैतिक कार्यों की ओर मन न लगाएं। जीवनसाथी आपसे किसी बात को लेकर नाखुश होगा। हृदय रोगियों को स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। शुभचिंतकों के सुझावों को गंभीरता से लें। धन की स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी।

**कुंभ** - आज आपकी आय में वृद्धि होगी। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत अनुकूल है। कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। बच्चों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। घर में पूजा-पाठ का माहौल रहेगा। रिश्तेदारों की सहायता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

**मीन** - आज आप कुछ नया और इनोवेटिव करना चाहते हैं, जिसके लिए प्रयास भी करेंगे। आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। लंबे समय से रुके कार्यों के पूरे होने से मन में संतुष्टि होगी।

## सुडोकू -170

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | | | | | |
| | | | | | | 4 | | |
| | 7 | | | | | | | |
| | 1 | | | 7 | | | | |
| | | | | | | 6 | | |
| | | | | 9 | | | | 1 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 8 | | | | | | | |
| | | | 3 | | | | | |

### सुडोकू - 169 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 1 | 2 | 3 | 5 | 7 | 6 | 9 | 4 |
| 4 | 6 | 7 | 2 | 8 | 9 | 1 | 5 | 3 |
| 3 | 9 | 5 | 6 | 4 | 1 | 2 | 7 | 8 |
| 1 | 3 | 6 | 4 | 7 | 2 | 5 | 8 | 9 |
| 5 | 7 | 9 | 8 | 6 | 3 | 4 | 2 | 1 |
| 2 | 4 | 8 | 9 | 1 | 5 | 3 | 6 | 7 |
| 9 | 2 | 1 | 7 | 3 | 6 | 8 | 4 | 5 |
| 6 | 5 | 4 | 1 | 9 | 8 | 7 | 3 | 2 |
| 7 | 8 | 3 | 5 | 2 | 4 | 9 | 1 | 6 |

# आतिशबाजी के सतरंगी नजारे के बीच महादेवा महोत्सव का समापन

## सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के लिए पंडाल में उमड़े दर्शक, महोत्सव के सफल संचालन में सक्रिय योगदान देने वालों को मुख्य अतिथियों ने किया सम्मानित

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

**अमृत विचार :** आतिशबाजी की रंगीन चमक और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सोमवार की शाम महादेवा महोत्सव का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में महोत्सव के सफल संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों, अधिकारियों और कर्मचारियों को मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, जनपद न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव और मजिस्ट्रेट सुधा सिंह द्वारा प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने अपने संबोधन में कहा कि टीम वर्क और समर्पण के कारण इस वर्ष महादेवा महोत्सव नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि महोत्सव में आए हजारों श्रद्धालुओं को सुरक्षा, व्यवस्था और मनोरंजन का उत्कृष्ट वातावरण उपलब्ध कराया गया। मुख्य अतिथियों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय, चौकी इंचार्ज महादेवा अभिनंदन पांडेय, एडीओ पंचायत अभय शुक्ला सहित सभी पत्रकारों और सहयोगियों को सम्मानित किया।

समापन समारोह में पहुंचे अधिकारियों का संयुक्त मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल और सीओ गरिमा पंत ने भी प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक शरद अवस्थी, अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी, इंस्पेक्टर मसौली अमित सिंह, इंस्पेक्टर बदौसराय अजीत विद्यार्थी सहित पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। कार्यक्रम का संचालन आशीष पाठक ने किया।

समापन अवसर पर पूर्व विधायक शरद अवस्थी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही महादेवा महोत्सव का शानदार आयोजन संभव हो सका। उन्होंने अधिकारियों से महादेवा कॉरिडोर के निर्माण कार्य में तेजी लाने की भी मांग की।

महादेवा महोत्सव के समापन कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय।

महादेवा महोत्सव के समापन अवसर पर होती शानदार आतिशबाजी। ● अमृत विचार

### महोत्सव में सरोज श्रीवास्तव ने बहायी अवधी लोकगीतों की बयार

**रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार :** महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर शनिवार की शाम अवधी लोकगायिका सरोज श्रीवास्तव ने लोकगीतों की बहार बहा दी। उनकी मधुर आवाज में प्रस्तुत लोकगीतों और शिवभजनों ने ऐसा माहौल रचा कि पूरा पंडाल भक्ति और लोकसुरीलेपन में डूब गया। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने प्रसिद्ध शिवभजन आओ भोलेनाथ मेरे गरीब खाने में, देर करते हो भोले क्यों आने में से की, जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो उठे। इसके बाद उन्होंने गंगाजी का देखेव, चंद्रमा का देखेव, विश्धर का देखेव गरदनवा मा बम भोला का देखेव सपनवा मा सुनाया, तो दर्शकों की तालियां थमने का नाम नहीं ले रही थीं। सरोज श्रीवास्तव ने आगे जरा कुटिया गरीबो की देखो बुलाने हम आए जैसे लोकगीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन उन्होंने होली खेले शिव भोला फगुनवा मा, किकरे हाथे कनक पिचकारी, केकरे हाथी अमीरा से किया, जिस पर दर्शक झूम उठे और पूरा वातावरण भक्तिरस और उमंग से भर गया। लोकसंगीत और भक्ति की यह बेहतरीन शाम महोत्सव की यादगार प्रस्तुतियों में शामिल हो गई।

प्रस्तुति देतीं अवधी लोकगायिका सरोज श्रीवास्तव।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। ● अमृत विचार

### मयूर नृत्य और फूलों की होली ने मोह लिया दर्शकों का मन

**रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार :** महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर शनिवार की शाम लखनऊ से आए धीरेंद्र पांडेय टीम के कलाकारों ने ऐसी अद्भुत प्रस्तुतियाँ दीं कि पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। टीम ने फूलों की होली और मयूर नृत्य पेश किया। कार्यक्रम की शुरुआत छुप-छुप के केशव कन्हैया नाचे ताता थैया थैया की मधुर धुन पर मयूर नृत्य से हुई। इसके बाद कलाकारों ने देखो मेरे श्याम बनके मोर आयो हैं, मोहनी मूरत मन में रमायो पर सामूहिक मयूर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक क्षण तब आया जब कलाकारों ने बाजे बरसाने में नगाड़ा, के होली आई आरा रा रा की धुन पर फूलों की होली खेली। मंच से उड़ते फूलों ने पूरे पंडाल को रंगीन बना दिया, और श्रोता कन्हैया की भक्ति में खो गए।

प्रस्तुति देते अघोरी आर्ट ग्रुप के कलाकार। ● अमृत विचार

### अघोरी आर्ट ग्रुप की मसाने की होली ने मोहा मन

**रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार :** महादेवा महोत्सव की अंतिम शाम मनमौजी अघोरी आर्ट ग्रुप के शानदार मंचन के नाम रही। ग्रुप ने मसाने की होली, भोलेनाथ की बारात और महाकाल की आरती जैसे दृश्यों से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल भक्ति से सराबोर हो गया। सती वियोग का अभिनय प्रस्तुत किया गया, जिसमें शिव का रौद्र रूप देख उपस्थित लोग भावविभोर हो उठे। होली खेले मसाने में गीत प्रस्तुत किया गया। शिव के रूप में सोनू मनमौजी, पार्वती की भूमिका में सपना, दक्ष के रूप में संदीप व अघोरी रूप में शनि, छोटू, विशाल के अभिनय को सराहा गया। निर्देशन रवि कनौजिया ने किया।

### पंजाब के नवाज ने आगरा के अरुण को चित कर जीता 51 हजार रुपये का इनाम

**रामनगर, बाराबंकी : अमृत विचार :** महादेवा महोत्सव में आयोजित दो दिवसीय दंगल प्रतियोगिता के अंतिम दिन बाबा सौरभ दास के संयोजन में पहला मुकाबला 11 हजार रुपये का रहा। मुख्य अतिथि भाजपा नेता गौरीकांत दीक्षित ने लकी थापा (नेपाल) और शमशेर (हरियाणा) का हाथ मिलवाकर दंगल की शुरुआत कराई। मुकाबला बराबरी पर छूटा। भूरा (राजस्थान) को गनी (जम्मू) ने मात दी। परवेज (सहारनपुर) ने शेरू (राजस्थान) को हराया। नमीष (उन्नाव) और इंद्रदेव (नंदिनी नगर, गोंडा) के बीच मुकाबला बराबर रहा। मोनू (दिल्ली) और देवेंद्र (गोरखपुर) के बीच बिना परिणाम के रही। भूरा (जम्मू) ने सोनू (राजस्थान) को हराया। नवाज अली (कोटला, पंजाब) ने धर्मेंद्र (गोरखपुर) को पछाड़ा। संदीप (कोटवाधाम, बाराबंकी) व सूरज (राजस्थान) के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। जल्लाद (राजस्थान) ने परवेज (सहारनपुर) को धूल चटायी। 21 हजार के मुकाबले में भी जल्लाद ने लकी थापा (नेपाल) को हराया। अंतिम मुकाबला 51 हजार रुपये की इनामी कुश्ती में नवाज अली (पंजाब) ने आगरा के अरुण को धूल चटायी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी सहयोगियों के साथ मौजूद रहे। मुख्य अतिथि गौरीकांत दीक्षित ने 11 हजार रुपये की प्रथम कुश्ती करायी। सुरक्षा का जिम्मा थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडे और महादेवा चौकी प्रभारी अभिनंदन पांडे ने फोर्स के साथ संभाला।

## न्यूज ब्रीफ

### परिजनों के सुपुर्द की गयी भटकी महिला

**बाराबंकी, अमृत विचार :** घर से रास्ता भटक कर आयी बुजुर्ग मानसिक विक्षिप्त महिला के परिजनों का सी-प्लान एप की सहायता से पता लगाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा वृद्ध महिला को अभिरक्षा में लिया गया। महिला के परिजनों के सम्बन्ध में जानकारी की गयी तो ज्ञात हुआ कि महिला का नाम रामकली है तथा ग्राम जगतपुर थाना मोहम्मदपुर खाला की रहने वाली है। 20 नवंबर को वह अपने घर से निकली तथा रास्ता भटक कर थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में आ गई थीं। पुलिस द्वारा सी-प्लान एप के माध्यम से परिजनों से सम्पर्क कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया।

### हाईटेंशन तार टूटकर गिरा, मां-बेटी झुलसीं

**फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार :** मुस्काबाद में रविवार सुबह पेड़ की डाल काटने के दौरान हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से मां-बेटी गंभीर रूप से झुलस गईं। कुछ ग्रामीण रविवार सुबह जामुन के पेड़ की डाल काट रहे थे। इसी दौरान पेड़ की डाल हाईटेंशन लाइन से टकरा गई, जिससे तार टूटकर नीचे गिर गया। उसी समय खेत से लौट रही रूबी (28) और उसकी दो वर्षीय मासूम बेटी उस स्थान से गुजर रही थीं। अचानक टूटा तार उनके ऊपर गिर गया, जिससे दोनों करंट की चपेट में आकर झुलस गईं। ग्रामीणों ने मां-बेटी को गंभीर अवस्था में फतेहपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार जारी है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से उच्च वोल्टेज तारों के पास पेड़ की कटान के दौरान सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

### इंस्टाग्राम पर अभद्र मैसेज भेजने की रिपोर्ट

**बाराबंकी, अमृत विचार :** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अभद्र मैसेज भेजे जाने के मामले में एक महिला ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। एक युवती ने पुलिस को बताया कि उनकी इंस्टाग्राम आईडी तथा उनके नजदीकी रिश्तेदार की आईडी पर राधे कृष्णा 2316 नामक इंस्टाग्राम यूजर द्वारा लगातार गंदे और आपत्तिजनक संदेश भेज रहा है। साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है।

### सरकारी पुस्तकालय खोलने की मांग

**रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार :** क्षेत्र में असरकारी पुस्तकालय की स्थापना की मांग जोर पकड़ रही है। प्रयास जल जीवन सेवा समिति के अध्यक्ष अंजनी कुमार साहू ने खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा को निवेदन सौंपकर कहा कि प्रतियोगी छात्रों के पास न तो अध्ययन स्थल है और न ही पुस्तकों का स्रोत। उन्होंने सरकारी पुस्तकालय खोलने की मांग की है।

## युवक की गोली मारकर हत्या, दो भाई समेत तीन लोग गिरफ्तार

संवाददाता, कुंडा (प्रतापगढ़)

● पुरानी रंजिश एवं बच्चों के बीच हुए झगड़े को लेकर हुई घटना

**अमृत विचार :** कुंडा कोतवाली के सरियावां गांव में शनिवार देर रात गोली मार कर युवक की हत्या कर दी गई। हत्यारोपी दो सगे भाई एवं एक नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस गोलीबारी में मरने वाले युवक का एक भाई गंभीर रूप से घायल है, उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे से परिजन रो रो कर बेहाल हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फुरकान (फाइल फोटो)

पुरानी रंजिश एवं बच्चों के बीच हुए झगड़े को लेकर सरियावां गांव के पूर्व प्रधान मो. मोअज्जम के 22 वर्षीय छोटे पुत्र फुरकान और बड़े बेटे 24 वर्षीय साहिल को आरोपी तनवीर ने शनिवार रात अपनी डबल बैरल बंदूक से गोली मार दी थी। इसमें फुरकान की मौत हो गई थी और दूसरे का इलाज चल रहा है। देर रात पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर भी गांव पहुंचे। उन्होंने परिवार से मिलकर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। बताया कि हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गोली चलाने में नामजद उसी गांव के तनवीर और उसके भाई सोहराब पुत्र महमूद अली को घटना में प्रयुक्त बंदूक के साथ पकड़ा गया है। एक नाबालिग को गिरफ्तार कर पड़ताल की जा रही है। गांव में पुलिस सतर्क है। मृतक के परिवार के लोगों ने बताया कि कुछ साल पहले रमजान के महीने में रोजा इफ्तार के दौरान पानी की बोतल ले जाने का विवाद बहुत बढ़ गया था। उनके पिता और तनवीर में कहासुनी और मारपीट तक हुई थी। परिवार के लोगों को मलाल है कि पुलिस ने उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया, जिसका परिणाम परिवार के पुत्र को जान देकर चुकाना पड़ा। वहीं एसपी ने हरसंभव मदद की बात कही है।

### वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

**देवा, बाराबंकी, अमृत विचार:** रविवार को लखनऊ से घर लौट रहे युवक की देवा-कुर्सी मार्ग पर सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बांधिया गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। सूचना मिलते ही देवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उसे सीएचसी देवा भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया मृतक की पहचान राजीव (25 वर्ष) पुत्र राजकुमार निवासी कुतलुपुर, थाना फतेहपुर के रूप में हुई है। वह लखनऊ से बाइक द्वारा घर लौट रहा था पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

## अवैध वसूली के मामले में दो सिपाही बर्खास्त

**बलरामपुर, अमृत विचार।** पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति का कड़ा उदाहरण बलरामपुर में देखने को मिला है। थाना कोतवाली जरवा में तैनात रहे आरक्षी ध्रुप चन्द्र और राजू यादव को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया।

दोनों सिपाहियों पर 4 सितंबर 2023 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर आरोप दर्ज हुए थे। विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, गोरखपुर ने 21 जनवरी 2025 को दोनों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। इसके बाद 22 नवंबर 2025 को एसपी ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ श्रेणी के दंड एवं अपील नियमावली के तहत विभागीय कार्रवाई पूरी करते हुए दोनों को सेवा से बाहर कर दिया। वहीं एसपी विकास कुमार ने कहा पुलिस विभाग में कार्यरत कोई भी व्यक्ति यदि भ्रष्टाचार करता है, तो यह अक्षम्य अपराध है। ऐसे मामलों में कठोरतम कार्रवाई ही की जाएगी।

## ड्राइविंग सीख रहे बेटे की कार से कुचलकर मां की मौत

संवाददाता, हैदरगढ़, बाराबंकी

मीनू (फाइल फोटो)

**अमृत विचार :** स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के बहुता गांव में रविवार को ड्राइविंग सीख रहे बेटे की कार की चपेट में आने से मां की मौत हो गई। घर के दरवाजे पर हुए इस हादसे से परिवार में चीख-पुकार मच गई।

गांव निवासी राकेश कुमार तिवारी के घर उनके दामाद कार लेकर आए थे। कार घर के द्वार पर खड़ी थी जबकि राकेश की पत्नी मीनू तिवारी (60) घर के बाहर कुर्सी पर बैठकर धूप सेंक रही थीं। राकेश तिवारी के पुत्र सूरज ने अपने जीजा से कार चलाना सीखने की बात कही और कार की चाबी लेकर उसे स्टार्ट कर दिया। तभी सूरज का पैर से एक्सीलेटर पर पड़ गया, जिससे कार ने उसकी मां को कुचल दिया।

गंभीर अवस्था में परिजन घायल मीनू तिवारी को सीएचसी हैदरगढ़ लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद सदमे में डूबे परिवारजन बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव को लेकर घर लौट गए।

## समयबद्ध फीडिंग निपटाने वाले बीएलओ होंगे सम्मानित

**बाराबंकी, अमृत विचार :** जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने रविवार को विधानसभा बाराबंकी (सदर) क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय बड़ेल द्वितीय स्थित बूथ संख्या 385 और 386 पर पहुँचकर उन्होंने फीडिंग सहित समस्त कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लापरवाही बरदाश्त नहीं की जाएगी। बूथ संख्या 385 की बीएलओ नीतू श्रीवास्तव ने डीएम को जानकारी दी कि उनके बूथ पर 686 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें से लगभग 300 एसआईआर आवेदन पूरे किए जा चुके हैं। वहीं बूथ संख्या 386 की बीएलओ दीपलता ने बताया कि उनके बूथ पर लगभग 250 आवेदन पूरे हो चुके हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जो बीएलओ अपने-अपने बूथ का कार्य सबसे पहले पूरा करेंगे, उन्हें सर्वश्रेष्ठ घोषित कर सम्मानित किया जाएगा। डीएम ने पूछा कि नेटवर्क से संबंधित कोई समस्या तो नहीं है। इस पर बीएलओ ने बताया कि शुरू में दिक्कतें थीं, अब ऐप सुचारु रूप से काम कर रहा है।

आस्था | लंगर ने दिया सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश

## गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस से पूर्व निकली प्रभातफेरी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

**अमृत विचार :** श्री गुरु तेग बहादुर साहेब के 350 साल शहीदी दिवस से पूर्व रविवार को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा प्रबंधक कमेटी लाजपत नगर द्वारा प्रभातफेरी (महाराज जी की पावन शाही सवारी) बड़े श्रद्धाभाव से निकाली गई।

लाजपत नगर गुरुद्वारे से सुबह 5:30 बजे प्रारंभ हुई प्रभात फेरी छाया चौराहा, नगर पालिका, निबलेट चौराहा और बेगमगंज होते हुए दोबारा गुरुद्वारा साहब पहुंची। प्रभात फेरी के दौरान सिख और पंजाबी समुदाय की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने कीर्तन-भजन करते हुए पूरे शहर में शांति, सद्भाव और सेवा का संदेश प्रसारित किया। गुरुद्वारा पहुंचकर ज्ञानी जी ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, बलिदान और मानवता के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। अरदास के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद गुरु जी का अटूट लंगर वर्ताया गया। लंगर सेवा ने सामाजिक एकता और भाईचारे का सुंदर संदेश दिया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार भूपेंद्र सिंह, सरदार चरनजीत सिंह, सरदार रवीन्द्रपाल सिंह, सरदार हरपाल सिंह, सरदार परमजीत सिंह, सरदार सतनाम सिंह खालसा, सरदार रविंदर सिंह, सरदार राजदीप सिंह, सरदार जसबीर सिंह, सुमित्रा कौर, कवलजीत कौर, रंजीत कौर, परमजीत कौर, अमरजीत कौर, सुरजीत कौर, नरेन्द्र कौर, इंदरजीत कौर सहित सरदार हरप्रीत सिंह, सरदार मनमीत सिंह सोनू, मलकीत सिंह, तनमीत सिंह, सरदार बलबीर सिंह, सरदार प्रीत सिंह, अमरजीत सिंह राजे, हरविंदर सिंह आदि थे।

प्रभात फेरी में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

## सिटी डायरी

### पुलिस झंडा दिवस मनाया गया

ध्वज को सलामी देते एसपी। अमृत विचार

**बाराबंकी, अमृत विचार :** रिजर्व पुलिस लाइन्स में पुलिस झण्डा दिवस पर ध्वजारोहण कर पुलिस कर्मियों को झण्डा दिवस का प्रतीक चिन्ह लगाया गया। यूपी पुलिस द्वारा प्रतिवर्ष 23 नवम्बर को पुलिस झण्डा दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा उपस्थित समस्त पुलिस कर्मियों को सम्बोधित करते हुए पुलिस झण्डा दिवस का प्रतीक चिन्ह लगाकर पुलिस महानिदेशक के संदेश को पढ़कर सुनाया गया। साथ ही पुलिस कर्मियों को शौर्य, कर्तव्य परायणता तथा उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। इसी क्रम में एएसपी उत्तरी विकास चन्द्र त्रिपाठी द्वारा पुलिस कार्यालय में समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने कार्यालयों में तथा समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष द्वारा अपने-अपने थाना, चौकी में पुलिस झण्डा दिवस मनाया गया।

### मारपीट व हमले की घटनाओं में 10 लोग हुए घायल

**बाराबंकी, अमृत विचार :** मारपीट जानलेवा हमले की अलग अलग घटनाओं में दस लोग घायल हो गए। असन्द्रा ग्राम हाजीपुर में बैट्रा चोरी के आरोप में अर्जुन की पिटाई के बाद शिकायत करने पहुंची उसकी मां कलावती पर हमला किया गया। फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मझगंवा शरीफ में बैनामा कराने के दबाव में राजकमला व साथियों ने रामलखन को बांका मारकर घायल कर दिया। जहांगीराबाद के कमरखा गांव में आरसीसी पर पानी बहाने को लेकर विशाल, संजय, विवेक व रंजीत ने हरिपाल को लाठी-डंडों से पीटा। पत्नी पुष्पा और बच्चे को भी धमकाया गया। कादिरपुर में नीतू राज को शालिनी व कुशमा ने लाठी-डंडों और ईंट से पीटा। बचाने आई मां शुशीला को भी मारपीट कर गंभीर चोटें पहुँचीं। शहर कोतवाली क्षेत्र में जमुरिया पुल के पास संतराम व अरविन्द ने 8-10 साथियों के साथ नितिन कुमार को लात-घूंसों व बेल्ट से पीटा। भीड़ जुटने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। कुर्सी थाना क्षेत्र के ग्राम अमरसण्डा में पुरानी रंजिश में 12 लोगों ने मोहम्मद जीशान को गाली-गलौज कर कार तोड़ी और दौड़ा लिया। आरोपी शिकायत पर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। इसी थाना क्षेत्र के ग्राम कोढवा में कब्जे के प्रयास का विरोध करने पर मोहित-रोहित समेत विपक्षियों ने दंपती को पीटा। फावड़े से सिर पर वार से रंजना लहूलुहान होकर मौके पर बेहोश हो गई।

### रेकी की मवेशी चुराने वाले चार चोर गिरफ्तार

**देवा, बाराबंकी, अमृत विचार :** कोतवाली पुलिस ने भैंस चोरी के खेल का पर्दाफाश करते हुए चार शातिर चोरों को दबोच लिया। रात के अंधेरे में भैंस और पड़िया उड़ाने वाले इस गैंग के पास से न सिर्फ चोरी का मवेशी बल्कि अवैध बंदूक, चाकू और घटना में इस्तेमाल टाटा मैजिक तक बरामद हुई। पुलिस की पकड़ में आए चोरों में फुरकान पुत्र मो. सफीक निवासी आलापुर कोतवाली नगर, अफजल उर्फ मामू पुत्र सफीक, फुरकान पुत्र उस्मान निवासी खेवली थाना देवा और रितेश पुत्र प्रेमचंद निवासी खंदर भिटहरी चिनहट लखनऊ हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की भैंस, उसका बच्चा, एक 12 बोर बंदूक मय जिंदा कारतूस, एक नाजायज चाकू और टाटा मैजिक वाहन बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा की बढ़ोत्तरी की गई, जबकि अवैध हथियार मिलने पर आर्म्स एक्ट के दो और मुकदमे पंजीकृत किए गए। पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह इलाके में रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। इनके खिलाफ चोरी, गौ तस्करी, हत्या एवं अवैध शस्त्र के कई मामले पहले से दर्ज हैं। अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि 21 नवंबर की रात वह ग्राम गौरिया से भैंस और पड़िया चोरी कर टाटा मैजिक से फरार हुए थे।

### सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों ने मोहा मन

**लखनऊ, अमृत विचार :** एसकेडी एकेडमी की वृंदावन शाखा में सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन एसकेडी ग्रुप आफ एजुकेशन के निदेशक मनीष सिंह मौजूदगी में संपन्न हुआ। बच्चों ने सांस्कृतिकक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि विधायक राजेश्वर सिंह ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्रभावित होकर उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया बल्कि समाज के बारे में सार्थक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों में टीम वर्क की भावना और रचनात्मकता का विकास होता है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

# खानकाह-ए-नियाजिया : सूफी शिक्षा और आध्यात्मिक विकास का केंद्र

बरेली की खानकाह-ए-नियाजिया को दुनिया में सूफी शिक्षा और आध्यात्मिक विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। खानकाह में मुस्लिमों के अलावा हिंदू भी बड़ी संख्या में आते हैं, इस तरह यह खानकाह हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक भी है। यहां किसी से नहीं पूछा जाता है कि आप किस धर्म-जाति के हैं या कहां से आए हैं। दरगाह मोहब्बत, इंसानियत, सुकून और खिदमत का पैगाम देती है। सूफी संगीत से जुड़े तमाम नामचीन फनकारों के खास जुड़ाव ने भी खानकाह को अलग पहचान दी है।

हजरत शाह नियाज अहमद के सिलसिले से वजूद में आई इस खानकाह का इतिहास करीब ढाई सौ साल पुराना है। सिलसिला-ए-नियाजिया किताब में खानकाह के उस शुरुआती दौर का जिक्र किया गया है, जब हजरत शाह नियाज अहमद बरेली आए थे। उस वक्त बरेली में हाफिज रहमत खां हाकिम थे। हजरत शाह नियाज अहमद ने बिहारीपुर में एक मकान किराये पर लिया और करीब की मस्जिद में देहली की तर्ज पर पढ़ाने लगे। बरेली आने से पहले उनकी शोहरत यहां पहुंच चुकी थी। सैकड़ों लोग उनके दर पर हाजिरी देने लगे। वह अवाम की दिक्कतें हल करने लगे। कुछ ही समय में खानकाह से कौम-मिल्लत, जाति-धर्म से अलग मोहब्बत-नेकी का संदेश निकलने लगा। यह कौमी एकता का घर बन गया।

आज जिस जगह हजरत शाह नियाज अहमद की खानकाह है, उसका नाम खोजी मोहल्ला था जो अब बदलकर ख्वाजा कुतुब हो गया है। यहीं उन्होंने खानकाह और मकान बनाया। देश-दुनिया के लोग यहां आने लगे। खानकाह की अहमियत इसलिए भी है, क्योंकि यहां ख्वाजा गरीब नवाज के रूहानी जानशीन हजरत शाह नियाज बेनियाज की दरगाह भी है। खानकाह में हर साल मन्नतों के चिराग रोशन करने की पुरानी परंपरा है। इसमें हिंदू-मुस्लिम समेत सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं। जश्न-ए-चिरागा में शामिल होने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं। यहां हर रोज अलग-अलग धर्मों के सैकड़ों अकीदतमंद हाजिरी लगाते हैं। खानकाह के मौजूदा सज्जानशीन हजरत मेहंदी मियां ने पुरानी रवायतों को बरकरार रखा है।

## हजरत के कलाम पढ़कर शोहरत की बुलंदियों तक पहुंचे कई फनकार

खानकाह-ए-नियाजिया से तमाम नामचीन फनकार का जुड़ाव है। काफी हर साल यहां हाजिरी लगाने भी आते हैं। खानकाह से बड़े-बड़े संगीतकारों, शायरों और कव्वालों को भी सम्मान हासिल हुआ। शास्त्रीय संगीत में वर्ष 1957 में पद्म भूषण सम्मान पाने वाले रामपुर-सहसवान घराने के उस्ताद मुश्ताक हुसैन खां खानकाह के मुरीद थे। खानकाह के मुरीदों में इसके अलावा उस्ताद राशिद खां, पंडित बिरजू महाराज, सारंगी वादक उस्ताद सुल्तान खां जैसे कई और बड़े फनकारों का नाम शामिल हैं, जिन्हें पद्म भूषण मिल चुका है। तबदला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन, विलायत खां, संगीतकारों में एआर रहमान, सलीम सुलेमान, मशहूर शायर वसीम बरेलवी, मुन्नबराना, राहत इंदौरी, कव्वालों में उस्ताद मुराबारक, जाफर बदायूंनी, अजीज नाजा, साबरी ब्रदर्स जायपुर वालों का भी किसी वक्त में खानकाह से जुड़ाव रहा है। हजरत शाह नियाज अहमद की शायरी की कोई मिसाल नहीं है। उन्होंने शायरी के साथ अलग-अलग विषयों पर तमाम किताबें लिखीं। रामपुर निवासी मशहूर कव्वाल शाहिद शमी नियाजी बताते हैं कि गुलाम फरीद साबरी, उस्ताद नुसरत फतेह अली, पाकिस्तानी गायक आबिदा परवीन समेत तमाम फनकारों ने हजरत शाह नियाज अहमद के कलाम पढ़कर शोहरत पाई। लगभग सभी बड़े फनकार यहां अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। शमी नियाजी भी 32 मुल्कों में अपनी कव्वाली का जादू बिखेर चुके हैं। कई फिल्मों में आवाज दे चुके हैं। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। वह भी खानकाह से जुड़े हैं।

## शाह नियाज अहमद की गजल

इश्क़ में तेरे कोह-ए-ग़म सर पे लिया जो हो
सो हो, ऐश-ओ-निशात-ए-ज़िंदगी छोड़
दिया जो हो सो हो।

अक़्ल के मदरसे से हो इश्क़ के मय-कदा
में आ, जाम-ए-फ़ना व बे-ख़ुदी अब तो
पिया जो हो सो हो।

लाग की आग लग उठी पम्बा तरह सा जल
गया, रख़्त-ए-वजूद जान-ओ-तन कुछ न
बचा जो हो सो हो।

हिज्र की सब मुसीबतें अर्ज़ कीं उस के
रू-ब-रू, नाज़-ओ-अदा से मुस्कुरा कहने
लगा जो हो सो हो।

दुनिया के नेक-ओ-बद से काम हम को
'नियाज़' कुछ नहीं, आप से जो गुज़र गया
फिर उसे क्या जो हो सो हो।

## जारा वारसी : चमची के किरदार से मिली पहचान अब फिल्मों की ओर बढ़े कदम

बरेली की जारा वारसी मायानगरी मुंबई में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर रही हैं। एंड टीवी के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में उनके चमची के किरदार उन्हें मशहूर बनाया जिसके बाद उन्होंने यशराज फिल्म्स बैनर की मंडला मर्डर्स वेब सीरीज में भी अपने काम का लोहा मनवाया। टेलीविजन से अब वह बॉलीवुड की ओर कदम बढ़ा रही हैं। जल्द वह एक फिल्म में नजर आएंगी।

डेलापीर इलाके में रहने वाले जारा के पिता बिट्टन अली एक पेट्रोल पंप के मैनेजर हैं। उनके चार बच्चों में जारा सबसे छोटी हैं। बिट्टन अली के अनुसार जारा को पांच साल की उम्र से ही डांस का शौक था। शहर के रोटरी क्लब दशहरा मेले समेत कई मंचों पर डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रही हैं। बेस्ट डांसर के कई अवार्ड भी जीते हैं। लैला ओ लैला..गाने पर उनका डांस अब भी यादगार है। फ्यूचर कॉलेज में हुए एक कार्यक्रम में जारा के इसी गाने पर डांस के दौरान कॉमेडी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में हप्पू सिंह दरोगा का किरदार निभाने वाले योगेश त्रिपाठी ने जारा की तारीफ की थी। जारा की कक्षा तीन तक की पढ़ाई हार्टमन स्कूल में हुई। उसी वक्त 'यूपी के सुपरस्टार की तलाश' चल रही थी। जारा ने पिता के साथ लखनऊ में ऑडिशन दिया। जज की भूमिका में अभिनेता योगेश त्रिपाठी थे, जिनसे उन्हें पहले ही शाबासी मिल चुकी थी। दूसरे जज 'भाभी जी घर पर हैं' में टिल्लू का किरदार निभाने वाले सलीम जैदी थे। ऑडिशन के दौरान जारा ने लैला ओ लैला गाने पर डांस किया तो वहां भी छा गईं। इसके बाद एक्टिंग का भी ऑडिशन दिया और सलेक्शन होने के साथ उन्हें हप्पू की उलटन पलटन में चमची का रोल मिल गया। जारा ने चमची के किरदार में ऐसी जान डाली कि दर्शकों के दिल में उतर गईं। बिट्टन अली के मुताबिक जारा इस वक्त वह मुंबई में अपनी मौसी के साथ रहती हैं जहां अदाकारी के साथ कक्षा नौ में पढ़ भी रही हैं। फोन पर हुई बातचीत में जारा ने बताया कि यहां तक पहुंचने का सफर कोई आसान नहीं है, तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मेरे लिए सबसे अच्छी बात है कि मुझे परिवार का पूरा सपोर्ट मिला। जारा ने बताया, सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक उनका स्कूल होता है। घर आने के बाद शाम को शूटिंग का शेड्यूल रहता है। शूटिंग पर जाते हुए किताबें साथ ले जाती हैं, जब भी मौका मिलता है तो पढ़ाई करती हैं। जारा ने बताया, जल्द वहएक फिल्म में आ रही हैं। दो बड़े विज्ञापन भी कर रही हैं। कुछ और बड़े प्रोजेक्ट हैं, उनसे जुड़ी हैं।

## शाहरुख की मां चाहती थीं दिलीप कुमार की तरह सफल हो बेटा

खानकाह-ए-नियाजिया के खानवादा मो. रजा राजी नियाजी कहते हैं कि खानकाह में इंसानियत की भलाई के लिए काम किया जाता है। यहां के बुजुर्ग खुले विचारों के हैं। जर्मन, कनाडा, अमेरिका समेत तमाम देशों के नुमाइंदे यहां आते रहते हैं। देश-दुनिया के लोगों का यहां से जुड़ाव है। इनमें फिल्मी हस्तियां और बड़े फनकार भी शामिल हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मां भी यहां की मुरीद थीं। वह चाहती थीं कि उनका बेटा दिलीप कुमार की तरह सफल हो और बड़े मुकाम पर पहुंचे।

## पारस अरोड़ा : पायलट बनना चाहते थे पर उड़ान भरी अभिनय की दुनिया में

- बरेली के जो लोग टेलीविजन और फिल्मों में चमके, उनमें एक नाम पारस अरोड़ा का भी है। पारस ने होश संभालने के बाद पायलट बनना चाहा था लेकिन उड़ान भरी अभिनय की दुनिया में। अब वे टेलीविजन के कामयाब चेहरों में शामिल हैं और फिल्मों में एक ऐसी भूमिका की तलाश में हैं जो बॉलीवुड में भी उन्हें पहचान दिला दे।

पारस का जन्म 10 जनवरी 1994 को एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शहर के हांडा पब्लिक स्कूल में ग्रहण की, स्कूल से निकलकर वह कॉलेज भी नहीं पहुंचे कि 2006 में टीवी धारावाहिक 'रावण' में उन्हें युवा राम की भूमिका के साथ ब्रेक मिल गया। इस भूमिका ने उनके लिए टेलीविजन के कई धारावाहिक में काम मिलने का रास्ता खोल दिया। 'रावण' के बाद उन्होंने 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका अदा की। इसके बाद 'वीर शिवाजी' में छत्रपति शिवाजी महाराज, 'महाभारत' में अभिमन्यु, और 'उड़ान सपनों की' में विवान राजवंशी की भूमिका निभाई। टीवी धारावाहिकों में काम करते हुए उन्हें कुछ फिल्मों में भी मौका मिला। इनमें प्रमुख रूप से 2009 में 'लेट्स डांस', 2013 में 'रज्जो' और 2018 में 'कप्तान नवाब' शामिल हैं।

## कृतिका कामरा : टेलीविजन में मिला मौका फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा

- कृतिका कामरा का नाम टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री के तौर पर जाना जाता है। बरेली में 25 अक्टूबर 1988 को पैदा हुई कृतिका के पिता रवि कामरा डेंटिस्ट हैं। हालांकि कृतिका के बचपन का ज्यादातर समय मध्यप्रदेश और दिल्ली में गुजरा। उनकी शुरुआती शिक्षा भी मध्यप्रदेश के अशोकनगर और दिल्ली में दिल्ली पब्लिक स्कूल में हुई। शुरुआती पढ़ाई के बाद उन्होंने उन्होंने नेशनल इंस्टिटयूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी दिल्ली में दाखिला लिया, मगर इसी दौरान उन्हें वर्ष 2007 में टीवी शो 'यहां के हम सिकंदर, में काम करने के मौका मिला जिसके बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी। टेलीविजन में शुरुआत के बाद कृतिका ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह 2009 में चर्चित टीवी शो 'कितनी मोहब्बत है' में आरोही के किरदार से लोकप्रिय हुईं। इसके बाद 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोर्टर्स', 'प्रेमियर पटरोल' जैसे कई शो में अभिनय किया। डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' और 'जरा नचके दिखा' में भी वह नजर आ चुकी हैं। कृतिका ने 2018 में फिल्म 'मित्रों' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसमें जैकी भगनानी उनके बतौर हीरो उनके साथ थे। इसके बाद उन्होंने वेब सीरीज 'तांडव', 'कौन बनेगा शेखावती', 'मुंबई मेरी जान', 'हश हश' जैसी वेब सीरीज में भी काम किया है।

## रति अग्निहोत्री : मॉडलिंग से तमिल फिल्मों और फिर बॉलीवुड तक का सफर

रति अग्निहोत्री वो नाम है जिसने बरेली की धरती पर जन्म लेने के बाद बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कामयाबी हासिल की। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को शहर के एक पंजाबी परिवार में हुआ था। मात्र 10 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने मॉडलिंग करियर शुरू किया, ठीक इसी समय उनके पिता रूपकिशन अग्निहोत्री और मां राधिका के साथ पूरा परिवार बरेली से मद्रास चला गया था, जहां 1979 में स्कूल के एक नाटक में भाग लेते हुए रति अग्निहोत्री पर दक्षिण के प्रसिद्ध निर्देशक भारती राजा की नजर पड़ी और उन्होंने उन्हें अपनी तमिल फिल्म 'पुथिया वार्पुकल' के लिए चुन लिया। रति ने इसके बाद मद्रास में ही रहते हुए करीब दो साल के भीतर तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा की लगभग 15 फिल्मों में काम किया और स्टारडम हासिल किया।

### एक दूजे के लिए' ने बॉलीवुड में बनाया सुपरहिट

हिंदी फिल्मों में रति अग्निहोत्री ने अपनी पहचान 1981 में आई 'एक दूजे के लिए' से कायम की। कमल हासन के साथ इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में सुपरहिट बना दिया, इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्म फेयर नामांकन भी मिला। रति अग्निहोत्री ने इसके बाद 'कुली', 'तवायफ', 'फर्ज और कानून', 'आप के साथ', 'हुकूमत', 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' जैसी कई और बड़ी फिल्मों में काम किया। रति का परिवार चूंकि उनके बचपन में ही बरेली से चला गया था और फिर कभी वापस नहीं लौटा, इसलिए उनके बारे में यहां के कम ही लोग जानते हैं।

## पाटनी ने पायलट बनना चाहा था मगर मॉडलिंग के शौक ने बदल दी दिशा

प्रियंका चोपड़ा के बाद दिशा पाटनी दूसरी शख्सियत हैं जिन्होंने बरेली से बॉलीवुड तक का सफर किया है और एक कामयाब अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। बरेली में ही 13 जून 1992 को जन्मी दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पाटनी पुलिस के अफसर थे जो अब रिटायर हो चुके हैं। उनका परिवार अब भी शहर के चौपुला चौराहे के पास रहता है। दिशा ने यहां बीबीएल स्कूल में शुरुआती पढ़ाई की जिसके बाद लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। बड़ी बहन खुशबू जो सेना में मेजर रही हैं, उन्हीं की तरह बचपन में दिशा का भी सपना वायु सेना का पायलट बनने का था, लेकिन कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही उन्हें मॉडलिंग करने का शौक लगा, 2013 में की गई मॉडलिंग की शुरुआत उन्हें फिल्मों में अभिनय की ओर ले गई। दिशा ने 2015 में तेलुगु फिल्म 'लोफर' से अभिनय की शुरुआत की, इसमें वे वरुण तेज के साथ नजर आई थीं।

### फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' ने दिशा को बॉलीवुड में किया स्थापित

तेलगू फिल्म 'लोफर' से शुरुआत करने के बाद अगले ही साल दिशा को 2016 में हिंदी फिल्म 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' में काम करने का ऑफर मिला। इसमें उन्हें धोनी की प्रेमिका प्रियंका झा का किरदार निभाना था, सुपर हिट हुई फिल्म की इस भूमिका ने उन्हें बड़ी पहचान दी। बॉलीवुड में इस फिल्म से डेब्यू करने के बाद दिशा को एक के बाद एक कई फिल्मों में काम मिला। 2017 में 'कुंग फू योगा', 2018 में 'बागी 2', 2019 में 'भारत', 'मलंग' और 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया जो हिट रहीं। दिशा ने अभिनय के साथ फिटनेस के लिए भी काफी पहचान बनाई। वह मॉडलिंग में भी बहुत सक्रिय रहीं और कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापन किए हैं। दिशा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्होंने मुंबई में केवल 500 रुपये लेकर शुरुआत की और कड़ी मेहनत कर बॉलीवुड में पहचान बनाई।

### मॉडलिंग के लिए छोड़ दी इंजीनियरिंग की पढ़ाई

दिशा ने मॉडलिंग उस वक्त शुरू की थी जब वे लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थीं। पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग के लिए लगातार अवसर मिलने शुरू हुए तो उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और मुंबई चली गईं ताकि मॉडलिंग के करियर में खुद को अच्छी तरह स्थापित कर सकें। दिशा के अनुसार, स्कूल के दिनों में उन्हें अपने लुक्स पर ज्यादा ध्यान नहीं था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को डेवलप करना शुरू किया। पिता जगदीश सिंह पाटनी और बहन खुशबू पाटनी ने उनका भरपूर साथ दिया। 2013 में ही दिशा ने 'पॉन्ड्स फेमिना मिस इंडिया' प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर पहली रनरअप का खिताब जीता, इसी के बाद उनका मॉडलिंग और अभिनय का सफर शुरू हुआ।

प्रस्तुति : रामराज मिश्रा

हर कोई मशहूर नहीं हो सकता, लेकिन हर कोई महान हो सकता है, क्योंकि महानता सद्कर्मों से तय होती है।
-मार्टिन लूथर किंग, सिविल राइट्स एक्टिविस्ट

## सार्थक संबोधन

अफ्रीका में सोवेटो टाउनशिप के पास जहां नेल्सन मंडेला का घर था, पहली बार आयोजित हो रहा जी-20 शिखर सम्मेलन ट्रंप के प्रखर विरोध के चलते ही नहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके दो सत्रों में दिए गए संबोधनों के कारण भी चर्चा में है। ये न केवल अत्यंत अर्थवान थे, बल्कि उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि आज भारत वैश्विक विमर्श को दिशा देने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री ने पुराने विकास मॉडल पर पुनर्विचार की जो अपील की वह अत्यंत दूरदर्शी और व्यावहारिक तथा समयोचित है। दशकों से चल रहे विकास के फार्मूले अत्यधिक खपत, संसाधनों के भीषण दोहन तथा प्रकृति के प्रति उदासीनता से भरे हैं, जिन्होंने वैश्विक असमानता बढ़ाई है। पुराने मॉडल के हिसाब से चलें तो विकसित देशों की आर्थिक वृद्धि अक्सर विकासशील दुनिया के संसाधनों की कीमत पर होती है। इस असंतुलित मॉडल को बदलना अनिवार्य है, क्योंकि वर्तमान संकट- जलवायु से लेकर खाद्य असुरक्षा तक सभी इसी विफल दर्शन का परिणाम हैं। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनाव, खाद्य-ऊर्जा असुरक्षा और जलवायु जोखिम पर भारत का दृष्टिकोण बहुत प्रभावी तरीके से रखा।

उल्लेखनीय बात यह कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधि उनकी वैश्विक विभाजन को पाटने और मल्टीलेटरलिज़्म को नया स्वरूप देने की आवश्यकता पर सहमत दिखे। उन्होंने माना कि भारत उभरती दुनिया और विकसित देशों के बीच एक भरोसेमंद सेतु की भूमिका निभा सकता है। मोदी द्वारा श्री अन्न यानी मोटे अनाज, जलवायु परिवर्तन, जी–20 सेटेलाइट डेटा पार्टनरशिप एवं डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पर जो बातें कहीं वह जी–20 के लिए अत्यंत समीचीन मुद्दे हैं। कृषि, स्वास्थ्य, और आपदा प्रबंधन विश्वभर में चुनौतीग्रस्त हैं। ऐसे में मोटा अनाज पोषण, खाद्य सुरक्षा और जलवायु-सहिष्णु कृषि मॉडल का वास्तविक विकल्प है। इसी प्रकार, आपदाओं के पूर्वानुमान और प्रबंधन में सेटेलाइट डेटा की साझेदारी ऐसी पहल है जो विकासशील देशों को तकनीकी निर्भरता से मुक्त कर देगी। मोदी ने वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार, ड्रग–टेरर नेक्सस के खिलाफ कार्रवाई और अफ्रीकी कौशल को बढ़ावा देने जैसी बातें उठाईं। पारंपरिक ज्ञान, विशेषकर भारत और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों का, आज सतत विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा में अत्यधिक उपयोगी हो सकता है। वहीं, ड्रग-टेरर नेटवर्क पर चोट करने से आतंकवाद की फंडिंग स्वतः कमजोर होती है, क्योंकि वैश्विक आतंकवाद का बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों की तस्करी पर निर्भर करता है। भारत ने पहली बार इस विषय को जी–20 जैसी आर्थिक मंच पर प्रमुखता से उठाकर इसकी सामरिक महत्ता को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल मुद्दों को उठाया, बल्कि समाधान-उन्मुख दृष्टि भी प्रस्तुत की। भारत ने यह संदेश दिया कि वह केवल एक उभरती शक्ति नहीं, बल्कि समाधान-प्रदाता देश है, इसलिए जी-20 में भारत की भूमिका को मजबूत, संतुलित और वैश्विक सहमति निर्माण में निर्णायक माना जाना चाहिए। अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद जी-20 के देशों के रुख से लगता है कि सम्मेलन के प्रतिफलन पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

### प्रसंगवश

## तेजस हादसा और मेक इन इंडिया की साख

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की जांच के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयर शो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था, परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया?

दुबई एयर शो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं, परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सेकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा, क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है।

दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है, हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरुआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थीं, लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

## लेबर रिफॉर्म कानून बन जाना ही काफी नहीं

अंजनी निगम
वरिष्ठ पत्रकार

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर से चार श्रम संहिताएं लागू करते हुए इसे भारत के कार्यबल के लिए नए युग का शुभारंभ बताया है। चार लेबर कोड को लागू करते ही पहले के 29 श्रम कानून खत्म हो गए हैं और उनकी जगह एक एकीकृत और सरल कानूनी ढांचा काम करेगा। सरकार का दावा है कि मजदूरी पर कोड (2019), इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड (2020), सोशल सिक्योरिटी पर कोड (2020) तथा ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस (OSHWC) कोड (2020) से भारत के लेबर गवर्नेंस को मॉडर्न बनाया जा सकेगा। सरकार ने इसे आत्मनिर्भर भारत के लिए रिफॉर्म बताया है, जैसा सितंबर के महीने में जीएसटी की नई दरें लागू करते समय कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ये कोड श्रमिक भाई-बहनों के लिए सामाजिक सुरक्षा, समय पर वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने इसे ऐतिहासिक फैसला बताते हुए कहा कि नया फ्रेमवर्क दशकों पुराने लेबर नियमों को आसान बनाएगा। इन कानूनों से भारत का लेबर इकोसिस्टम, दुनिया की सबसे अच्छी प्रैक्टिस करने वाला बनेगा। सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि यह बदलाव रोजगार पैदा करने में मदद करेगा।

इन कोड को लागू करने के साथ ही मोदी सरकार की सात गारंटी भी बताई गई हैं, जिन पर गौर करने की आवश्यकता है। इन गारंटियों में पहली गारंटी न्यूनतम और समय पर वेतन की है, लेकिन वास्तविकता इन कानूनों का अनुपालन कराने वाला विभाग अधिक जानता है। न्यूनतम वेतन को लेकर ही देश भर में लाखों मुकदमे श्रम विभाग से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक चल रहे हैं, जिनसे सरकार अनभिज्ञ नहीं है।

दूसरी गारंटी नियुक्ति पत्र देने की कही गई है, लेकिन जो कंपनियां आउट सोर्सिंग या ठेके पर तैनाती करती हैं, उन पर किस तरह से अंकुश लगाया जा सकेगा यह नहीं बताया गया है। वर्तमान ही नहीं पहले की सरकारें भी महिलाओं की समानता की बात करती रही हैं, लेकिन प्रश्न उठता है कि क्या आज भी महिलाओं को समानता मिल सकी है। श्रम विभाग का इंस्पेक्टर कैसे पता लगा सकेगा कि संस्थान महिला श्रमिकों को समान अवसर और समान वेतन दे रहे हैं। प्रथम तो महिला ही नहीं बहुत से पुरुष श्रमिक भी संस्था के रोल पर नहीं होते हैं, फिर उन्हें अपनी नौकरी जाने का डर सताता है, जिसके चलते वे शिकायत भी नहीं कर पाते हैं। जहां तक श्रम विभाग के निरीक्षण की बात है, तो वो लोग प्रबंधन के कमरे में जाकर जांच पूरी कर लेते हैं और कुछ श्रमिकों को प्रबंधक के सामने बुलाकर बयान भी ले लेते हैं।

सरकार ने चौथी गारंटी सामाजिक सुरक्षा बताई है, जो बिना नियुक्ति पत्र के लागू ही नहीं होती। सामाजिक सुरक्षा के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और कर्मचारी राज्य बीमा निगम जैसी संस्थाएं हैं, जिनके संगठित भ्रष्टाचार पिछले कुछ महीनों में उजागर हो चुके हैं कि किस तरह ये विभाग मालिकों से मिल कर कर्मचारियों के अधिकारों पर कुल्हाड़ी चला रहे थे।

पांचवीं गारंटी में कहा गया है कि निश्चित अवधि की एक वर्ष की नौकरी के बाद ग्रेच्युटी दी जाएगी। इस नियम के बनते ही अब कंपनियां दो या तीन वर्ष का कांट्रैक्ट करने के बजाए 11 महीने का ही करेंगे, ताकि ग्रेच्युटी देने की नौबत ही न आने पाए। कंपनियों ने दो या तीन वर्ष भी इसीलिए किया था, क्योंकि तब ग्रेच्युटी का नियम पांच वर्ष की नौकरी का था। मोदी सरकार की छठी गारंटी निशुल्क स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करने के संबंध में है, जो कभी नहीं होती है। बहुत कम कंपनियां ही अपने कर्मचारियों का ग्रुप इंश्योरेंस कराती हैं और पैसा देकर डॉक्टरों की टीम बुलाकर जांच कराना शायद उनकी डिक्शनरी में ही नहीं है।

सातवीं और अंतिम गारंटी जोखिम भरे कामों में 100% स्वास्थ्य सुरक्षा देने की है। असंठित क्षेत्र में लाखों मज़दूर ऐसी स्थितियों में काम करते हैं और कुछ अनहोनी होने पर संस्था पल्ला झाड़ने की कोशिश करती है, परिजनों को मुआवजा पाने को धरना-प्रदर्शन करना पड़ता है।

श्रमिक संगठनों ने इसके लागू होने के साथ ही यह कह कर विरोध करना शुरू कर दिया है कि सरकार इन चार लेबर कोड के जरिए मजदूर वर्ग को कमजोर और असंगठित बना कर उनके संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। इतना ही नहीं केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के फेडरेशन ने 26 नवंबर को राष्ट्रीय स्तर पर 'विरोध दिवस' मनाने की घोषणा की है। श्रम संघों का मानना है कि ये कोड वास्तव में कारपोरेट सेक्टर के हितों का ध्यान रखते हुए बनाए गए हैं, 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' के नाम पर श्रमिकों पर आधुनिक गुलामी थोपने की कोशिश की जा रही है, इन नियमों से कर्मचारियों को कांट्रैक्ट और असंगठित ढांचे की तरफ धकेला जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

श्रम संगठनों का विरोध कुछ हद तक गलत भी नहीं लगता, क्योंकि उनका कहना है इसमें छंटनी से संबंधित प्रावधान अस्पष्ट हैं, जिसका लाभ लेते हुए सेवायोजक छंटनी करेंगे। सभी जानते हैं बीते साल भर में कई बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में विभिन्न कारणों से बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की गई है। छंटनी के साथ ही बंदी या लेऑफ के लिए अनिवार्य सरकारी अनुमति की सीमा बढ़ा दी गई है। जहां पहले 100 या अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को सरकार से अनुमति लेनी होती थी, वहीं अब इस सीमा को बढ़ा कर 300 श्रमिक कर दिया गया है। इतना ही नहीं कारखानों में काम का समय नौ घंटे से बढ़ा कर 12 घंटे कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए आम जनता से भी आह्वान किया है कि वे सरकार की इन नीतियों के खिलाफ व्यापक एकजुटता दिखाते हुए 26 नवंबर को होने वाले विरोध में शामिल हों।

> कानून बना देना एक काम है और उसे लागू करना दूसरा। लेबर रिफार्म कानून के कई नियम अच्छे हैं। अहम यह है कि इसे लागू कैसे किया जाएगा! दूसरी तरफ इसके कई प्राविधानों का विरोध भी शुरू हो गया है।

### आमने

दुनिया के कई बड़े शहरों में मुसलमान मेयर बन सकते हैं, मगर भारत में किसी मुसलमान को विश्वविद्यालय का कुलपति बनने का मौका नहीं मिलता। कोई ऐसा करने की कोशिश करता है, तो उसे आज़म खान जैसी सज़ा भुगतनी पड़ती है। **-मौलाना अरशद मदनी**
अध्यक्ष
जमीयत उलेमा-ए-हिंद

### सामने

हमारे यहां के मुसलमान कई शहरों में मेयर बने हैं। भारत का मुसलमान राष्ट्रपति बन सकता है। मुख्य न्यायाधीश बन सकता है। क्रिकेट-हॉकी टीम का कप्तान बन सकता है। वायुसेना का प्रमुख बन सकता है। फिर भी मौलाना अरशद मदनी इस तरह के बयान दे रहे हैं।
**-शाहनवाज हुसैन**
भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

## जी-20: समावेशी व न्यायपूर्ण समाज की ओर दुनिया

अरविंद जयतिलक
लेखक

जटिल वैश्विक रणनीतिक-सामरिक गोलबंदी और दांव-पेचों के बीच दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 देशों का 20वां शिखर सम्मेलन समावेशी आर्थिक विकास, जलवायु, लचीलापन, स्वास्थ्य, आतंकवाद, सुरक्षित आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर केंद्रित रहा। इस सम्मेलन की थीम रही 'एकजुटता, समानता और स्थिरता'। सम्मेलन के तीन मुख्य सत्रों में 'समावेशी और स्थिर आर्थिक विकास', 'एक मजबूत दुनिया में जी-20 का योगदान' और 'सभी के लिए एक सही और न्यायपूर्ण भविष्य' पर चर्चा हुई। यह सम्मेलन सिर्फ इस मायने में ही महत्वपूर्ण नहीं है कि इसका आयोजन अफ्रीकी महाद्वीप में पहली बार हुआ है। बल्कि इस मायने में भी महत्वपूर्ण रही कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के जरिए असहमतियों और खींचतान के बावजूद भी वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करना कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। इस दृष्टि से यह सम्मेलन खरा उतरा है।

सम्मेलन के कुल 122 पैराग्राफ वाले दृष्टिकोण में यह साफ देखने को भी मिला है कि टकराव के बजाय सहमति पर मुहर लगी है, जो कि इस सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि है। गौर करें तो सम्मेलन के दृष्टिकोण में मानवीय त्रासदी के लिए जिम्मेदार सुपर शक्तियों को उनकी कारगुजारियों पर परोक्ष रुप से कटाक्ष करते हुए अस्थिर होते वैश्विक अर्थव्यवस्था और संतुलन को लेकर गहरी चिंता जताई गई है। साथ ही इसके समाधान पर भी जोर दिया गया है। दुनिया के जिम्मेदार ताकतवर देशों से अपील की गई कि वे अपने उत्तरदायित्वों का भली-भांति निर्वहन करते हुए यूएन चार्टर के तहत क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करें। देखा भी जा रहा है कि दुनिया के तमाम देश युद्ध में उलझे हैं और परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ता जा रहा है।

सम्मेलन के दृष्टिकोण पर नजर दौडाएं तो निम्न आय वाले देशों की गरीबी और असमानता पर विशेष फोकस करते हुए उससे निपटने पर जोर दिया गया है। विशेष रूप से अफ्रीकी महाद्वीप में पसरी गरीबी और भुखमरी से निपटने, आर्थिक असमानता दूर करने और बुनियादी जरूरतें पूरा करने पर बल दिया गया है। कहा गया है कि 600 मिलियन अफ्रीकी लोगों तक बिजली की पहुंच नहीं है। सम्मेलन बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि जी-20 और दुनिया के समर्थ देश अफ्रीकी महाद्वीप के पिछड़े देशों की आर्थिक सेहत सुधारने के लिए कदम आगे बढ़ाएंगे।

सम्मेलन के दृटिकोण के जरिए विकासशील देशों के बिगड़ते हालात की ओर भी ध्यान खींचा गया है। इसमें कहा गया है कि घर में भोजन पकाने के ईंधन की कमी से तकरीबन दो मिलियन अफ्रीकी हर वर्ष जान गंवाते हैं। खाद्य सुरक्षा की जरूरतों को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि 2024 में दुनिया के 720 मिलियन लोग भूख से जूझ रहे हैं। इसी तरह तकरीबन 2.6 बिलियन लोगों का संतुलित पोषक भोजन तक पहुंच नहीं है। गौर करें तो यह स्थिति एक स्वस्थ और समृद्ध विश्व के लिए ठीक नहीं है। अगर जी-20 के देश इस भीषण समस्या के समाधान में अपना सकारात्मक योगदान देते हैं तो ठीक है, वरना हालात पहले से भी बदतर होंगे। ऐसा इसलिए कि खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (एसओएफआई) रिपोर्ट-2025 बताती है कि वर्ष 2024 में 63.8 करोड़ से 72 करोड़ लोग जो वैश्विक जनसंख्या का क्रमशः 7.8 और 8.8 प्रतिशत है, भूख का सामना करेंगे।

गौर करें तो संयुक्त राष्ट्र की 2024 की ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट भी बताती है कि दुनिया के 36 देशों में भूख का स्तर बेहद गंभीर है। इस नाते विश्व स्तर पर 2025 तक 673 मिलियन लोग भूख का अनुभव करेंगे, जो कि कुल जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत है। विडंबना यह कि एक ओर करोड़ों लोग भूख और कुपोषण से दम तोड़ रहे हैं, वहीं विश्व में हर साल लगभग 1.05 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है। यह कुल खाद्य उत्पादन का तकरीबन 19 प्रतिशत है। इसका मतलब यह हुआ कि दुनिया भर में हर दिन लगभग एक अरब से ज्यादा थालियां बर्बाद होती हैं।

अगर जी-20 के देश बर्बाद किए जा रहे अन्न को बचाने का रोडमैप तैयार करते हैं, तो निःसंदेह मानवता का कल्याण होगा। इसे ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुंबकम' (एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य) के अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी वैचारिक मानवीय सोच और दृढ़ता के लिए जाने जाते हैं। उसकी बानगी इस शिखर सम्मेलन में भी देखने को मिली। उन्होंने वैश्विक विकास के उद्देश्य से चार नई पहलों का प्रस्ताव रखा। यह पहल है- वैश्विक ज्ञान भंडार की स्थापना, अफ्रीका कौशल गुणक पहल, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम और ड्रग-टेरर नेक्सस का मुकाबला करने की पहल। उन्होंने जी-20 देशों से आग्रह किया कि वे समावेशी और सतत विकास पर जोर दें, ताकि सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। उन्होंने भारतीय मूल्यों और सभ्यागत संस्कारों को दुनिया के लिए मार्गदर्शक, कल्याणकारी और प्रेरणादायक कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि जी-20 वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण करेगा, जो कि टिकाऊ जीवन के समय-परिक्षणित मॉडल को प्रदर्शित करता है।

> दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के जरिए असहमतियों और खींचतान के बावजूद भी वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करना कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। इस दृष्टि से जी–20 सम्मेलन खरा उतरा है।

### सोशल फोरम

## आखिर कैसे दिखते थे महात्मा बुद्ध!

यूं तो बुद्ध की मूर्तियां आज दुनिया भर में हैं। यह ऐसी मूर्ति है, जो नास्तिकों के घर में भी मिल जाएंगी। नास्तिकों के देश नीदरलैंड के वेश्यालयों में बुद्ध की मूर्ति का जिक्र है, लेकिन ये छवियां बुद्ध के कितने करीब रही होंगी? जहां अन्य कई श्रमण बाल लंबे बढ़ा कर रखते थे, बुद्ध ने अपने बाल बहुत पहले ही मुंडवा लिए थे। अक्सर ऐसा करने वाले श्रमण बालों को खींच-खींच कर जड़ से उखाड़ लेते थे, लेकिन बुद्ध की पोटली में सुई-धागे के साथ एक धारदार चाकू का जिक्र आता है। संभव है कि इससे वह अपने सर को नियमित उस्तरा लगा कर रखते हों।

प्रवीण झा
लेखक

बुद्ध के वर्णनों में गोल चेहरा, मुंडा सर, पैनी आंखें, दुबला-पतला किंतु मजबूत शरीर, आकर्षक छवि और स्पष्ट वाणी दिखती है। हालांकि धूप में भटक-भटक कर उनका रंग समय के साथ सांवला पड़ गया और अन्य मनुष्यों की तरह उनका भी बुढ़ापा आया। उनके शिष्य और चचेरे भाई आनंद ने उनके विषय में लिखा है, 'उनके चेहरे में अब वह चमक नहीं रही। उस पर झुर्रियां आ गई हैं। हाथ-पैर झूल से गए हैं और रीढ़ सीधी नहीं रही।'

बुद्ध की सबसे विस्तृत छवि एक ब्राह्मण उत्तरा के शब्दों में मिलती है, जिनके गुरु ने उनके पास यह देखने भेजा था कि पता करिए, यह वाकई परम ज्ञानी हैं या नहीं। उन्होंने लौट कर बताया कि एक महापुरुष में जो बत्तीस भौतिक चिन्ह दिखने चाहिए, वह सभी उनके शरीर में दिखते हैं। उनके भोजन करने के विषय में उत्तरा कहते हैं, 'वह जब चावल खाते हैं, तो कटोरे को न ऊपर उठाते हैं, न नीचे रखते हैं, न ही अपनी तरफ झुकाते हैं। न बहुत अधिक खाते हैं, न बहुत कम। वह उसमें उतना ही रस डालते हैं कि उचित कौर बन जाए। वह इसे ठीक से चबा कर निगलते हैं। वह स्वाद लेकर खाते हैं, किंतु इस स्वाद का मोह नहीं रखते।'

बत्तीस भौतिक चिह्नों में लंबे कान, उंगलियों के मध्य कम स्थान, गज के समान मस्तक आदि वर्णित हैं। हालांकि कुछ वर्णनों में ऐसी अतिशयोक्ति नहीं मिलती और बुद्ध को देखने वाले उन्हें सामान्य पुरुषों जैसा ही बताते हैं, लेकिन उनके चेहरे में एक आकर्षक शांति दिखती है। इतना तो कयास लगाया जा सकता है कि बुद्ध की वाणी ऐसी होगी कि लोग उन्हें सुनने बैठ जाएं।

**- फेसबुक वाल से**

### सामयिकी

## मुस्लिम समाज का सेकुलर दलों से दरकता रिश्ता

मुस्लिम समाज और धर्मनिरपेक्ष दलों का प्यार और विश्वास का रिश्ता रहा है, किंतु इधर ये दल राजनीतिक हवा की मजबूरी में अल्पसंख्यकों को अपना फिक्स वोट मानकर इन्हें नजरअंदाज करने लगे और दलितों व बहुसंख्यक समाज को रिझाने की ज्यादा कोशिश करने लगे हैं। इस बात से नाखुश अकलियत एआईएमआईएम की तरफ रुख करने लगा है, ताकि उसके विश्वास के पारंपरिक दल डरें, घबराएं और अपने प्यार और विश्वास पर पुनः तवज्जो दें।

बिहार के पिछले दो विधानसभा चुनावों में ऐसा ही हुआ। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल को नजरंदाज कर मुसलमानों ने औवेसी की झोली में पांच सीटें डाल दीं, अन्य कई सीटों पर महागठबंधन और एआईएमआईएम में अकलियत के वोटों का बंटवारा हुआ और एनडीए को इसका सीधा लाभ मिला। दरअसल बिहार में महागठबंधन की हार के तमाम कारणों में मुस्लिम समाज की नाराजगी और इनके वोटों का बिखराव भी था।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

औवेसी महागठबंधन में आना चाहते थे और उन्होंने साफ कहा था कि उनकी पार्टी वोट कटवा या भाजपा की बी टीम के इल्ज़ाम से बरी होना चाहती है, इसलिए एआईएमआईएम गठबंधन के शीर्ष नेताओं के दरवाजे पर जाकर केवल छह सीटों की गुजारिश की थी, जबकि बिहार में पिछले चुनाव में एआईएमआईएम पांच सीट जीती थी। ओवैसी की इतनी गुजारिश और सफाई देने के बाद भी तेजस्वी यादव ने उन्हें एक भी सीट नहीं दी और कड़वे शब्द इस्तेमाल किए, ये बात मुस्लिम समाज को नागवार गुजरी।

मसला ये है कि मुसलमान चाहता है कि उनका समाज एकजुट होकर धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए जिन दलों का समर्थन करता रहा है, वो दल खुल कर मुस्लिम समाज के मुद्दों को उठाएं। टिकट, संगठन, सियासत और हुकुमत में पर्याप्त हिस्सेदारी मिले, लेकिन मुसलमानों के वोट लेने वाले दल भाजपा द्वारा लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों और ध्रुवीकरण के प्रयासों के हथियार कुंद करने के लिए मुसलमान शब्द से भी बचने लगे हैं। सियासी मजबूरी इस क़द्र हावी हो गई है कि समाजवादी पार्टी के पीडीए में मुस्लिम के बजाए अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

देश की आजादी और लोकतांत्रिक व्यवस्था के बाद से अधिकांश कालखंडों में मुस्लिम समाज धर्मनिरपेक्ष दलों के समर्थन में आगे रहा है। समय-समय पर सपा और कांग्रेस जैसे दलों की तरफ अकलियत का झुकाव बढ़ा। मुस्लिम समाज इन दलों का सबसे बड़ा वोट बैंक बन गया। पिछले करीब दस-ग्यारह बरस से भाजपा ने ये माहौल जमा दिया कि सपा-कांग्रेस जैसे दल मुस्लिम तुष्टिकरण में अव्वल हैं। इनकी सत्ता में हिंदुओं को नजरंदाज किया जाता है। उनकी सरकारों में सनातनी सुरक्षित नहीं रहते।

अस्सी-बीस के खेल में ध्रुवीकरण भाजपा को खूब रास आया। तुष्टिकरण जैसे सबसे अधिक आरोप सह रही अखिलेश यादव की नई सपा ने मुस्लिम मामलात और मुद्दों से थोड़ी दूरी बना ली। यदि दो घटनाओं में कहीं दलित के साथ अन्याय हुआ और कहीं मुसलमान के साथ तो अखिलेश यादव ने दलित अन्याय मुद्दे को तो खूब उठाया पर मुस्लिम मामले में वो अधिक मुखर नहीं हुए। अखिलेश यादव की ऐसी राजनीतिक मजबूरी को समझते हुए बिहार में राजद मुखिया तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसा ही किया। दो राज्यों में नजरअंदाज किए जा रहे अल्पसंख्यक वर्ग ने झटका देते हुए एआईएमआईएम में दिलचस्पी दिखाई। ये झटका बिहार में महागठबंधन को करारी हार की तरफ ले गया। ये तस्वीर अब सपा मुखिया अखिलेश यादव को सताने लगी है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

कारें हमेशा से ही सिर्फ सफर का जरिया नहीं रही हैं, बल्कि समाज में स्टेटस सिंबल और पर्सनैलिटी का आईना भी रही हैं, लेकिन जब कार को सिर्फ ड्राइव करने भर का साधन न मानकर उसे अपनी जरूरत और लाइफस्टाइल के हिसाब से ढालने की चाहत जगी, तभी कस्टमाइजेशन की दुनिया का जन्म हुआ। कार निर्माताओं या शोरूम के साथ शुरू हुआ यह सिलसिला जहां सामान्य ग्राहक के लिए एसेसरीज के नाम पर एक बड़ा बाजार बन चुका है, वहीं अमीरों और सेलिब्रेटीज के लिए उनके शौक और शख्सियत की पहचान का हिस्सा है। आज कारों का कस्टमाइजेशन चाहत और पसंद से आगे बढ़कर पर्सनल ब्रांडिंग का प्रतीक जैसा बन चुका है। ऐसे में कस्टमाइजेशन के इस दौर में यह कहना गलत नहीं होगा कि 'कार वही, पर पहचान सिर्फ आपकी।' जाहिर है, जो कार कल तक सिर्फ सफर का साधन थी, आज वह आपकी पहचान और पर्सनैलिटी का हिस्सा है। कस्टमाइजेशन अब लग्जरी नहीं, बल्कि पर्सनल ब्रांडिंग है। इलेक्ट्रिक कारों और सस्टेनेबल मटेरियल के साथ इसका अब नया दौर शुरू हो चुका है। एआई बेस्ड इंफोटेनमेंट और स्मार्ट सेफ्टी फीचर्स जल्दी ही कार को पर्सनल स्पेस तथा टेक्नोलॉजी का कॉम्बो बना देंगे। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर*

# जब कार बन जाए आपकी खास पहचान

## सोने-चांदी की फिटिंग से लेकर हाथी दांत की सजावट तक

20 वीं सदी की शुरुआत में जब यूरोप और अमेरिका में कारें अमीरों का खिलौना मानी जाती थीं, तभी से रईस लोग इन्हें अपनी पसंद और सुविधा के मुताबिक बदलवाने लगे थे। 1920-30 के दशक में रॉल्स-रॉयस, बेंटले और कैडिलैक जैसी कंपनियों के लिए 'कोच बिल्डिंग' का दौर चला, इसमें कार की बॉडी और इंटीरियर ग्राहकों की पसंद से तैयार किए जाते थे। बात भारत की करें, तो यहां पर कस्टमाइजेशन का ट्रेंड शाही रियासतों से शुरू हुआ। अनेक राजा-महाराजाओं ने अपनी कारों को सोने-चांदी की फिटिंग, हाथी दांत की सजावट और यहां तक कि हथियार रखने की जगह तक के साथ बनवाया। किसी ने उसे शानदार बग्घी का स्वरूप दिया, तो किसी ने शाही सवारी जैसा बनवाया। जहां तक दुनिया की बेहतरीन कस्टमाइज्ड कार की बात है, तो सबसे ऊपर रॉल्स-रॉयस स्वेप्टेल का नाम आता है। यह अब तक की सबसे महंगी कस्टमाइज्ड कार गिनी जाती है, जिसे करीब 96 करोड़ रुपये खर्च करके एक अनाम अरबपति ने अपनी लग्जरी यॉट से इंस्पायर्ड डिजाइन कराया था।

### कस्टमाइजेशन के फायदे

- कार कस्टमाइजेशन से आपकी गाड़ी को एक आकर्षक तथा अनोखी पहचान मिलती है।
- यह व्यक्तिगत शैली और पसंद को दर्शाने का एक तरीका भी है।
- कस्टमाइजेशन से कार के प्रदर्शन और खूबसूरती में सुधार किया जा सकता है।
- इससे कार को एक नया लुक और लोग मुड़कर देखने के लिए बाध्य होते हैं।

### कस्टमाइज्ड कार की औसत लागत

- बेसिक मॉडिफिकेशन 2 से 5 लाख रुपये में कराया जा सकता है। इसमें अलॉय व्हील्स, बॉडी किट, सीट कवर, लाइटिंग जैसी चीजें शामिल रहती हैं।
- प्रीमियम कस्टमाइजेशन कराने पर खर्च 10 से 30 लाख रुपये तक हो सकता है। इसमें नया इंटीरियर, कस्टम पेंट, एंटरटेनमेंट सिस्टम, लग्जरी सीटिंग जैसे बदलाव किए जा सकते हैं।
- हाई एंड कस्टमाइजेशन कराने पर खर्च बढ़कर 50 लाख से 5 करोड़ तक पहुंच सकता है। इस तरह के बदलाव में बुलेटप्रूफिंग, एआई-इंटिग्रेटेड डैशबोर्ड, होम-थिएटर जैसी टेक्नोलॉजी, पूरी तरह नया बॉडी डिजाइन जैसी चीजों का चुनाव किया जाता है।

### कस्टम कारों के हॉट फीचर्स

- 360 डिग्री रोटेटिंग रिक्लाइनर सीटें
- होम थिएटर तथा गेमिंग सेटअप
- मिनी फ्रिज और काफी मशीन
- स्मार्ट लाइटिंग व एआई असिस्टेंट
- कार्बन-फाइबर बॉडी किट
- इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड कन्वर्जन

### सबसे महंगी कस्टमाइज कार है पूनावाला के पास

भारत की सबसे महंगी कस्टमाइज कार के मामले में योहान पूनावाला की रोल्स-रॉयस फैंटम VIII EWB (Bohemian Red) को गिना जाता है, जिसकी कीमत 22 करोड़ से ज्यादा है। इसमें सॉलिड गोल्ड स्पिरिट ऑफ एक्स्टसी और इल्युमिनेटेड फ्रंट ग्रिल जैसे विशेष कस्टमाइजेशन किए गए हैं। देश की महंगी कस्टमाइज कारों में नीता अंबानी की रोल्स-रॉयस फैंटम VIII EWB (Rose Quartz) और मुकेश अंबानी की बुलेटप्रूफ रोल्स-रॉयस कलिनन भी शामिल हैं। इनके अलावा फिल्म अभिनेता शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह ने भी अपनी कारों को अपनी पसंद के मुताबिक कस्टमाइज्ड कराने पर बड़ी रकम खर्च की है।

## सितारों के लिए पर्सनालिटी सिग्नेचर जैसी उनकी गाड़ियां

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी हार्दिक पांड्या ने बीते दिनों अपनी सुपर एसयूवी लैंबोर्गिनी का मेकओवर करके चर्चा पाई थी। उन्होंने गाड़ी के चमकीले पीले रंग को बोल्ड मेटलिक ग्रे रंग में बदलने के साथ व्हील्स में भी मनपसंद बदलाव कराकर स्मार्ट लुक दिया है। पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी लैंबोर्गिनी उरुस को इंडियन टीम की जर्सी के रंग से मेल खाते ब्लू इलियोस रंग में कस्टमाइज कराया था। इसी तरह बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ तो अपनी अनूठी पर्सनैलिटी और कार कलेक्शन के लिए जाने जाते हैं। इसी साल की शुरुआत में उन्होंने मेटैलिक ग्रे शेड में कस्टम-बिल्ट टोयटा हिलक्स खरीदी थी। यह एक ऑफ रोडिंग पिकअप ट्रक है। इसमें आफ्टर मार्केट अलॉय व्हील्स और एलईडी लाइट्स लगाई गई हैं। इन कस्टमाइजेशन ने इस पिकअप ट्रक को और स्टाइलिश तथा ऑफ-रोडिंग के लिए सक्षम बना दिया। अभिनेता जॉन अब्राहम भी कस्टमाइजेशन के दीवाने हैं। उनके पास एक कस्टमाइज्ड ऑडी क्यू-7 और मारुति जिप्सी है, जिसे उन्होंने पसंद के अनुसार मॉडिफाई कराया था। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने कस्टमाइज्ड रोल्स-रॉयस खरीदी थी। दीपिका पादुकोण ने भी अपनी पसंदीदा कारों मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस 600 और ऑडी क्यू -8 को अपनी पसंद के अनुसार कस्टमाइज करा रखा है।

## कारों का हुलिया बदलने का हुनर रखने वाले प्रमुख शिल्पकार

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कार डिजाइनरों में जियोर्जेटो गिउगिआरो का नाम आता है, जिन्हें 'सदी के कार डिजाइनर' के रूप में चुना गया था। उनके अलावा मार्सेलो गैंडिनी, जिन्होंने लैंबोर्गिनी जैसी सुपरकारों के लिए पहचानी जाने वाली कई प्रतिष्ठित डिजाइन बनाई हैं तथा बतिस्ता फरीना जिन्होंने फेरारी के लिए कई क्लासिक डिजाइन बनाए हैं, के नाम आते हैं। भारत में डीसी डिजायन या दिलीप छाबारिया डिजाइन स्टूडियो को कार कस्टमाइजेशन की कला को नए मुकाम पर पहुंचाने का श्रेय जाता है। उनकी बनाई कारें जैसे कस्टमाइज्ड टोयोटा इनोवा, बुलेटप्रूफ एसयूवी और फिल्मी सितारों के लिए डिजाइन की गई लिमोजीन लोगों के बीच आइकॉनिक बनीं। फिल्म 'टार्जन की द वंडर' कार का डिजाइन उन्होंने ही किया था। उनके बाद आकांक्षा सेठी का नाम लिया जाता है। देश में कई बुटीक ऑटो स्टूडियो भी डिमांड कस्टमाइजेशन के काम को आगे बढ़ा रहे हैं। इनमें दिल्ली में ऑटोसाई, गुरुग्राम में बिग डैडी, मुंबई में रीवैम्प मोटर्स जैसे नाम शामिल हैं।

## मॉय फर्स्ट राइड

# जुनून हो जब तो मुमकिन है सब

मैं अपने पापा और भाई को गाड़ी चलाते देखती, तो मेरे मन में भी आता कि मैं भी अन्य लोगों की तरह गाड़ी चलाते हुए फर्राटा भरूं। पापा से तो गाड़ी सीखने की बात कहने की यह सोचकर ही डर लगता था, कहीं पापा यह न कह दें कि शादी के बाद वहां जाकर गाड़ी सीखना, खूब चलाना। यहां रहकर गाड़ी चलाने की तो छोड़ो सीखने की बात भी न सोचना। परंतु मेरे मन में तो गाड़ी सीखने का जुनून सवार था। सो मैंने अपने भाई को मनाया कि वह मुझे गाड़ी चलाना सिखाए, पर भाई भी पापा से डरता था। उसने पहले तो मनाकर दिया, लेकिन बहुत समझाने पर इस शर्त पर मान गया कि जब पापा कहीं बाहर गए, होंगे तभी सिखाऊंगा। एक बार पापा कुछ दिनों के लिए कहीं बाहर गए, तब मैंने भाई से गाड़ी सीखने की बात कही। भाई मुझे कार में बैठाकर एक खुले सुनसान मैदान पर ले गया। मुझे बताया कि चाबी लगाकर पहले गाड़ी स्टार्ट करो, फिर क्लच दबाकर गेयर बदलो पहले गेयर पर धीरे-धीरे बढ़ना फिर दूसरा, तीसरा, टॉप गेयर लगाना है। मैंने भाई के बताए अनुसार गाड़ी स्टार्ट कर पहले गेयर में गाड़ी को धीरे से बढ़ाया। फिर अचानक पता नहीं कैसे एक्सीलेटर तेजी से दब गया। एक्सीलेटर दबते ही एकदम से गाड़ी भाग निकली।

हमारे तो हाथ-पैर फूल गए, परंतु मैदान बड़ा होने के चलते गाड़ी बाउंड्री में लड़ती इसके पहले ही भाई ने गाड़ी को स्वयं अपने हाथ में लेकर रोककर मुझे यह कहकर जमकर डांट लगाई कि अगर गाड़ी बाउंड्री में लड़ जाती और तुम्हें चोट लग जाती, तो पापा दोनों लोगों की हालत खराब कर देते। मैं डरी-सहमी भाई की डांट सहती रही। भाई ने कहा अब हम तुम्हें कभी कार चलाना नहीं सिखाएंगे। मुझे तो गाड़ी सीखने का जुनून सवार था। गाड़ी खड़ी कर हम भाई-बहन थोड़ी देर मैदान में घूमें। फिर मैंने हिम्मत करके कहा भाई मुझे एक मौका और दो अबकी पिछली गलती नहीं होगी। भाई ने जमकर डांट लगाते हुए स्पष्ट शब्दों में मनाकर दिया। मैं रुंआसी हो गई। मेरा उतरा चेहरा देखकर भाई ने बड़ी हिम्मत कर मुझे पुनः गाड़ी चलाने को दिया। इस बार मैंने गाड़ी स्टार्ट कर क्लच दबाकर पहला गेयर डाला और धीरे-धीरे कुछ दूर तक गाड़ी को चलाया भी।

कुछ हिम्मत बढ़ी, तो मैंने गाड़ी को धीरे से घुमाया भी। फिर भाई ने मुझे बैक गियर में गाड़ी चलाने को कहा। उसमें भी मैंने धीरे-धीरे चलाया। पहले दिन तो इतना ही हुआ, पर जैसे हिम्मत से गाड़ी चलाई उससे उस दिन मैं बहुत ही खुश थी। दूसरे दिन फिर उसी तरह पहले गेयर में धीरे-धीरे गाड़ी आगे को चलाई और फिर बैक गेयर में धीरे-धीरे पीछे की ओर गाड़ी चलाई। कुछ दिनों तक तो कुछ दूर लगभग आधा, एक किलोमीटर तक ही गाड़ी चलाई। धीरे-धीरे मेरी दूरी बढ़ाती गई। पापा का डर तो हमेशा हम दोनों को लगा रहता था। पापा के न चाहते हुए भी चुपके-चुपके मैं गाड़ी चलाती थी। एक दिन मैंने सोचा पापा पूरे दिन के लिए बाहर गए हुए हैं, तब तक मैं कुछ देर गाड़ी चलाकर और हाथ साफ कर लूं। अभी मैं गाड़ी लेकर घर से कुछ दूर तक ही गई थी कि सामने से पापा आ गए। शायद घर में कुछ अपना सामान भूल गए थे। उन्होंने मुझे गाड़ी चलाते देखा वह भी अकेले। मेरा तो खून ही सूख गया। पापा ने कहा गाड़ी से उतरो। पापा ने डांट लगाते हुए कहा यह बताओ कि तुमने यह गाड़ी कब और कहां चलानी सीखी? भाई से, कहकर मैंने पापा को सब सच-सच बता दिया। मुझे डर था यह सच मेरे साथ-साथ मेरे भाई के लिए मुसीबत बनकर आने वाला है। पापा ड्राइविंग सीट के बगल वाली सीट पर बैठकर बोले गाड़ी चलाकर घर ले चलो। मैं पापा को बैठाकर डरते हुए, लेकिन बड़े ही सधे हाथों से गाड़ी चलाकर गाड़ी को घर तक लेकर आ गई। घर आते ही पापा ने हमारे साथ-साथ भाई की व मां को वह डांट पिलाई कि सबकी हालत खराब हो गई। थोड़ी देर बाद पापा को गुस्सा जब थोड़ा शांत हुआ, तो मैं पापा के लिए गिलास में पानी लेकर पहुंची। पापा ने गिलास मेरे हाथ से लेकर जमीन पर रख दिया और मुझे गले लगाकर रोने लगे। पापा को रोता देख मेरे भी आंखों से आंसू निकल आए।

पापा ने कहा बेटा कौन बाप ऐसा है, जो अपनी बेटी की उन्नति नहीं देखना चाहता। बेटी एक बाप की भी स्थिति को समझने की कोशिश करो। मुझे हमेशा डर लगा रहता था कि गाड़ी सीखते वक्त हमारी बेटी को कहीं चोट लग गई और वह चोट हमारी बेटी की शादी में रोड़ा बन गई, तो हम तो जीते जी मर जाएंगे। बस यही डर मुझे तुम्हें गाड़ी सीखने से रोकता था। आज मेरी बेटी गाड़ी चलाकर जब मुझे घर लेकर आई, तो मेरी खुशी का ठिकाना न रहा। तुम सबको तो मैं नकली डांट पिला रहा था। वह दिन मेरी जिंदगी का सबसे सुखद दिन था, जब पापा ने डांट पिलाने के बाद प्रसन्नता में रोए और मुझे भी रुलाया। इस तरह मैं अपने जुनून से अपने पापा की नालायक बिटिया से उसकी दुलारी बिटिया बन गई।

*-वंदना सिंह, कानपुर*

# अब बिना टेंशन पूरा होगा FASTag KYV: जानें नई आसान प्रक्रिया

भारत में हाइवे पर FASTag अब हर वाहन के लिए अनिवार्य है, लेकिन पिछले वर्ष लागू हुई KYV (Know Your Vehicle) प्रक्रिया कई लोगों के लिए झंझट भरी साबित हो रही थी। अलग-अलग एंगल से वाहन की तस्वीरें अपलोड करना, RC डिटेल्स भरना और वेबसाइट पर नेविगेशन इन सबमें यूजर्स को काफी परेशानी हो रही थी। इसी समस्या को देखते हुए NHAI ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने का फैसला लिया है, ताकि लोग बिना दिक्कत FASTag से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कर सकें। *-फीचर डेस्क*

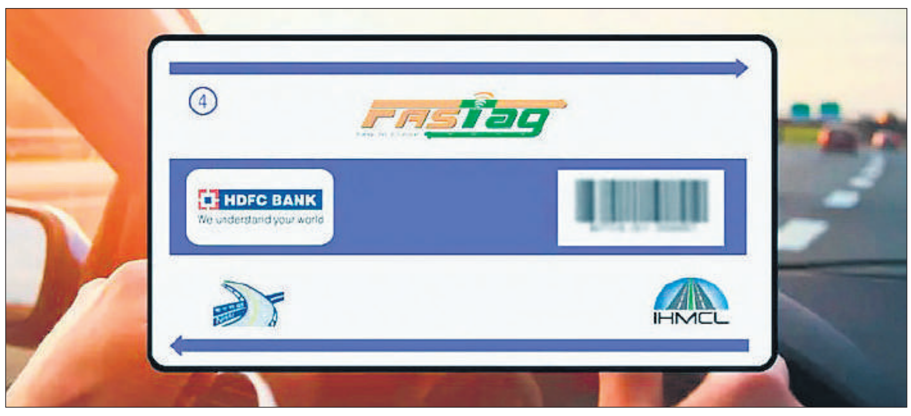

## क्या है KYV

KYV यानी Know Your Vehicle एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें FASTag उपयोगकर्ताओं को गाड़ी की RC और वाहन की तस्वीर अपलोड करनी होती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि FASTag उसी वाहन पर लगा है, जिसे इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सिस्टम misuse रोकने के लिए बनाया गया है, जैसे ट्रक चालक कार वाला FASTag लगाकर कम टोल भरने की कोशिश न कर सकें। इसके अलावा, यह वेरिफिकेशन हर तीन साल बाद दोबारा करना अनिवार्य होगा।

## नए नियमों में बदलाव

### अब तुरंत बंद नहीं होगा FASTag

यह बदलाव वाहन मालिकों के लिए सबसे बड़ा राहत बिंदु है। अब KYV अधूरा रहने पर FASTag को तुरंत निलंबित नहीं किया जाएगा। बैंक यूजर्स को समय-समय पर SMS भेजकर जानकारी देंगे और जरूरत पड़ने पर कॉल के माध्यम से सहायता भी करेंगे।

### ऐसे दर्ज करें शिकायत

यदि प्रक्रिया के दौरान किसी यूजर को दिक्कत आती है, तो वह 1033 हेल्पलाइन पर कॉल करके शिकायत दर्ज कर सकता है। NHAI यह बदलाव इसलिए कर रहा है, क्योंकि भविष्य में MLFF (MultiLane Free Flow) टोल सिस्टम लागू किया जाना है, जिसमें बिना टोल बूथ के हाईवे पर 100 प्रतिशत सटीक टैगिंग जरूरी होगी।

### अब केवल फ्रंट फोटो पर्याप्त

यूजर्स को अब गाड़ी की साइड फोटो अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ फ्रंट तस्वीर ही अपलोड करनी होगी, जिसमें नंबर प्लेट और FASTag स्पष्ट दिखाई दें।

### RC अपलोड की झंझट खत्म

NHAI सिस्टम अब सीधे VAHAN डेटाबेस से वाहन की जानकारी स्वत: प्राप्त कर लेगा। यूजर को सिर्फ Vehicle Number / Chassis Number या मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। यदि एक ही मोबाइल नंबर पर कई वाहन रजिस्टर्ड हैं, तो यूजर अपनी गाड़ी को सूची में से चुन सकता है।

# स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
लखनऊ, सोमवार 24 नवंबर 2025

## हाईलाइट

### साइना ने 'द लेजेंड्स' विजन-लेगेसी टूर इंडिया' की शुरुआत की

**नई दिल्ली।** दिल्ली में आज भारतीय बैडमिंटन के लिए एक यादगार दिन रहा, जब साइना नेहवाल और पीटर गेड ने सीरीफोर्ट डीडीए स्क्वैश एंड बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स में आयोजित "द लेजेंड्स' विजन – लेगेसी टूर इंडिया" की शुरुआत की। यह दिन विरासत, युवा ऊर्जा और उद्देश्य का ऐसा संगम लेकर आया, जिसने दिखाया कि जब महान खिलाड़ी अपने नन्हे चाहने वालों के साथ खड़े होते हैं, तो खेल की ताकत कई गुना बढ़ जाती है। आठ साल बाद भारत लौटे 'लेजेंड्स' विजन' का दिल्ली चैप्टर बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ। स्टेडियम शुरुआत से ही दर्शकों से भर गया था–जूनियर खिलाड़ी अपनी क्लब जर्सी में पहुंचे और परिवारों ने इसे एक उत्सव की तरह मनाया। जैसे ही साइना और गेड कोर्ट पर उतरे, गूंजती तालियों ने साफ कर दिया कि शहर इस पल का से इंतज़ार कर रहा था।

### बार्सिलोना ने बड़ी जीत के साथ जश्न मनाया

**बार्सिलोना (स्पेन) :** बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में एथलेटिक बिलबाओ पर 4–0 की शानदार जीत दर्ज करके अपने पसंदीदा स्टेडियम कैंप नोउ में वापसी का जश्न मनाया। यूरोप के सबसे बड़े फुटबॉल स्टेडियम कैंप नोउ को नए सिरे से तैयार किया गया है। उसे पिछले दो साल से भी अधिक समय तक बंद रखा गया था और अब लगभग आधी क्षमता पर फिर से खोला गया है। इस स्टेडियम में लंबे समय बाद होने वाले इस मैच को देखने के लिए लगभग 45,000 प्रशंसक मौजूद थे। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने मैच शुरू होने के सिर्फ़ चार मिनट बाद ही गोल करके माहौल बना दिया।

### भारत का कोरिया के खिलाफ जीत से आगाज

**इपोह :** मोहम्मद राहील के पहले क्वार्टर में किये गये इकलौते गोल की बदौलत युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने रविवार को सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में तीन बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 1–0 से हरा दिया। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाये मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता खोला। भारत की जीत में टीम के मिडफील्ड में दबदबे का मुख्य योगदान रहा जिसका श्रेय अभिषेक और टीम के कप्तान संजय को जाता है। ये दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

# भारतीय महिला टीम ने दृष्टिबाधित टी-20 क्रिकेट विश्व कप जीता

**कोलंबो, एजेंसी**

- फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया
- सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दी थी मात

भारत ने टी-20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीत लिया। फाइनल में रविवार को पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को सात विकेट से हराया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है।

भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया। इसके बाद महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही।

भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका। पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

# सेनुरन मुथुसामी का शतक, यान्सेन चूके

## गुवाहाटी टेस्ट का दूसरा दिन : दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 489 रन, राहुल व यशस्वी उतरे मैदान पर

रन 109
गेंद 206
चौके 10
छक्के 02

**गुवाहाटी, एजेंसी**

सेनुरन मुथुसामी ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया जबकि मार्को यान्सेन केवल सात रन से यह उपलब्धि हासिल करने से चूक गए लेकिन इन दोनों की शानदार पारियों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन रविवार को यहां अपनी पहली पारी में 489 रन का विशाल स्कोर बनाया। मुथुसामी ने 206 गेंद पर 109 रन बनाए जिसमें 10 चौके और दो छक्के शामिल हैं। यान्सेन ने भारतीय स्पिनरों को निशाने पर रखकर 91 गेंद पर छह चौकों और सात छक्कों की मदद से 93 रन की तूफानी पारी खेली। इन दोनों ने आठवें विकेट के लिए 97 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका का बड़ा स्कोर सुनिश्चित किया।

भारत ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 6.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के नौ रन बनाए हैं। यशस्वी जायसवाल (नाबाद सात) और केएल राहुल (नाबाद दो) ने दिन के आखिर में मौका मिलने पर किसी तरह का जोखिम उठाना उचित नहीं समझा लेकिन पिच अब भी सपाट है और इस पर भारतीय बल्लेबाजों से बड़ी पारियों की उम्मीद की जा सकती है।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह अपनी पारी छह विकेट पर 247 रन से आगे बढ़ाई और मुथुसामी की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी। भारत को पहले दो सत्र में एकमात्र सफलता काइल वेरिन (45) के रूप में मिली जिन्हें रविंद्र जडेजा ने स्टंप आउट कराया लेकिन इससे पहले उन्होंने दो घंटे तक टिककर अपना काम पूरा कर दिया था। मुथुसामी और वेरिन ने सातवें विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। भारतीय गेंदबाजों में केवल जसप्रीत बुमराह ही कुछ प्रभावशाली दिखे लेकिन बाद में वह भी थके हुए नजर आए। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और तीनों स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों के सामने बेअसर दिखे। मुथुसामी सुबह के सत्र में सतर्क नजर आए। उन्होंने तब बीच-बीच में चौके लगाए लेकिन यान्सेन के आने के बाद वह भी आक्रामक हो गए जिससे भारतीय गेंदबाजों की मुश्किल बढ़ गई। मुथुसामी ने कुलदीप यादव पर छक्का जड़कर अपनी रन संख्या 90 रन के पार पहुंचाई। इसके बाद उन्होंने इसी गेंदबाज पर चौका लगाया और फिर सिराज की गेंद पर दो रन लेकर अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। रिकार्ड के लिए बता दें कि यह उनका 10वां प्रथम श्रेणी शतक है और इससे पहले उन्होंने घरेलू क्रिकेट में 5000 से अधिक रन बनाए थे।

### लगा था कि यहां कभी टेस्ट नहीं खेलूंगा

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी 2019 में भारत में पदार्पण सीरीज में केवल दो विकेट ले पाए थे, जिससे उन्हें लगा था कि उनका करियर खत्म हो चुका है और वह इस देश में दोबारा कभी नहीं खेल पाएंगे। पर भारतीय मूल के इस हरफनमौला ने 2025 तक उपमहाद्वीप की परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ लिया और पाकिस्तान में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने पहले टेस्ट में 11 विकेट झटके और दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे समय में खेली। मुथुसामी ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, मेरी यात्रा अनोखी रही है। 2019 में भारत में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का स्वाद चखा, यहीं पदार्पण किया। फिर कुछ समय के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर पाया। पर क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक–एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते।

शॉट लगाते मार्को यान्सेन। एजेंसी

### दक्षिण अफ्रीका

**489/10** (पहली पारी) (151.1 ओवर)

| | |
|---|---|
| ऐड ऐडन मार्करम बो बुमराह | 38 |
| रिकलटन का पंत बो कुलदीप | 35 |
| स्टब्स का राहुल बो कुलदीप | 49 |
| बावुमा का जायसवाल बो जडेजा | 41 |
| टोनी डि जॉर्जी का पंत बो सिराज | 28 |
| मुल्डर का जायसवाल बो कुलदीप | 13 |
| मुथुसामी का जायसवाल बो सिराज | 109 |
| काइल वेरेने स्ट पंत बो जडेजा | 45 |
| मार्को यान्सेन बो कुलदीप | 93 |
| सिमोन हार्मर बो बुमराह | 05 |
| केशव महाराज नाबाद | 12 |

**गेंदबाजी :** बुमराह 32–10–75–2, सिराज 30–5–106–2, रेड्डी 6–0–25–0, सुंदर 26–5–58–0, कुलदीप 29 .1–4–115–4, जडेजा 28–2–94–2

### भारत

**09/0** (पहली पारी) (6.1 ओवर)

| | |
|---|---|
| यशस्वी जायसवाल खेल रहे हैं | 07 |
| केएल राहुल खेल रहे हैं | 02 |

**गेंदबाजी :** मार्को यानसेन 3 .1–1–9–0, वियान मुल्डर 3–3–0–0

### मुथुसामी ने जीवनदान का उठाया पूरा लाभ

जब जडेजा की गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट करार दिया गया तो उन्होंने डीआरएस लेकर अपना विकेट बचा लिया, क्योंकि टीवी रिप्ले में दिख रहा था कि गेंद उनके दस्तानों को छूकर गई थी। मुथुसामी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। मुथुसामी का विकेट आखिर में सिराज को मिला। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर हवा में लहरा गई जहां जायसवाल ने उसे कैच में तब्दील करने में कोई गलती नहीं की। यान्सेन ने हालांकि गेंदबाजों पर अपना दबदबा बनाए रखा। विशेषकर कुलदीप उनके निशाने पर थे पर आखिर में इसी स्पिनर ने उन्हें बोल्ड करके केवल सात रन से पहले टेस्ट शतक से वंचित कर दिया। कुलदीप भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 115 रन देकर चार विकेट लिए। बुमराह, सिराज और जडेजा ने दो–दो विकेट लिए।

## पिता की बीमारी से स्मृति मंधाना की शादी टली

**सांगली।** स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास के बीमार पड़ने के कारण भारतीय महिला टीम की इस दिग्गज क्रिकेटर और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मंधाना और पलाश की शादी रविवार (23 नवंबर) को होनी थी। मंधाना अपने पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं, जो उनके क्रिकेट करियर में लगातार उनका साथ देते रहे हैं। मंधाना के प्रबंधक तुहिन मिश्रा ने बताया कि विश्व कप विजेता क्रिकेटर के पिता को रविवार सुबह अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो गई।

मिश्रा ने कहा स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना आज सुबह नाश्ता करते समय तबीयत बिगड़ने लगी। हमने सोचा कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसलिए हमने एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वह चिकित्सकों की निगरानी में है। मिश्रा ने कहा कि पिता की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए मंधाना ने उनके ठीक होने तक अपनी शादी स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा मंधाना अपने पिता के बहुत करीब हैं। इसलिए उन्होंने शादी को तब तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया है।

# गुवाहाटी की पिच 'सड़क' की तरह है : कुलदीप

**गुवाहाटी, एजेंसी**

- गेंदबाजों का बचाव करते हुए बोले- कोलकाता की पिच थी अलग

स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम को जल्दी आउट करने में नाकाम रहे भारतीय गेंदबाजों का बचाव करते हुए रविवार को बरसापारा स्टेडियम की पिच की तुलना 'सड़क' से की।

दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम के बल्लेबाज पहली पारी में टीम के स्कोर को 489 रन तक पहुंचाने में सफल रहे। कोलकाता में खेले गए श्रृंखला के पहले टेस्ट में बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा था लेकिन यहां स्पिनरों को पिच से खास मदद नहीं मिल रही थी। कुलदीप से जब दोनों स्थलों के पिच की तुलना से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने व्यंग्य भरे लहजे में कहा, कोलकाता का विकेट तो अलग था। यह तो 'सड़क (पूरी तरह से सपाट)' की तरह है। इसलिए यह चुनौतीपूर्ण है और इसीलिए इसे टेस्ट मैच कहा जाता है।

कुलदीप भारत की ओर से पहली पारी में सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29.1 ओवर में 115 रन देकर चार विकेट लिए। यह देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस बयान को कैसे लेते हैं क्योंकि यह उनके घरेलू मैदान पर आयोजित होने वाला पहला टेस्ट मैच है और एक सीनियर खिलाड़ी ने पिच का आकलन बहुत अच्छा नहीं किया है। कुलदीप ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए जुझारूपन दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा यह हमेशा दबदबे की बात नहीं होती, बल्कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि आप एक अच्छी बल्लेबाजी पिच पर कैसे वापसी करते हैं। यह गेंदबाजों के लिए एक मुश्किल विकेट था क्योंकि मुझे नहीं लगा कि इस विकेट से बहुत मदद मिल रही है। कुलदीप ने कहा कि खिलाड़ियों को पिच की प्रकृति के बारे में सोचकर खुद को तनाव में डालने की जगह इसका लुत्फ उठाना चाहिए।

कहा यह तेज गेंदबाजों के लिए भी ज्यादा मददगार नहीं लग रहा था, लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है और आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आप जैसे-जैसे परिपक्व होते जाते हैं, आप विकेट के बारे में ज्यादा सोचे बिना खेलते है। अगले टेस्ट में इससे बेहतर विकेट हो सकता है, इसलिए कोई शिकायत नहीं। उन्होंने कहा कि मैच के शुरुआती सत्र में थोड़ी नमी थी लेकिन उसके बाद के पांच सत्र में स्पिन गेंदबाजों के लिए कोई मदद नहीं थी। उन्होंने कहा मुझे कल पहले सत्र में लगा कि विकेट में थोड़ी नमी थी, इसलिए मुझे पहले सत्र में थोड़ा टर्न मिला। उसके बाद बल्लेबाजी करना बहुत अच्छा रहा। उन्होंने निराशा भरे अंदाज में कहा कल और फिर आज स्पिन गेंदबाजों को किसी तरह की मदद नहीं मिली।

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी समाप्त के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

# ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लक्ष्य ने जीता सत्र का पहला खिताब

**सिडनी, एजेंसी**

भारत के लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर अंतर्राष्ट्रीय सर्किट पर मुश्किल दौर का अंत किया।

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद खराब दौर से गुजरने वाले अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले आखिरी बार 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सुपर 300 खिताब जीता था। वह इस साल सितंबर में हांगकांग सुपर 500 में उपविजेता रहे थे।

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेजतर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत से मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे।

**नया मुकाबला** | दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट के बाद वनडे की तैयारी, जडेजा की वापसी, बुमराह और सिराज को दिया गया आराम

# एकदिवसीय शृंखला में केएल राहुल करेंगे कप्तानी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए रविवार को भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया जबकि अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा लगभग आठ महीने बाद सफेद गेंद की टीम में वापसी करेंगे।

नियमित कप्तान शुभमन गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद राहुल को टीम की बागडोर सौंपी गई। राहुल को कप्तानी छोटी शृंखला को ध्यान में रखकर दी गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया राहुल को एक बार ही कप्तानी सौंपी गई है और इसे उसी रूप में देखा जाना चाहिए। ऋषभ (पंत) के नाम पर विचार नहीं किया गया क्योंकि उन्होंने पिछले एक साल में केवल एक ही वनडे खेला है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि शुभमन गिल की गर्दन की चोट ठीक हो जाएगी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी 2026 में होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में वापसी करेंगे।

विकेटकीपर बल्लेबाज पंत इस श्रृंखला के लिए उप कप्तान होंगे। यह श्रृंखला 30 नवंबर को रांची में शुरू होगी और इसके बाद रायपुर (तीन दिसंबर) और विशाखापत्तनम (छह दिसंबर) में मैच होंगे। जडेजा अंतिम दफा वनडे में मार्च में दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेले थे। उनकी वापसी इसलिए संभव हुई क्योंकि बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। अक्षर हाल में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का हिस्सा थे जिससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला से आराम दिया गया है। यह 31 वर्षीय खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन्स टेस्ट में भारत की चार स्पिनर वाली योजना (कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा) का हिस्सा था। कुलदीप और सुंदर दोनों को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2023 विश्व कप फाइनल के बाद अब भी वनडे में वापसी के लिए इंतजार करना होगा। वह इस समय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं। उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है।

### टीम

केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।